सीआरपीएफ समाचार

वर्ष 68 | अंक 6 | जुलाई–अगस्त, 2022

आज़ादी का अमृत महोत्सव

राजभाषा विशेषांक

76वें
स्वतंत्रता दिवस–2022
के अवसर पर के.रि.पु.बल को
110
वीरता पदक

अमित कुमार, सहायक कमाण्डेंट

84वें के.रि.पु.बल स्थापना दिवस के अवसर पर श्री कुलदीप सिंह, महानिदेशक, के.रि.पु.बल द्वारा सरदार पोस्ट की पवित्र मिट्टी पर माल्यार्पण करते हुए।

श्री कुलदीप सिंह, महानिदेशक, के.रि.पु.बल, श्री यू.सी. सारंगी, विशेष महानिदेशक को उनकी सेवानिवृति पर गुलदस्ता भेंट करते हुए।

मुख्य संरक्षक:
श्री कुलदीप सिंह, भा.पु.से. महानिदेशक

संपादकीय सलाहकार मण्डल

अध्यक्ष:
श्री के॰एम॰ यादव
महानिरीक्षक (आसूचना)

सदस्य:
श्री डी॰टी॰ बनर्जी, उप महानिरीक्षक
श्री राजकुमार, कमाण्डेंट
श्री शम्भू कुमार, कमाण्डेंट
श्री पाल सिंह सिवाल, कमाण्डेंट

मुख्य संपादक :
श्री प्रिंस भारद्वाज, सहा. कमा.
(जन संपर्क अधिकारी)

संपादक :
श्री परवेज़ आलम, सहा. कमा. (रा.भा.)

संपादकीय सहायता :
जितेन्द्र कुमार (उ.नि./आशुलिपिक)
राजेश कुमार (स.उ.नि./मं.)

चित्र:
जन संपर्क फोटो सेल, महानिदेशालय
और सी.आर.पी.एफ. बटालियनें

संपादकीय कार्यालय:
महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल,
ब्लाक–1, केन्द्रीय कार्यालय परिसर,
लोधी रोड, नई दिल्ली–110003
दूरभाष: 24360649

महानिदेशक सी.आर.पी.एफ. की ओर से मुद्रित और प्रकाशित:
एन.के. प्रिन्ट एण्ड ट्रेडर्स, 1119/A, कूचा हरजस मल, बाजार सीता राम, दिल्ली–06
दूरभाष: 9958119220, 9899355523

आवरण चित्र:
76वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शौर्य चक्र से सम्मानित जांबाज अधिकारी।

इस अंक में

पृष्ठ संख्या

1. महानिदेशक का राजभाषा संदेश 02
2. धैर्य और प्रतिष्ठा के 83 वर्ष : 84वां स्थापना दिवस 04
3. आजादी के अमृत महोत्सव पर सीआरपीएफ को सर्वाधिक वीरता पदक 06
4. हिंदी की बिंदी 15
   नीरज कुमार, उप कमाण्डेंट, 211 बटालियन, के.रि.पु.बल
5. खेल का सशस्त्र बलों में महत्व 16
   अनिल कुमार द्विवेदी, सहायक कमाण्डेंट (राजभाषा), ग्रु.के., के.रि.पु.बल, खटखटी
6. सहायक कमाण्डेंट राजभाषा की कलम से 17
   सुरेन्द्र पाल सिंह, सहायक कमाण्डेंट (राजभाषा), महानिदेशालय के.रि.पु.बल
7. केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में व्यवसायिक जीवन व व्यक्तिगत जीवन का प्रबंधन 18
   प्रशान्त कुमार राय, सहायक कमाण्डेंट, 81 बटालियन, के.रि.पु.बल
8. स्वतंत्रता संग्राम में हिंदी की भूमिका 23
   निरी. (हिं.अनु.), के. सुंदरेसन, महानिदेशालय के.रि.पु.बल
9. हिंदी और भारत का अमृत महोत्सव 25
   निरी. (हिं.अनु.), रमेश कुमार पाण्डेय, महानिदेशालय के.रि.पु.बल
10. हिंदी का सामर्थ्य एवं उसकी सार्थकता 27
    निरी./हि.अनु., सुशील कुमार, ग्रुप केंद्र, के.रि.पु.बल, सिलीगुड़ी
11. हिंदी भाषा पर अभिमान होना चाहिए 29
    राम बिलास गुप्ता, कमाण्डेंट, ग्रुप केन्द्र के.रि.पु.बल, बिलासपुर
12. चींख
    विकास कुमार सिंह, उप कमाण्डेंट, 224 वी.एस. बटालियन 29
13. आत्महत्या अभिशाप है 30
    राजेश कुमार सिंह, सहायक कमाण्डेंट., 238 बटालियन, के.रि.पु.बल
14. हम हैं वो वीर जवान 30
    उ.नि./मंत्रा., सतीश कुमार वर्मा, सी.टी.सी., मुदखेड़
15. आंतरिक सुरक्षा एवं के.रि.पु.बल 31
    स.उ.नि./जीडी, धनन्जय कुमार सिंह, 169 बटालियन, के.रि.पु.बल
16. आदर्शमय एक सैनिक का जीवन 31
    सिपाही/जीडी, खीम चन्द, ग्रुप केन्द्र के.रि.पु.बल, श्रीनगर
17. आजादी का अमृत महोत्सव 32
    स.उ.नि./जीडी, बिरेन्द्र सिंह, 165 बटालियन, के.रि.पु.बल
18. तिरंगे के लाल – के.रि.पु.बल 32
    उ.नि./जीडी, डी.डी. घोष, 23 बटालियन के.रि.पु.बल
19. महानिदेशालय के कार्यक्रम 33
20. विविध कार्यक्रम 34
21. हर घर तिरंगा 35
22. उपलब्धियाँ 36
23. शहीद को शत–शत नमन 47
24. पदोन्नति, स्थानान्तरण 48
25. महानिदेशक का डिस्क एवं प्रशंसा पत्र 49

सीआरपीएफ समाचार एक द्विमासिक पत्रिका है। इसमें प्रकाशित किये जाने वाले विचार लेखकों के व्यक्तिगत विचार हैं। विभाग की नीति से इसका कोई सम्बन्ध नहीं है। - **मुख्य संपादक**

महानिदेशक का राजभाषा संदेश

'हिंदी दिवस' के अवसर पर आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

संविधान सभा ने 14 सितंबर, 1949 को हिंदी को राजभाषा के रूप में अंगीकार किया और तब से ही प्रतिवर्ष 14 सितंबर 'हिंदी दिवस' के रूप में मनाया जाता है। संविधान सभा द्वारा सौंपे गए संवैधानिक और प्रशासनिक उत्तरदायित्वों तथा संविधान की भावना के अनुरूप तथा प्रेरणा, प्रोत्साहन और सद्भावना की नीति के साथ, राजभाषा हिंदी का प्रचार-प्रसार करने और इसके प्रयोग को बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाते हैं।

गृह मंत्रालय का राजभाषा विभाग संघ के सरकारी कामकाज में हिंदी का प्रगामी प्रयोग बढ़ाने और समस्त सांविधिक एवं कानूनी उपबंधों का पालन सुनिश्चित करने की दृष्टि से, अनेक महत्वपूर्ण उत्तरदायित्वों का निर्वहन करता है। इन्हीं उत्तरदायित्वों की एक कड़ी के रूप में विभाग द्वारा प्रतिवर्ष हिंदी दिवस का आयोजन दिल्ली में किया जाता रहा है। अत्यंत हर्ष का विषय है कि इस वर्ष हिंदी दिवस का आयोजन माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री जी की अध्यक्षता में भव्य एवं गरिमामयी स्वरूप में पहली बार दिल्ली से बाहर सूरत (गुजरात) में किया गया।

इसी वर्ष 15 अगस्त को हमने आजादी के 75 वर्ष पूरे कर लिए हैं इसलिए यह वर्ष अमृत महोत्सव वर्ष के रूप में हमारे लिए विशेष महत्व रखता है। इस अमृत महोत्सव वर्ष के उपलक्ष्य में आपसे अनुरोध है कि अपने कार्यालय के अधिकारियों तथा कार्मिकों को राजभाषा से संबंधित संवैधानिक प्रावधानों, राजभाषा अधिनियम, 1963, राजभाषा नियम, 1976, राजभाषा संकल्प, 1968 और समय-समय पर राजभाषा विभाग द्वारा राजभाषा नीति से संबंधी जारी दिशा-निर्देशों से अवगत कराया जाए। साथ ही सरकारी कार्य में सरल और सहज हिंदी के प्रयोग पर विशेष बल दिया जाए। वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक में राजभाषा नीति जोकि, प्रेरणा, प्रोत्साहन एवं सदभावना पर आधारित है, के संबंध में चर्चा की जाए। राजभाषा नियम, 1976 के नियम 12 के अनुसार केंद्रीय सरकार के प्रत्येक कार्यालय के प्रशासनिक प्रमुख का यह उत्तरदायित्व है कि वह राजभाषा अधिनियम तथा इनके अंतर्गत समय-समय पर जारी किए जाने वाले दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित कराए।

प्रसंगवश यहां पर यह भी उल्लेखनीय है कि केरिपुबल में भारत के प्रत्येक क्षेत्र के जवान भर्ती होते हैं, इसलिए मुख्यत: हमारी एक-दूसरे से संवाद की भाषा हिंदी होती है। जहां तक मैं समझता हूँ

हमारे बल का प्रत्येक सदस्य हिंदी को बोल एवं समझ लेता है। इसलिए हम सभी की यह जिम्मेदारी है कि हम कार्यालयीन कामकाज हिंदी में ही करें। हिंदी दिवस के इस पावन अवसर पर मैं अपील करता हूँ कि सभी अधिकारी स्वयं राजभाषा नियमों से परिचित हों और इसके प्रावधानों को अपने कार्यालयों में वास्तविक रूप से लागू करें, क्लिष्ट हिंदी का प्रयोग करने से बचें व हिंदी में कार्य करने का उचित वातावरण बनाएं। स्वयं हिंदी में लिखें व आपसी संवाद में इसका यथोचित प्रयोग कर गौरवान्वित महसूस करें। इससे सभी प्रेरित होंगे और कार्यालयिक कार्य आसानी से हिंदी में हो सकेगा।

मैं सभी कार्यालय प्रमुखों से अनुरोध करता हूँ कि वे अपने कार्यालयों में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए व्यक्तिगत रुचि लें और स्वयं हिंदी में कार्य करके अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करें। माननीय प्रधानमंत्री जी के स्मृति विज्ञान संबंधी प्रेम और प्रयोग से प्रभावित होकर राजभाषा विभाग ने गत वर्ष से हिंदी के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए बारह 'प्र' की रूपरेखा और रणनीति पर काम करना शुरू किया है, जिसमें महत्वपूर्ण स्तंभ हैं ''प्रेरणा, प्रोत्साहन, प्रेम, पुरस्कार, प्रशिक्षण, प्रयोग, प्रचार, प्रसार, प्रबंधन, प्रोन्नति, प्रतिबद्धता और प्रयास।''

अत: उपर्युक्त परिप्रेक्ष्य में, मैं पुन: सभी कार्यालय प्रमुखों से आह्वान करता हूँ कि वे अपने कार्यालयों में आयोजित होने वाली विभिन्न बैठकों में कार्यालय के शीर्ष नेतृत्व को राजभाषा विभाग द्वारा इन्हीं बारह 'प्र' की रणनीति के अनुसार कार्यालय के अधिक से अधिक कार्य को मूल रूप से सरल एवं सहज हिंदी में करने के लिए प्रेरित व प्रोत्साहित करें।

मुझे विश्वास है कि हमारे सामूहिक प्रयासों से हम अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में अवश्य सफल होंगे और राजभाषा के रूप में हिंदी का गौरव बढ़ाएंगे।

आप सभी को पुन: 'हिंदी दिवस' की हार्दिक शुभकामनाएं।

(कुलदीप सिंह)
महानिदेशक, केरिपुबल

धैर्य और प्रतिष्ठा के 83 वर्ष : 84वां स्थापना दिवस

केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस बल का 84वां स्थापना दिवस दिनांक 27 जुलाई 2022 को पूरे देश में बल के सभी प्रतिष्ठानों में उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। आज ही के दिन 1939 में नीमच में 01 बटालियन के साथ इस बल का गठन किया गया था। सीआरपीएफ अब एक बहुत बड़े बल के रूप में विकसित हो गया है, जिसमें अब 246 बटालियनें हैं जो पूरे देश में तैनात हैं, यह लगातार विकसित हो रही है और आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों का प्रभावी ढंग से मुकाबला कर रही है। पिछले 83 वर्षों में, सीआरपीएफ के बहादुरों ने अटूट प्रतिबद्धता के साथ राष्ट्र की सेवा करते हुए साहस, अभूतपूर्व धैर्य और वीरता का बार–बार प्रदर्शन किया है। बल ने 2309 वीरता पदक अर्जित किए हैं, जो सभी सीएपीएफ में सर्वाधिक हैं। देश की आंतरिक सुरक्षा को बनाए रखने के लिए स्वतंत्रता से पूर्व में सौंपे गए दायित्व को भारत के क्राउन रिप्रजेंटेटिव पुलिस बल की शानदार और वीरतापूर्ण यात्रा को प्रमाणित करता है। सीआरपीएफ– देश का सबसे बड़ा केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल है जो वास्तव में अपनी बहुमुखी प्रतिभा, व्यावसायिकता और अपने बहादुरों की वीरता के कारण देश का सबसे भरोसेमंद बल बन गया है।

शौर्य अधिकारी संस्थान, बसंत कुंज में आयोजित स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर श्री कुलदीप सिंह, महानिदेशक, सीआरपीएफ ने सरदार पोस्ट के युद्ध मैदान की पवित्र मिट्टी से युक्त कलश पर माल्यार्पण किया और सर्वोच्च बलिदान देने वाले बल के 2245 वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने पिछले 83 वर्षों में कर्तव्य की बलि वेदी पर अपना सर्वोच्च न्यौछावर कर दिया है। वीरता पदक विजेताओं को सम्मानित करने की समृद्ध और पोषित परंपरा के अनुरूप, महानिदेशक सीआरपीएफ ने बहादुरों को वीरता पदक प्रदान किए और साथ–ही साथ बहादुरों के मरणोपरांत उनके परिवार के सदस्यों को वीरता पदक से सम्मानित किया। समारोह के दौरान प्रस्तुत किए गए 107 वीरता पदकों का संक्षिप्त उद्धरण भी पढ़ा गया।

देश के सभी हिस्सों से सीआरपीएफ के लिए बधाई और शुभकामनाएं मिली। माननीय प्रधानमंत्री, नरेंद्र मोदी ने अपने ट्वीट के माध्यम से इस महत्वपूर्ण अवसर पर बल के जवानों और उनके परिवारों को बधाई दी। ट्वीट में लिखा था, ''सीआरपीएफइंडिया के सभी कर्मियों और उनके परिवारों को स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई। इस बल ने अपने अदम्य साहस और विशिष्ट सेवा के लिए खुद को प्रतिष्ठित किया है। सीआरपीएफ की भूमिका, सदा ही सुरक्षा चुनौतियों या मानवीय चुनौतियों से निपटने में, सराहनीय रही है।'' माननीय केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री, श्री अमित शाह ने भी बल को बधाई दी और राष्ट्र के लिए उनकी सेवा के लिए बल के कर्मियों की सराहना की।

श्री कुलदीप सिंह, महानिदेशक, के.रि.पु.बल ने अपने संबोधन में देश की प्रतिष्ठा को अक्षुण्ण रखने के लिए कर्तव्य की बलि वेदी पर सर्वोच्च बलिदान देने वाले श्रद्धेय बहादुरों के परिवार के सदस्यों के प्रति सीआरपीएफ का आभार और ऋण व्यक्त किया। उन्होंने देश की आंतरिक सुरक्षा में कर्मियों द्वारा निभाई गई उनकी अनुकरणीय भूमिका की प्रशंसा की और उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों को बल में किए जा रहे निरंतर आधुनिकीकरण की जानकारी भी दी। केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस बल अपने बहादुरों की क्षमताओं में विश्वास रखने के लिए राष्ट्र का कृतज्ञ है और साहस और प्रतिबद्धता के साथ मातृभूमि की सेवा करने की अपनी प्रतिज्ञा दोहराता है।

आजादी के अमृत महोत्सव पर सीआरपीएफ को सर्वाधिक वीरता पदक

आजादी के अमृत महोत्सव' समारोह को और भी यादगार बनाते हुए राष्ट्र ने सीआरपीएफ को 110 वीरता पदक प्रदान किए हैं जो सभी सीएपीएफ और पुलिस बलों में सबसे अधिक है। 76वें स्वतंत्रता दिवस–2022 की पूर्व संध्या पर सीआरपीएफ के बहादुरों के अदम्य साहस, असाधारण बहादुरी और अद्वितीय साहस को देखते हुए 01 शौर्य चक्र और 109 पीएमजी से सम्मानित किया गया है। सीआरपीएफ के वीरता पदकों की अब कुल संख्या 2149 हो गयी है, जोकि बल के प्रत्येक सदस्य के लिए बड़े गर्व की बात है। यह सीआरपीएफ द्वारा अपनी स्थापना के बाद से बार–बार दिखाई गई अभूतपूर्व वीरता के लिए एक स्पष्ट प्रमाण के रूप में दिखाई देता है, जो राष्ट्र की अखंडता और सम्मान को बनाए रखने में सहायक है।

110 वीरता पदकों में से 26 वामपंथ क्षेत्रों में हुए ऑप्रेशन के लिए और 84 जम्मू और कश्मीर में वीरतापूर्ण कार्यों के लिए प्रदान किए गए हैं। इस गणतंत्र दिवस पर बल को प्रदान किए गए 36 वीरता पदकों के साथ बल ने इस वर्ष 07 शौर्य चक्रों सहित कुल 146 वीरता पदक प्राप्त किए हैं। इसमें सबसे अधिक उल्लेखनीय बात यह है कि 16 बहादुरों ने पहले एक या एक से अधिक वीरता पदक प्राप्त किए हैं। श्री लौकराकपम इबोमचा सिंह, सहायक कमाण्डेंट, घाटी क्यूएटी, सीआरपीएफ ने पीपीएमजी के अलावा अपना छठा पीएमजी अर्जित किया है, जिससे अब वह 07 वीरता पदक अर्जित करने वाले बहादुर बन गए हैं। राष्ट्र ने सीआरपीएफ को विशिष्ट सेवा के लिए 05 राष्ट्रपति पुलिस पदक और सराहनीय सेवा के लिए 57 पुलिस पदक भी प्रदान किए हैं।

दिनांक 12 अक्टूबर 2020 को, घाटी क्यूएटी, सीआरपीएफ, एसओजी और जम्मू–कश्मीर पुलिस द्वारा ओल्ड बरजुल्ला क्षेत्र, पीएस सदर, जिला श्रीनगर में एक गुप्त सूचना के आधार पर एक आतंकवाद विरोधी संयुक्त अभियान शुरू किया गया था। लक्ष्य स्थल पर पहुंचने पर, और इमारत में 2 आतंकवादियों की मौजूदगी का पता लगने के बाद सैनिकों ने चारों ओर से घेरा डाल दिया। घेरा देखकर आतंकवादी घबरा कर डर गए और पकड़े जाने की आशंका होने पर आतंकवादियों ने कॉर्डन पार्टी पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसका घाटी क्यूएटी ने प्रभावी ढंग से जवाब दिया। आतंकवादियों के भाग जाने की स्थिति को प्रतिबंधित करते हुए एमजीएल का सटीक एवं प्रभावी रूप से उपयोग करने का निर्णय लिया गया। श्री अमित कुमार, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में पार्टी ने मकान में प्रवेश करने का निर्णय लिया तथा प्रवेश की भनक लगते ही आतंकियों ने गोलियां चला दीं और कमरे से बाहर सीढ़ियों की ओर भागे। श्री अमित कुमार, सहायक कमाण्डेंट ने भाग रहे आतंकवादी पर गोली चलाई और आतंकवादी ने आगे बढ़ रही टीम की ओर एक ग्रेनेड फेंका और उसके बाद भारी गोलीबारी की। हालांकि, ग्रेनेड विस्फोट में हमारे दो साथी जवान घायल हो गए। श्री अमित कुमार सहायक कमाण्डेंट ने अपने साथियों को आसन्न खतरे में देखकर उन्होंने अदम्य साहस और असाधारण नेतृत्व कौशल का प्रदर्शन किया और अपने घायल साथियों को सुरक्षित निकाल लिया और आतंकवादियों से फिर से मुठभेड़ शुरू कर दी। श्री अमित कुमार, सहायक कमाण्डेंट ने गोलियों की बौछार के बीच निडर होकर आतंकवादी से आमने–सामने की लड़ाई लड़ी और नजदीकी मुठभेड़ में आतंकवादी को मार गिराया। मारे गए आतंकवादी की पहचान पाकिस्तान के लश्कर

कमांडर सैफुल्लाह दनियाल, श्रेणी ए प्लस प्लस प्लस के रूप में हुई। आसन्न खतरे का सामना करने के लिए उनकी वीरता और अदम्य साहस के लिए श्री अमित कुमार, सहायक कमाण्डेंट को प्रतिष्ठित 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया है।

श्री राजू डी नाइक, द्वि0क0अधि0 के नेतृत्व में गांव मनमरुबेरा के पास थाना तेबो, जिला पश्चिमी सिंहभूम (झारखंड) में दिनांक 28 मई 2020 की रात को सीआरपीएफ की 60 बटालियन और राज्य पुलिस के द्वारा एक गुप्त सूचना आधारित संयुक्त अभियान की योजना बनाई गई थी। लगभग 0445 बजे जब सैनिक लक्ष्य स्थल के समीप पहुंचे तो अचानक उन पर भारी गोलाबारी शुरू हो गई। सैनिकों ने तुरंत पोजीशन ले ली और इस हमले का प्रभावी ढंग से जवाब दिया। एक कुशल नेतृत्व का प्रदर्शन करते हुए श्री राजू डी नाइक ने अपने सैनिकों को प्रेरित किया और जबरदस्त युद्ध किया और उप निरी0(जीडी) अवनीश यादव के साथ माओवादियों का पीछा किया। माओवादियों के अपने गढ़ में पैर उखड़ गए और अपनी पोजीशन की जगह को छोड़कर भागने पर मजबूर हुए। श्री राजू डी नाईक और उप निरी0(जीडी) अवनीश यादव ने भागते हुए माओवादियों का पीछा किया और उनमें से एक को झाड़ियों में छिपा हुआ देखा। माओवादियों ने दोनों की मौजूदगी को भांप लिया और उन पर फायरिंग करते हुए भागने की कोशिश की। हालाँकि दोनों ने पूरी सावधानी बरतते हुए माओवादी की ओर छलांग लगा दी और उसे नीचे गिरा दिया और एक हथियार के साथ उसे पकड़ लिया। इस बीच भाग रहे कुछ माओवादियों को श्री मिजराब हामिद सिद्दीकी, सहायक कमाण्डेंट ने देख लिया, उन्होंने तुरंत सहा0 उप निरी0(जीडी) प्रमोद कुमार झा और सि0/जीडी महती कलुन्डिया के साथ उन पर हमला किया। तीनों ही रणनीति के तहत माओवादियों की ओर बढ़े। तीनों के अचूक जवाबी हमले ने माओवादियों की कमर तोड़ दी और वे अपने मृत और घायल साथियों को पीछे छोड़कर घटनास्थल से भाग निकले। माओवादियों का पीछा करते हुए तीनों ने एक माओवादी का एक शव और एक को हथियार के साथ भी पकड़ लिया। मुठभेड़ और माओवादियों द्वारा अपनाए गए संभावित भागने के मार्ग के बारे में जानकारी मिलने पर द्वि0क0अधि0 अब (कमाण्डेंट) श्री साधु सरन यादव केंटई क्षेत्र की ओर बढ़े जहां केंटई की पहाड़ियों को पार करते हुए उनका सामना माओवादियों से हुआ। सामरिक रूप से खतरनाक स्थिति में होने के बावजूद कुशल नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन करते हुए उन्होंने माओवादियों को आमने–सामने की लड़ाई में एक साहसी निर्णय लिया और गोलियों की बौछार के बीच उन्होंने सिपाही (जीडी) सुनील कंदुलना और सिपाही(जीडी) लालू बाउरी के साथ मिलकर माओवादियों पर मोर्चा खोल दिया। तीनों के सटीक जवाबी हमले ने माओवादियों की रक्षा पंक्ति तोड़कर और उनमें दहशत पैदा कर दी। माओवादी बीच–बीच में फायरिंग करते हुए मौके से फरार हो गए। तीनों ने भागते हुए माओवादियों का पीछा किया, लेकिन वे जंगल और अपने चिर–परिचित रास्तों का फायदा उठाकर मौके से भागने में सफल रहे। क्षेत्र की गहन तलाशी लेने पर, सैनिकों ने 01 एके 47 राइफल के साथ 02 माओवादियों के शव बरामद किए। इस पूरे ऑपरेशन के दौरान 03 माओवादियों को सैनिकों ने ढेर कर दिया, जबकि 02 को हथियारों के साथ पकड़ लिया गया। आसन्न खतरे का सामना करने के लिए और उनकी अदम्य साहस के लिए श्री साधु सरन यादव, द्वि0क0अधि0 (अब कमाण्डेंट), श्री राजू डी नाइक, द्वि0क0अधि0, श्री मिजराब हामिद सिद्दीकी, सहा0 कमां0, सउनि(जीडी) अवनीश यादव, सउनि(जीडी) प्रमोद कुमार झा, सिपाही(जीडी) महती कलुन्डिया, सिपाही(जीडी) सुनील कन्डुलना और सिपाही(जीडी) लालु बाउरी को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) से सम्मानित किया गया।

भारत की स्वतंत्रता के 75 स्वर्णिम वर्ष पूरे होने के अवसर पर मनाए जा रहे 'आजादी का अमृत महोत्सव' कार्यक्रम के इस महत्वपूर्ण अवसर पर सीआरपीएफ के बहादुरों ने उन पर विश्वास करने के लिए राष्ट्र के प्रति अपना आभार व्यक्त किया और साहस और प्रतिबद्धता के साथ राष्ट्र की सेवा करने की अपनी प्रतिज्ञा दोहराई।

शौर्य चक्र

अमित कुमार, सहायक कमाण्डेंट

76वें
स्वतंत्रता दिवस–2022
के अवसर पर के.रि.पु.बल को
110
वीरता पदक

आज़ादी का अमृत महोत्सव

वीरता के लिए पुलिस पदक

शहीद सिपाही सुनील कलिता

शहीद सिपाही शर्मा लवकुश सुदर्शन

शहीद सिपाही खुर्शीद खान

शहीद सिपाही रमेश रंजन

लुगुन जोसेफ, उप कमाण्डेंट

सिपाही, दसाय पुर्ती

सिपाही, बजरंगी यादव

साधु सरन यादव
द्वि.कमा.अधि. (अब कमां)

राजु डी नाईक, द्वि.कमा.अधि.

मिजराब हामिद सिद्दीकी, सहा. कमाण्डेंट

वीरता के लिए पुलिस पदक

उप निरीक्षक, अवनीश यादव

स.उ.नि., प्रमोद कुमार झा

सिपाही, महाती कालुन्डिया

सिपाही सुनील कन्डुलना

सिपाही, लालु बाउरी

हवलदार, राम प्रकाश यादव

सिपाही, सुनील धुल

हवलदार, राजेश कुमार

सिपाही, चौहान चन्दूभाई मानसिंह

सिपाही (अब हव.), एस लोगनाथन

सिपाही, नजीर अहमद अन्टू

सिपाही, लोनबले खुशाबराव उपासराव

प्रहलाद सहाय चौधरी, सहा. कमाण्डेंट
(1ST BAR to PMG)

सिपाही (अब हव.), सतेन्द्र कुमार
(1ST BAR to PMG)

हवलदार, राम स्वरूप यादव

सिपाही, शेख महम्मद रफी

सिपाही, सुभाष चन्द्र हेमब्रम

अजय मलिक, सहा. कमाण्डेंट

हवलदार, रिकल सिंह

सिपाही, कृष्ण मुरारी कुमार

सिपाही (अब हव.), सुभाष चन्द्र

हवलदार, राजबीर शर्मा

सिपाही, नावा ज्योति दास

सिपाही, राज इटौरिया

सिपाही, नरेन्द्र कुमार

वीरता के लिए पुलिस पदक

सिपाही, सुशील कुमार
(1ST BAR to PMG)

नरेन्द्र यादव, द्वि.कमा.अधि.

राहुल माथुर, उप कमाण्डेंट

लौकराकपम इबोमचा सिंह, सहा. कमाण्डेंट
(4TH BAR to PMG)

सिपाही, कृष्णेन्दु दत्ता

सिपाही, शिवा कांत

सिपाही, सरोज कुमार

सिपाही, सोनू
(1ST BAR to PMG)

अमित कुमार, सहा. कमाण्डेंट

सिपाही, किशुन पाल सिंह जादौन

सिपाही, भम्मर वासुरभाई लखाभाई

सिपाही (अब हव.), राजीव कुमार पुनियॉ

नरेन्द्र यादव, द्वि.कमा.अधि.
(1ST BAR to PMG)

अमित कुमार, सहा. कमाण्डेंट
(1ST BAR to PMG)

अनिरूद्ध प्रताप सिंह, सहा. कमाण्डेंट

सिपाही, राहुल सिंह

सिपाही, सुशील कुमार
(2ND BAR to PMG)

सिपाही, राजीब राभा

सिपाही, संतोष कुमार

सिपाही, सजाद अहमद लोन

सिपाही, पंकज कुमार चौधरी

स.उ.निरी., अनिल कुमार सिंह

सिपाही, मोहित सिंह

सिपाही, बिपिन कुमार

सिपाही, सतपाल सिंह

वीरता के लिए पुलिस पदक

सिपाही, अनिल कुमार यादव

सिपाही, ऐजाज अहमद चोपान

नरेन्द्र यादव, द्वि.कमा.अधि.
(2ND BAR to PMG)

अमित कुमार, सहा. कमाण्डेंट
(2ND BAR to PMG)

लौकराकपम ह्बोमचा सिंह, सहा. कमाण्डेंट
(5TH BAR to PMG)

हवलदार, संतोष कुमार त्रिपाठी

हवलदार, राज कुमार सिंह

सिपाही, फिदा हुसैन डार
(1ST BAR to PMG)

सिपाही, विवेक कुमार तिवारी

सिपाही, भदारका घनाभाई मधुभाई

हिमांचल प्रसाद चौधरी, सहा. कमाण्डेंट

सिपाही, सुमेश एस

सिपाही, इरसाद हुसैन कुमार
(1ST BAR to PMG)

सिपाही, राजु थापा

निरीक्षक, संदीप ढौंडियाल

हवलदार, नायकी सोरेन

हवलदार, वी शंकर

सिपाही, प्रताप पॉल
(1ST BAR to PMG)

सिपाही, संदीप कुमार

सिपाही, रानाजीत कुमार चौहान

स.उ.नि.(अब उ.नि.), नौनिहाल सिंह

हवलदार, राजेश कुमार सिंह

सिपाही, नरेन्द्र कुमार पाण्डे

परमजीत कुमार, सहा. कमाण्डेंट

सिपाही, राकेश कुमार वर्मा

वीरता के लिए पुलिस पदक

सिपाही, आलोक कुमार

हवलदार, सुभाष चन्द्र बगड़िया

एबी थोमस, सहा. कमाण्डेंट
(1ST BAR to PMG)

उप निरी., सुनील कुमार

सिपाही, बिनय बोरो

अनिरुद्ध प्रताप सिंह, सहा. कमाण्डेंट
(1ST BAR to PMG)

हवलदार, राजशेखर नायडू वी

सिपाही, हेम बहादुर राय

सिपाही, राहुल

सिपाही, टोटन रॉय

निरीक्षक, राजेन्द्र प्रसाद बोरान

स.उ.नि.(अब उ.नि.), नरेश रामचन्द्र म्हात्रे

सिपाही, ठाकुर दास किस्कू

सिपाही, गणेश पाल

हवलदार, अवतार सिंह

सतेन्द्र प्रताप सिंह, सहा. कमाण्डेंट

सिपाही, अरूण कुमार आर

सिपाही, संदीप एम

राधे श्याम सिंह, कमाण्डेंट

सिपाही, सबज़ार अहमद भट

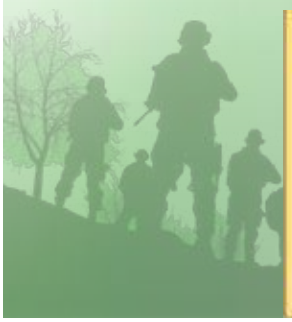

सिपाही, अजय कुमार

निरीक्षक, राजेन्द्र कुमार सरोज

उ.नि.(अब निरी.), शिव कुमार

हवलदार, शोभा राम
(1ST BAR to PMG)

विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक

श्री पदमाकर संतू रणपिसे, भा.पु.से., महानिरीक्षक, जम्मू सेक्टर

श्री राजेश कुमार, भा.पु.से., महानिरीक्षक, उत्तरी सेक्टर

श्री शक्ति सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी 224 बटालियन

निरी./एमटी कृष्णा कुमार सी.सी ग्रुप केन्द्र हैदराबाद

उप निरी./जीडी सेल्वराज के 77 बटालियन

सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक

क्र.सं.	पद	अधिकारी का नाम	कार्यालय/यूनिट
6.	कमाण्डेंट	अनुराग राणा	44 बटालियन (4 सिंगनल बटा. के लिए स्थानान्तरणाधीन)
7.	कमाण्डेंट	पवन कुमार सिंह	36 बटालियन
8.	कमाण्डेंट	प्रवीण कुमार त्रिपाठी	महानिदेशालय
9.	कमाण्डेंट	भूपेश यादव	एसडीजी
10.	कमाण्डेंट	अरूण देव शर्मा	46 बटालियन
11.	कमाण्डेंट	विशाल कन्डवाल	14 बटा. (5 सिंगनल बटा. के लिए स्थानान्तरणाधीन)
12.	कमाण्डेंट	अवधेश कुमार ध्यानी	235 बटालियन
13.	कमाण्डेंट	उदय दिव्यांशु	92 बटालियन
14.	मुख्य चिकित्सा अधि. (एस.जी.)	निखिल कुमार प्रसाद	सी.एच. बैंगलुरू
15.	द्वितीय कमान अधिकारी	हरि शंकर तिवारी	244 बटा. (113 बटा. के लिए स्थानान्तरणाधीन)
16.	द्वितीय कमान अधिकारी	भारद्वाज राजेश हरिप्रसाद	90 बटालियन
17.	द्वितीय कमान अधिकारी	विनोद कुमार रावत	21 बटालियन
18.	द्वितीय कमान अधिकारी	पवन कुमार लाल	162 बटालयन
19.	द्वितीय कमान अधिकारी	महेन्द्र सिंह	76 बटालियन
20.	उप कमाण्डेंट	संतरा देवी	05 बटालियन
21.	उप कमाण्डेंट	रिजन एम.जे.	113 बटालियन
22.	उप कमाण्डेंट/मंत्रा.	मोस्ताफिजुर रहमान	ग्रुप केन्द्र खटखटी
23.	सहा. कमाण्डेंट/मंत्रा.	सेतुमाधवन एन	सी.टी.सी. कोयम्बटूर
24.	निरी./जीडी	जल सिंह	174 बटालियन

25.	निरी./जीडी	दयानन्द सिंह	21 बटालियन
26.	निरी./जीडी	रणजीत नारायण पाठक	72 बटालियन
27.	निरी./जीडी	भरत सिंह	91 द्रुत कार्य बल
28.	निरी./जीडी	येलाला रॉबिन बाबु	112 बटालियन
29.	निरी./जीडी	देश राज	93 बटालियन
30.	निरी./जीडी	शिव दुलार सिंह यादव	152 बटालियन
31.	निरी./जीडी	सुन्दर सिंह	ग्रुप केन्द्र दिल्ली
32.	निरी./जीडी	ओदश कुमार	67 बटालियन
33.	निरी./जीडी	जुनाराम डेका	26 बटालियन
34.	निरी./जीडी	विन्ध्याचल मिश्रा	24 बटालियन
35.	निरी./जीडी	नरेश कुमार	50 बटालियन
36.	निरी./जीडी	संतोष कुमार मोहन्ती	52 बटालियन
37.	निरी./जीडी	सुरेन्द्र स्वाई	176 बटालियन
38.	उप निरी./जीडी	विजय कुमार	05 बटालियन
39.	उप निरी./जीडी	गुरूनाथ स्वामी	ग्रुप केन्द्र पुणे
40.	उप निरी./जीडी	छोटे लाल	ग्रुप केन्द्र गांधीनगर
41.	उप निरी./जीडी	तिलक राज	143 बटालियन
42.	उप निरी./जीडी	बुआ दित्ता	ग्रुप केन्द्र जम्मू
43.	उप निरी./जीडी	इन्द्रपाल सिंह	देहरादून सेक्टर
44.	उप निरी./जीडी	गुनसेकरन वी	42 बटालियन
45.	उप निरी./जीडी	मरीया फ्रांसिस डी	आर.टी.सी. आवडी
46.	उप निरी./जीडी	राजेन्द्र सिंह	ग्रुप केन्द्र श्रीनगर
47.	उप निरी./जीडी	विनोद चंद पाण्डेय	177 बटालियन
48.	उप निरी./जीडी	सुलेमान खान	81 बटालियन
49.	उप निरी./जीडी	नरेन्दर सिंह	81 बटालियन
50.	उप निरी./जीडी	सुशील कुमार	76 बटालियन
51.	उप निरी./जीडी	विजय कुमार	09 बटालियन
52.	स.उ.नि./जीडी	पतितपाबन रथ	ग्रुप केन्द्र भुवनेश्वर
53.	निरी./आर.ओ.	टी अच्चुतन	2 सिंगनल बटालियन
54.	निरी./आर.ओ.	जगपाल सिंह	1 सिंगनल बटालियन
55.	निरी./आरमोरर	बिपिन कुमार झा	ग्रुप केन्द्र गुवाहाटी
56.	निरी./एम.टी.	अमानुल्ला पुरकैत	ग्रुप केन्द्र गुवाहाटी
57.	उप निरी./एम.एम.	श्रीरामा चन्द्रा बडिकला	सी.आई.ए.टी. चित्तूर
58.	सिपाही/कुक	छोटे लाल प्रसाद	31 बटालियन
59.	सिपाही/वाटर कैरियर	ज्ञान बहादुर	178 बटालियन
60.	सिपाही/एस.के.	अमी चंद	ग्रुप केन्द्र दुर्गापुर
61.	निरी./बैण्ड	अमर सिंह	ग्रुप केन्द्र श्रीनगर
62.	उप निरी./टेलर	चंद्रबाबू एस.	ग्रुप केन्द्र पल्लीपुरम

हिंदी की बिंदी

नीरज कुमार
उप कमाण्डेंट
211 बटालियन, के.रि.पु.बल

हिंदी भाषा भारत की संस्कृति का गौरव है जिससे भारत की पहचान है। यह हमारे जीवन मूल्यों, कला, संस्कृति एवं संस्कार की सच्ची संवाहक, संप्रेषक है। हिंदी भाषा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हमें गौरव प्रदान करती है। विश्व की सबसे ज्यादा बोली जानी वाली भाषा में हिंदी का स्थान दूसरा आता है। दुनिया भर में लगभग 60 करोड़ लोग हिंदी बोलते हैं। संस्कृत से बनी हिंदी की दो हजार धातुओं से करोड़ो शब्द बने हैं जिससे इसकी समृद्धता का पता चलता है।

हिंदी भाषा की आदि जननी संस्कृत है। यह देवभाषा संस्कृत का सरलतम रूप है जिसकी लिपि देवनागरी है। यह भाषा संस्कृत से पाली, प्राकृत, अवहट्ट और फिर अपभ्रंश होती हुई हिंदी का रूप लेती है। हिंदी भाषा को 14 सितम्बर 1949 को अधिकारिक रूप से राष्ट्रभाषा का दर्जा दिया गया है। भारत ही एक ऐसा देश है जिसकी राष्ट्रभाषा और राजभाषा एक ही है।

हिंदी भाषा के जिन स्वरों के उच्चारण में वायु मुख के साथ–साथ नासिका मार्ग से बाहर निकली है वे स्वर अनुनासिक कहलाते हैं। अनुनासिक स्वरों को लिखकर व्यक्त करने के लिए दो वर्ण बनाये गये हैं– चंद्रबिंदु (ऑ) तथा बिंदु (अं)। बिंदी का उच्चारण अनुनासिक व्यंजनों के लिए करते हैं। अनुनासिक व्यंजन पाँच हैं– ड़, ञ, ण, न और म। यह सारे व्यंजन वर्णमाला के हर वर्ग के अंत में आते हैं। इन्ही के उच्चारण के लिए बिंदी का प्रयोग होता है। बिंदी का उच्चारण निर्भर करता है उस अक्षर पर जो बिंदी वाले अक्षर के बाद आता है। जैसे कंधा में बिंदी का उच्चारण निर्भर करेगा 'ध' पर और चंपक में करेगा 'प' पर। इसके अनुसार बिंदी के बाद वाला अक्षर जिस वर्ग का है उस वर्ग का पाँचवां अक्षर जो होगा वही उच्चारण बिंदी का भी होगा लेकिन आधा उच्चारण। इसीलिए इसे पंचमाक्षर का नियम भी कहते हैं। मानक वर्त्तनी के अनुसार हिंदी मानक है, हिंदी नहीं, अर्थात हिंदी के माथे पर बिंदी और यही बिंदी किसी अक्षर में माथे पर विराजमान होकर उसकी शोभा बढ़ा देते हैं।

हिंदी भाषा में एक बिंदी के प्रयोग से उस वाक्य में सम्मान आ जाता है। जैसे "वह आ रहा है" वाक्य को सम्मान के साथ कहना है तो कहा जायेगा "वे आ रहे हैं।" इसी तरह "आयेगा" के बदले "आयेंगे", "सभी लोग उपस्थित है" के बदले "सभी लोग उपस्थित हैं यह हिंदी भाषा की समृद्धता है जिसमें एक बिंदी लगाकर बोलने से सामने वाले का सम्मान बढ़ जाता है।

हिंदी साहित्य के इतिहास में रीति काल से प्रसिद्ध कवि है बिहारी। इनकी 'सतसई ग्रंथ' हिंदी साहित्य का अमूल्य निधि है। इनके दोहे 'गागर में सागर' भरे जाने की उक्ति को चरितार्थ करते हैं। इनके विषय में कहा गया है–

सतसैया के दोहरे, ज्यों नावक के तीर।
देखन में छोटे लगै, घाव करै गंभीर।।

बिहारी कवि ने हिंदी की बिंदी एक बहुत सुंदर दोहा कहा है–

कहत सब, बेंदी दिये, आँक दस गुनो होत।
तिय लिलार बेंदी दिये, अगिनत होत उदोत।।

इस दोहा में बिहारी ने बिंदी को गणितीय रूप में प्रकट किया है। उन्होने गणित के शून्य के महत्व को काव्यात्मक रूप में प्रस्तुत किया है। गणित के नियमानुसार किसी भी संख्या के आगे बिंदी अर्थात शून्य लगाने पर उसका मूल्य दस गुणा हो जाता है परन्तु कवि बिहारी के अनुसार सुन्दर नारी के मस्तक पर बिंदी लग जाने से उसकी सुंदरता अनगिनत बढ़ जाती है। इस प्रकार कवि ने वचन–वक्रता का प्रयोग करते हुए बिंदी का सुन्दर उदाहरण प्रस्तुत किया है।

जिस प्रकार हिंदी भाषा में बिंदी का प्रयोग भाषा के सौंदर्य व गुणात्मकता को बढ़ाया है उसी प्रकार भारत माता के माथे पर सजी हिंदी रूपी बिंदी है जो भारत के सौंदर्य को बढ़ाया है।

हिंदी हमारा गौरव है, मातृभाषा है, राष्ट्रभाषा है, राजभाषा है जिसका सम्मान राष्ट्र का सम्मान है। राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी कहते थे– **"हिंदी न जानने से गूँगा रहना ज्यादा बेहतर है।"**

खेल का सशस्त्र बलों में महत्व

अनिल कुमार द्विवेदी
सहायक कमाण्डेंट (राजभाषा)
ग्रु.के., के.रि.पु.बल, खटखटी

खेल, बहुत ही अच्छी शारीरिक गतिविधि है जो तनाव और चिन्ता से मुक्ति प्रदान करता है। यह खिलाड़ियों के लिए अच्छा भविष्य और पेशेवर जीवन का क्षेत्र प्रदान करता है। यह माना जाता है कि खेल और ताकत एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। यह खिलाड़ियों को उनके आवश्यक नाम, प्रसिद्धि और धन उपार्जन की क्षमता रखता है। इसलिए हम कह सकते हैं कि व्यक्तिगत लाभ के साथ ही पेशेवर लाभ के लिए भी खेल सकते हैं। दोनों ही तरीकों से यह हमारे शरीर, मस्तिष्क और आत्मा को लाभ पहुँचाता है। कुछ लोग अपने शरीर और मस्तिष्क की तंदुरुस्ती और आनन्द आदि के लिए नियमित रूप से खेलते हैं। कोई भी निजी और पेशेवर जीवन में इसके मूल्य को अनदेखा नहीं कर सकता है। पहले ओलम्पिक खेल 1896 में एथेंस में आयोजित हुए थे, जो अब नियमित रूप से हर चार साल बाद विभिन्न देशों में आयोजित होते हैं। इसमें इनडोर एवं आउटडोर दोनों प्रकार के खेल शामिल होते हैं, जिसमें विभिन्न देशों के खिलाड़ी भाग लेते हैं।

सशस्त्र बलों में खेल :- सशस्त्र बलों में खेल एक अहम भूमिका निभाता है। खेल से फाइटिंग दक्षता, नैतिकता, व्यक्तिगत विकास एवं अन्ततः परिचालनिक दक्षता में वृद्धि होती है। बल के सदस्य का शारीरिक रूप से तंदुरुस्त रहना एक मूल आवश्यकता है। खेल के अच्छे प्रदर्शन से जनता के बीच एक अच्छा संदेश जाता है और अच्छी छवि भी बनती है। खेल के माध्यम से बेहतर स्वास्थ्य हासिल किया जा सकता है।

खेल के लाभ :- खेल हमारे लिए कई प्रकार से लाभदायक हैं क्योंकि ये हमें एकाग्रता, समयबद्धता, धैर्य, अनुशासन, निष्ठा, लगन एवं समूह में कार्य करना सिखाते हैं। खेलना हमें आत्मविश्वास के स्तर का निर्माण करना और सुधार करना सिखाता है। यदि हम खेल का नियमित अभ्यास करें तो हम अधिक सक्रिय और स्वस्थ रह सकते हैं। खेल गतिविधियों में शामिल होना हमें बहुत से रोगों से सुरक्षित करने में मदद करता है, जैसे गठिया, मोटापा, हृदय की समस्याओं, मधुमेह आदि। यह हमें जीवन में अधिक अनुशासित, धैर्यवान, समयबद्ध और विनम्र बनाता है। यह हमें जीवन में सभी कमजोरियों को हटाकर आगे बढ़ना सिखाता है।

शारीरिक समन्वय और ताकत :- खेल से शारीरिक समन्वय और ताकत का विकास होता है। यह सत्य है कि खेल में भागीदारी करने वाले एक व्यक्ति के पास सामान्य व्यक्ति जो व्यायाम नहीं करता हो, की तुलना में अधिक ताकत और सक्रियता होती है। खेलों में रुचि रखने वाला व्यक्ति महान शारीरिक ताकत विकसित कर सकता है और किसी भी राष्ट्रीय या अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के खेल में भागीदारी करके अपना भविष्य उज्ज्वल कर सकता है। खेल शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने, शारीरिक समन्वय बनाए रखने, शरीर की ताकत को बढ़ाने और मानसिक शक्ति में सुधार करने में मदद करता है।

चरित्र और स्वास्थ्य निर्माण :- नियमित आधार पर खेल खेलना एक व्यक्ति के चरित्र और स्वास्थ्य निर्माण में मदद करता है। यह आमतौर पर देखा जा सकता है कि युवा अवस्था से ही खेल में शामिल रहने वाला व्यक्ति बहुत ही साफ और मजबूत चरित्र के साथ ही अच्छे स्वास्थ्य को विकसित करता है। खिलाड़ी समय के पाबंद और अनुशासित होते हैं। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि खेल राष्ट्र और समाज के लिए मजबूत, अच्छा एवं अनुशासित नागरिक प्रदान करता है।

खेल में भागीदारी का स्तर :-

यूनिट स्तर :- इस स्तर पर खेल का उद्देश्य सशस्त्र बलों के सभी कार्मिकों को सम्मिलित करके बेहतर तंदुरुस्ती एवं समग्र स्वास्थ्य हेतु मनोविनोद पूर्ण माहौल बनाने का होना चाहिए। प्लाटून/कंपनी स्तर पर खेलकूद प्रतियोगिताएँ आयोजित की जा सकती है। इस स्तर पर यूनिट कमाण्डेंट, खेल प्रतिनिधियों एवं शारीरिक प्रशिक्षण इंस्ट्रक्टरों के संयोजन से खेल के सभी पहलुओं के लिए जिम्मेदार है।

सेक्टर स्तरः - सेक्टर स्तर पर खेल का उद्देश्य प्रतिस्पर्धा, सामूहिक कार्य उच्च प्रदर्शक एवं विजय से होता है। सेक्टर स्तर पर खेलकूद प्रतियोगिताएँ सेक्टर के महानिरीक्षक के संयोजन से सेक्टर खेल अधिकारी (एसएसओ) की जिम्मेदारी में आयोजित होती हैं।

केन्द्रीय खेल स्तर :- केन्द्रीय खेल स्तर पर खेल में भागीदारी का उद्देश्य भी उच्च प्रदर्शक का होता है। पुलिस उप–महानिरीक्षक (सीएसओ) महानिदेशालय, केरिपुबल इस स्तर के खेल के लिए जिम्मेदार होते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर :- इस स्तर पर खेल की भागीदारी का तात्पर्य सशस्त्र बलों के सर्वोत्कृष्ट खिलाड़ी के खेल हैं। विशेष महानिदेशक/अपर महानिदेशक (प्रशिक्षण) एवं महानिरीक्षक (प्रशिक्षण) के साथ पुलिस उप–महानिरीक्षक (सीएसओ) महानिदेशालय, केरिपुबल इस स्तर के खेल के लिए जिम्मेदार होते हैं। अतः सशस्त्र बलों में खेलों को बढ़ावा देने के लिए यूनिट, सेक्टर, केंद्रीय, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जोर दिया जाना वांछनीय है।

सहायक कमाण्डेंट राजभाषा की कलम से

सुरेन्द्र पाल सिंह
सहायक कमाण्डेंट (राजभाषा)
महानिदेशालय के.रि.पु.बल

हिंदी को राजभाषा की संवैधानिक प्रतिष्ठा और मान्यता तो 1949 में ही मिल गई थी, किंतु इसे व्यावहारिक रूप प्रदान किया जाना अभी भी शेष है। इस संदर्भ में इस वर्ष 'हिंदी दिवस' एवं दूसरे अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का सम्मिलित आयोजन माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री जी की अध्यक्षता में दिनांक 14 – 15 सितंबर, 2022 को पहली बार दिल्ली से बाहर सूरत (गुजरात) में किए जाने का ऐतिहासिक महत्व है। यह अनुभवों से सिद्ध हो चुका है कि राजकाज में हिंदी के प्रयोग की धीमी गति को तीव्रता प्रदान करने में केवल संवैधानिक प्रावधान या कानून ही सार्थक–सफल नहीं हो सकते।

कानूनी प्रावधानों के अंतर्गत पूरे देश को क, ख, ग क्षेत्रों में बांटकर राजभाषा के रूप में हिंदी के प्रयोग और विभिन्न व्यावहारिक प्रतिबंधों जैसे–राजभाषा अधिनियम के अंतर्गत निर्धारित 14 प्रपत्रों को मूल या अनुदित रूप में हिंदी में जारी करने के प्रावधान धीरे–धीरे अमल में लाए जा रहे हैं, परंतु इस प्रावधान को पूर्ण रूप से व्यवहार में लाने के लिए समर्पित प्रयासों की आवश्यकता लंबे अर्से से अनुभव की जा रही है। कानूनी प्रावधानों के तहत ऐसे सभी प्रपत्रों–सूचना, निविदा, विज्ञप्ति, कार्यवृत्त, आदेश, नामपट्ट, ज्ञापन, संकल्प, अधिसूचना आदि को राजभाषा में न जारी करना दंडनीय है, किंतु व्यवहार के स्तर पर यह मान्यता महत्व रखती है कि दंड के माध्यम से राजभाषा को शत–प्रतिशत लागू करना उचित और संभव नहीं है। संघ की राजभाषा नीति का आधार ही प्रेरणा और प्रोत्साहन है इसलिए प्रयोजनमूलक भाषा प्रयोग के स्तर पर कर्मियों, अधिकारियों में एक लगाव या समर्पण की भावना उत्पन्न करना दंड से कहीं अधिक प्रोत्साहन से संभव है। भारत संघ गणराज्य की भाषा हिंदी और वर्तनी देवनागरी है, किंतु धारा 348 में उच्च और उच्चतम न्यायालयों में कामकाज, दावे, बहस और निर्णयों की भाषा के रूप में अंग्रेजी को मान्यता दी गई। इसके अपवाद सामने आ रहे हैं। गत वर्ष जब प्रयागराज उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति ने हिंदी में चर्चित फैसला सुनाया तो न्यायपालिका में एक नई भाषाई चेतना का संचार हुआ था और इसके बाद चेन्नई में निवर्तमान राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द ने भारतीय भाषाओं में न्याय और निर्णय उपलब्ध कराए जाने की आवश्यकता पर बल दिया।

भारत जैसे भाषा–संस्कृति की विविधता वाले देश में व्यवहार के धरातल पर एक राजभाषा की स्वीकार्यता अपेक्षाकृत अत्यंत कठिन कार्य रहा है। महात्मा गांधी ने 'राष्ट्रभाषा बिना राष्ट्र गूंगा है' कहकर जिस चुनौती का उल्लेख किया था, उसका हल ढूंढने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव राजभाषा को लागू किया जाना है। बिहार, हरियाणा, हिमाचल, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, अंडमान निकोबार द्वीप समूह को 'क' और गुजरात, महाराष्ट्र, पंजाब, चंडीगढ़, दमन–दीव, दादरा नगर हवेली को 'ख' तथा इसके अतिरिक्त शेष भाग को 'ग' क्षेत्र में विभाजित कर राजभाषा संबंधी व्यावहारिक नियम–कानून बनाए गए हैं, पर अभी 'क' क्षेत्र वाले राज्यों में ही राजभाषा नियमों को लागू करने की शत–प्रतिशत उपलब्धि की स्थिति व्यावहारिक रूप नहीं ले सकी है। भाषा की अपार शक्ति को ध्यान में रखकर हमारे संविधान के उपबंध 351 में केंद्र सरकार को यह दायित्व सौंपा गया कि वह हिंदी भाषा के विकास के लिए सतत कार्य करेगी एवं अन्य भारतीय भाषाओं की सहायता से हिंदी भाषा की उन्नति सुनिश्चित करेगी। इसी दायित्व से अभिप्रेरित केंद्रीय गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा आयोजित दूसरा एक दिवसीय सूरत सम्मेलन को संकल्प सम्मेलन कहना उचित होगा।

प्रसंगवश यहां पर यह उल्लेख करना भी उचित होगा कि राजभाषा और राष्ट्रभाषा का प्रश्न जटिल अवश्य है परंतु इसका हल असंभव नहीं। दुनिया के केवल एक चौथाई देशों की ही अपनी संविधान घोषित राष्ट्रभाषा है। बीते सात दशकों में देश में हिंदी के लिए एक सकारात्मक परिवेश बना है। इसे और मजबूत किए जाने की आवश्यकता है। भाषा, मानवीय व्यवहार और संस्कृति निरंतर परिवर्तनशील प्रक्रिया है। यह परिवर्तन समय साध्य है। आशा की जानी चाहिए कि जनभाषा से राजभाषा की ओर बढ़ती हिंदी की यात्रा को सार्थक बनाने में द्वितीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन की पहल के भी दूरगामी परिणाम होंगे।

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में व्यवसायिक जीवन व व्यक्तिगत जीवन का प्रबंधन

प्रशान्त कुमार राय
सहायक कमाण्डेंट
81 बटालियन, के.रि.पु.बल

केन्द्रीय, रिजर्व पुलिस बल भारत की एकता, अखंडता व आंतरिक सुरक्षा को बनाये रखने की महत्वपूर्ण धुरी है। चाहे नक्सलवाद हो या आतंकवाद, दंगा नियंत्रण हो या आपदा नियंत्रण, व्यक्ति सुरक्षा हो अथवा संस्थान सुरक्षा, नागरिक सहायता कार्यक्रम हो या नागरिक स्वास्थ सुधार कार्यक्रम, हर जगह केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल का स्थान व कार्य सकारात्मक अग्रणी है। जहां यह इस बल का एक पहलू है वहीं इस बल मे अत्यधिक गतिशीलता, घर से दूरी, स्थायी पारिवारिक जीवन का उथान, बच्चों को पर्याप्त अभिभावक्ता न दे पाना, रिश्तेदारों व सामाजिक संबंधों से कटाव एक नाकारात्मक पहलू है। इसके कारण बल के कार्मिकों मे आत्महत्या, तनाव, डिप्रेशन, मानसिक स्वास्थ्य की खराब स्थिति इत्यादि प्रवृति पाई जाती है। अतः इस सेवा मे व्यवसायिक जीवन व पारिवारिक जीवन मे संतुलन को बैठाना एक अत्यंत ही जटिल कार्य है। इस संतुलन को बैठाने में प्रबंधन की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस प्रबंधन से हम अपने समय के एक–एक पल को सही सदुपयोग कर सकते हैं। प्रबंधन को हम निम्न उप भागों मे बांट सकते हैं।

(1) व्यवसायिक प्रबंधन या नौकरी का प्रबंधन -

(2) अवकाश प्रबंधन-

(3) परिवारिक प्रबंधन-

(4) आर्थिक प्रबंधन-

(5) सामुदायिक प्रबंधन-

(6) स्वास्थ्य प्रबंधन-

(7) तनाव प्रबंधन-

अब हम एक-एक विषय पर विस्तृत चर्चा करेंगे:-

(1) व्यवसायिक प्रबंधन या नौकरी का प्रबंधनः-

के0रि0पु0 बल में अत्यधिक दायित्व, गतिशीलता, संवेदनशील क्षेत्रों में तैनाती, परिवार से दूरी इत्यादि कारकों के कारण व्यवसायिक कार्य मे तनाव बना रहता है तथा व्यक्ति शत प्रतिशत उत्पादकता नहीं दे पाता। अतः अपने नौकरी के प्रबंधन मे निम्न बिन्दुओं को ध्यान में रखना चाहिए–

(क) अपनी सस्था व सेवा के प्रति समर्पित रहना। हमेशा इस तथ्य को प्रमुखता देना कि सेवा से मिलने वाले वेतन से हमारा परिवार चलता है। इससे अपने सेवा के प्रति समर्पण बढेगा।

(ख) हमेशा अपनी कार्यकुशलता में वृद्धि कर तथा विभागीय व अन्य परीक्षाओं की तैयारी कर पदोन्नति प्राप्त करने का प्रयास करना।

(ग) अपनी योग्यता से प्रशिक्षण केंद्र, एन.एस.जी. व एस.पी.जी. जैसे प्रतिनियुक्ति पर जाने का प्रयास करना। यहां चयन प्रतियोगिता द्वारा होता है तथा जीवन मे स्थायित्व ज्यादा होता है।

(घ) अपनी सत्यनिष्ठा को उच्चतर स्तर पर ले जाना। एक सत्य बोलने वाले व्यक्ति को आपातकाल मे अवकाश जाने अथवा अन्य सहायता मांगने पर तुरंत मदद मिलती है।

(ङ) कभी अवकाश से देरी से न आना।

(च) उच्च स्तर का अनुशासन, शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य बनाये रखना। यही के0रि0पु0 बल की प्रमुख बुनियाद है।

(छ) संस्था के कार्यों में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेना। कार्य करते समय वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा लोगों को परखा जाता है। तथा अच्छी कुशलता से कार्य करने वाले लोगों को जिम्मेदारी के कार्य दिये जाते हैं।

(ज) हथियार व अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों में स्वयं रूचि लेकर महारथ हासिल करना।

(झ) सामयिकी, राष्ट्रीय व अंर्तराष्ट्रीय घटनाक्रम, संचार कौशल, लेखन कौशल, तकनीकी कौशल व कंप्यूटर ज्ञान बढ़ाने का प्रयास करना।

(ञ) आपस में बातचीत करते समय सकारात्मक मुद्दों पर बात करना जैसे–

(i) अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा कैसे दें।

(ii) अपने परिवार को जीवन की उच्चतर गुणवत्ता कैसे प्रदान करें।

(iii) प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे मे एक दूसरे से चर्चा करना।

(iv) के.रि.पु.बल के कल्याण कार्यक्रमों पर चर्चा करना।

(v) यदि व्यक्तिगत जीवन में कोई तनाव हो तो अपने साथी जवानो व अधिकारियों से साझा करें। प्रत्येक समस्या का हल है। कई लोगों से चर्चा करने पर हल जरूर मिल जाता है। हमेशा इस लाइन को याद रखे कि:–

''कोशिश करने वालों की हार नहीं होती''

समस्या से लड़ें व जीवन में आगे बढ़ते रहें, समस्या एक दिन खुद हार जाएगी तथा आप जीत जाएँगे। किसी लेखक ने कहा है:–

''मुश्किलें दिल में इरादे आजमाती है,
स्वप्न के पर्दे निगाहों से हटाती है।
हौंसले मत हार गिरकर ओ मुसाफिर,
ठोकरें इंसान को चलना सिखाती है।''

जरा सोचिए जो साथी किसी समस्या से ग्रस्त होकर आत्महत्या जैसा कदम उठाते हैं, इससे उनको क्या लाभ मिलता है? लाभ तो नहीं मिलता परिवार संकट में अवश्य आ जाता है। अगर आप अस्तित्व में रहेगें तभी अपने परिवार व बच्चों का भविष्य संवार सकते हैं। अतः सभी साथी कार्मिकों से अनुरोध है कि कभी समस्या से पराजित न हो बल्कि अपनी बहादुरी से समस्या को ही पराजित कर दें। आप न केवल अपने परिवार बल्कि राष्ट्र व बल की भी संपत्ति हैं, अतः आत्महत्या जैसे कदम से एक बडी संपत्ति क्षतिग्रस्त होती है। हम सभी बहादुर हैं, दुश्मन की गोली के सामने डटकर मुकाबला करते हैं तो फिर अपनी समस्याओं से मुकाबला क्यों नहीं कर सकते ?

(ट) न्यूज पेपर, पत्र पत्रिकाओं, विभागीय व प्रशिक्षण पाठयक्रमों का नियमित अध्ययन करना।

(ठ) खेल व सांस्कृतिक कार्यक्रमों में रूचि लेकर अपने कौशल को बढ़ाना।

(2) अवकाश प्रबंधनः-

के.रि.पु.बल में, वर्ष में लगभग 80 दिन अवकाश मिलता है, अतः बिना सटीक योजना के इतने कम दिनों में गृहस्थी कार्य निपटाना मुश्किल है। कभी कभी चुनाव, आपातकालीन तैनाती तथा प्रशिक्षण के कारण भी समय पर अवकाश नहीं मिल पाता। अतः हम निम्नलिखित उपायों से अवकाश का संतुलन नौकरी व पारिवारिक जीवन के साथ बैठा सकते हैं :–

(क) दिसम्बर माह में ही लगभग पूरे वर्ष के महत्वपूर्ण कार्यों की छटनी करें तथा प्रारंभ में ही योजना तैयार रखें।

(ख) सामाजिक दायरे को सीमित रखें व अपने परिवार व सगे संबंधियों पर ध्यान दें। प्रायः यह देखा जाता है कि कार्मिक दूर के रिश्तेदारों व मित्रों से संबंध निर्वाह में अपना अत्यधिक समय व्यतीत करते हैं तथा अपने परिवार को कम समय देते हैं। इससे एक तरफ पारिवारिक तनाव पैदा होता है वहीं दूसरी तरफ अपने बच्चों को अच्छा अभिभावकत्व नहीं दे पाते।

''हमेशा सामाजिक संबंधों को बनाते व निभाते समय हमेशा इस बात को गांठ बांध कर रखें कि हमारे अवकाश सीमित हैं तथा परिवार आपकी सर्वोच्य प्राथमिकता है।''

(ग) घर के नजदीक तैनाती पर छोटे अवकाश लेकर सामाजिक संबंधों का निर्वाह करें।

(घ) शान्त स्थानों, प्रशिक्षण स्थल, विभिन्न कार्यालयों में तैनाती के दौरान परिवार को साथ रखने की सामान्यतः अनुमति मिल जाती है। इस समय प्रतिवर्ष कम से कम 30 दिन अर्जित अवकाश अपने खाते में जमा करें जिससे कभी बाद में विषम परिस्थितियों में अवकाश समाप्त होने के पश्चात जमा अवकाश खाते से अवकाश दिया जा सके।

(ङ) संस्थाओं को वर्ष के प्रारंभ मे सभी कार्मिकों का अवकाश योजना मांगकर व संस्थाबल की स्थिति को देखते हुए स्वीकृत करें। इससे निम्न लाभ होंगे–

– कार्मिक को वर्ष के प्रारंभ में पता होगा कि उसे कब अवकाश जाना है। इससे वह अपनी पारिवारिक आवश्यकताओं को अवकाश योजना के साथ संतुलित कर सकता है।

– कार्मिक रिजर्वेशन कराकर आरामदायक यात्रा कर सकता है।

– परिवार के लोगों को भी पता रहेगा कि कार्मिक अवकाश कब आयेगा तो उनका तनाव भी कम रहेगा।

– कोई आपाताकालीन घटना घटित होने पर कार्मिक को कभी भी अवकाश भेजने का आश्वासन होने से कार्मिक भी चिंतामुक्त होकर कार्य करेगा।

– यह व्यवस्था 81 बटालियन के.रि.पु.बल में कमाण्डेंट महोदय के कुशल निर्देशन में सफलतापूर्वक चलाई जा रही है तथा बटालियन के कार्मिकों को वर्ष के प्रारंभ में अवकाश योजना स्वीकृत होकर मिल जाती है तथा कार्मिक अवकाश के मामले में तनाव मुक्त रहते हैं।

(च) अवकाश के लिए कभी झूठ न बोलें यह कार्मिकों की विश्वसनीयता को कम करती है। सामान्यतः मेरा यही अनुभव रहा है कि हमेशा सत्य बोलने वाले कार्मिकों को कभी आपात घटना घटने पर तुरंत अवकाश मिलता है।

(छ) अवकाश को त्योहार के हिसाब से नहीं बल्कि अपने पारिवारिक जरूरत के हिसाब का आंकलन करके जायें।

(3) परिवारिक प्रबंधनः-

(i) यदि तैनाती शांत जगह है तो परिवार साथ रखें।

(ii) यदि तैनाती अशांत क्षेत्रों में हों तो गृहस्थान के नजदीक ग्रुप केंद्र में क्वार्टर लें व परिवार रखें। ग्रुप केंद्र मे कार्मिक के अनुपस्थिति के बावजूद सुरक्षा, शिक्षा, चिकित्सा, स्कूल बस, कैंटीन इत्यादि सुविधाओं से परिवार तनावमुक्त होकर रह सकता है।

(iii) यदि नजदीक में के.रि.पु.बल ग्रुप केन्द्र नहीं है तो परिवार ऐसी जगह पर रखें जहाँ आपके परिवार के अन्य सदस्य या नजदीकी रिश्तेदार रहते हैं।

(iv) अपनी पत्नी व बच्चों को छोटे कार्य जैसे फीस जमा करना, डॉक्टर को दिखाना, सामान खरीदना इत्यादी के लिए प्रशिक्षित करें।

(v) ऋण के जाल में फंसने से बचें व वेतन को परिवार की सुविधा व बच्चों की अच्छी शिक्षा पर खर्च करें।

(vi) जब भी अवकाश जाते हैं तो बच्चों के साथ बैठें, पढ़ाई मे उनकी मदद करें तथा किसी विशेष कोचिंग की जरूरत पड़ने पर मुहैया कराएं। इससे आपके बच्चों का हौंसला प्रतियोगी परीक्षाओं मे ऊंचा रहेगा।

(vii) अवकाश का अधिकांश समय परिवार व बच्चों के साथ बिताएं ताकि उनके अंदर अकेलापन ना पैदा हो व वे आपकी कठिन ड्यूटी व परिस्थिति से अवगत रहकर आपको मानसिक मजबूती प्रदान करें।

(viii) समय से अवकाश न मिलने पर घबरायें नहीं बल्कि अपने परिवार व बच्चों से समस्याओं व संभावित निवारण के बारे में चर्चा करें। इससे आपके परिवार का व्यवहार आपके साथ मित्रवत रहेगा तथा किसी संकट में आपका पूरा परिवार आपके साथ खड़ा होगा।

(4) आर्थिक प्रबंधनः-

(i) वेतन को परिवार की सुविधा व बच्चों की अच्छी शिक्षा पर खर्च करें।

(ii) कर्ज के जाल में फंसने से बचें।

(iii) बचत हेतु केवल सुरक्षित बचत योजनाओं जैसे डाकघर, सुकन्या समृद्धि योजना, पीपीएफ (पब्लिक प्रोविडेंट फंड) पर भरोसा करें।

(iv) बल के कार्मिकों को अत्यधिक लाभ दिखाकर कुछ फ्रॉड व्यक्ति ठग लेते हैं। ऐसी फ्रॉड व असंभव योजनाओं में फंसने से बचें।

(v) किसी भी निवेश से पूर्व बल के अन्य जिम्मेदार साथियों से चर्चा करें।

(vi) बच्चों की उच्च शिक्षा हेतु उनके जन्म के पश्चात ही बचत प्रारंभ करें।

(vii) मित्रों व रिश्तेदारों को कर्ज देने व सहायता देने में सतर्क रहें। अधिकांश नजदीकी लोग बल के कार्मिकों से लिया धन वापस नहीं करते हैं।

(viii) सामाजिक दायरा सीमित रखें व अनावश्यक खर्च से बचें।

(ix) बच्चों व परिवार को अपना वेतन का एटीएम न सौंपें, अपितु उनके नाम पर खाता खोलकर उसमें खर्चे भर का धन भेजें। इससे साइबर फ्रॉड की संभावनाओं से बचा जा सकेगा जो आज के युग का प्रमुख अपराध है।

(5) सामुदायिक प्रबंधनः-

दूरस्थ क्षेत्रों में तैनाती के करण सामाजिक संबंधों को निभाना एक कठिन कार्य है। सामाजिकता भी मानव जीवन का एक अनिवार्य अंग है, इससे दूर रहकर भी समाज मे अस्तित्व मुश्किल है। नौकरी के दौरान बच्चों की शिक्षा, शादी–विवाह, ईलाज तथा रिटायरमेन्ट के बाद स्थायी जीवन हेतु अपने गाँव–समाज पर निर्भर है। हम अपने सेवाकाल के दौरान निम्नलिखित कदमों से सेवा की कठिन परिस्थिति व सामाजिक संबंधों के निर्वाह में स्थापित कर सकते हैंः–

(क) सामाजिक संबंध को सीमित रखें। रिश्तेदारों व मित्रों की परख करें। ऐसे लोगों को पहचानें जो आपसे स्वार्थवश नहीं अपितु स्नेहवश जुड़े हैं।

(ख) समाज में सबसे प्रमुख प्राथमिकता बच्चों की शिक्षा पर दें। यदि आपके बच्चे पढ़कर स्वावलंबी हो जाते हैं तो आपका बोझ कम होगा।

(ग) यदि आपके सामाजिक संबंध बच्चों की शिक्षा को नाकारात्मक रूप से प्रभावित करते हैं तो सामाजिक संबंधों की जगह बच्चों की शिक्षा को महत्व दें।

(घ) परिवार तथा ग्राम के लोगों से अच्छे संबंध रखें। अपने अवकाश में दौरान अपने गांव के समारोह में सक्रिय रहें।

(ड) जरूरत पड़ने पर परिवार, ग्राम तथा पड़ोस के लोगों की मदद करें। ये सामाजिक संबंध पूरे जीवन चलते हैं।

(6) स्वास्थ्य प्रबंधनः-

फिटनेस के.रि.पु.बल के गुणवत्ता की प्रमुख धुरी है। कठिन हालात, आतंकवाद, उग्रवाद, दंगा, आपदा इत्यादि तनावग्रस्त परिस्थिति से स्वस्थ व्यक्ति ही लड़ सकता है। स्वास्थ्य प्रबंधन हेतु

निम्न बातों पर ध्यान देने की आवश्यकता है :–

(क) पी.टी., योगा व खेल में रूचि लेकर भाग लें व पसीना बहाएं।

(ख) अवकाश के दिन अथवा अवकाश में घर जाने पर व्यायाम को जारी रखें।

(ग) मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत रखें।

(घ) अनावश्यक मोबाइल फोन का प्रयोग न करें व मोबाइल देखने की लत न लगने दें।

(ड) अपने सहकर्मी साथियों से स्वस्थ संवाद करें। चर्चा–परिचर्चा हमारे मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत करती है।

(च) परिवार के सदस्यों को भी फिट रहने हेतु प्रशिक्षित व प्रोत्साहित करें।

(7) तनाव प्रबंधनः-

बल के कार्मिक दूरस्थ तैनाती, पारिवारिक समस्याओं तथा अन्य समस्याओं के कारण तनाव का अनुभव करते हैं। निम्नलिखित लघु उपाय तनाव के आवरण को हटा सकते हैं–

(क) सेवा के प्रति वफादार रहें। इसी से परिवार चलता है।

(ख) तनाव को मन में न पालें। सहकर्मी मित्रों, परिवार के सदस्यों या वरिष्ठ अधिकारियों से अपने व्यक्तिगत तनाव के कारणों की चर्चा करें व संभावित उपाय की खोज करें।

(ग) अपने साथ रहने वाले सहकर्मियों को परिवार का अंग मानें व सबका सहयोग करें। किसी भी सहकर्मी का मजाक न बनाएं अपितु हमेशा संवाद को स्वस्थ रखें।

(घ) अपने कार्य को कार्यक्षेत्र में महारथ हासिल करें। इससे आपकी सेवा व कार्य को सराहना मिलेगी तो आपका मनोबल बढ़ेगा जिससे तनाव नजदीक नहीं आएगा।

(ड) खेल, फिल्म, संगीत, योग इत्यादि कार्यकलापों मे रूचि पैदा करें। के.रि.पु.बल में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अपनी प्रतिभा व रूचि को निखारा जा सकता है। ये कार्य जीवन के प्रति रूचि को बढ़ाकर तनाव को कम करते हैं।

कुल मिलाकर हम इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि मानव जीवन की गुणवत्ता व सफलता में प्रबंधन का अत्यधिक महत्व है। परिवार से दूरी व कठिन हालात में तैनाती के कारण के.रि.पु.बल के कार्मिकों के लिए प्रबंधन का महत्व ज्यादा प्रासंगिक हो जाता है। उपरोक्त विचार न तो किसी पुस्तक से हैं, न ही किसी प्रबंधन विशेष से। यह मेरे सेवा के 11 वर्षों के संचित अनुभवों, समस्याओं तथा समस्याओं से लड़ने हेतु किए गये प्रयासों का एक समन्वित रूप है। बल के कार्मिक वीरता, दक्षता, मनोबल, राष्ट्रभक्ति, समर्पण, त्याग, सेवाभाव, ईमानदारी तथा कठिन परिश्रम की प्रतिमूर्ति हैं। आज लगभग देश की जनता का मानना है कि देश की अखंडता व एकता को सुरक्षित रखने में प्रमुख योगदान के.रि.पु.बल का है। नागरिकों के इस विश्वास के पीछे मुख्य कारण बल के कार्मिकों का राष्ट्र के प्रति दायित्वों के लिए समर्पण है। अगर ऐसे महान कार्मिक लघु समस्याओं के कारण मनोरोग, डिप्रेशन व आत्महत्या जैसी समस्याओं में युक्त हैं तो यह चिंता की बात है। इन बहादुरों को बस अपने व्यवसायिक जीवन व व्यक्तिगत जीवन में प्रबंधन की आवश्यकता है, फिर समस्यायें तो अपने आप दूर हो जाएंगी। अंत मे यह पंक्तियाँ बल के महान कार्मिकों को समर्पित करते हुए अपनी लेखनी को विराम देता हूँ :–

''साहसी को बल दिया है,
मृत्यु ने मारा नहीं है।
राह ही हारी सदा,
राही कभी हारा नहीं है।।''

स्वतंत्रता संग्राम में हिंदी की भूमिका

निरी. (हिं.अनु.)
के. सुंदरेसन
महानिदेशालय के.रि.पु.बल

इतिहास के पन्ने इस बात का गवाह है कि भारत की स्वतंत्रता संग्राम में हिंदी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। हिंदी का सबसे पहला प्रमाण भारतीय धर्मग्रंथों एवं वेदों में मिलता है। स्वतंत्रता संग्राम को दर्शन और दिशा देने का काम मुख्यतः हिंदी पत्रकारिता ने ही किया। तब यह व्यवसाय नहीं था, अपितु वृत्ति थी। इसलिए हर प्रकार की कीमत चुकाकर पत्रकारों ने स्वतंत्रता की लड़ाई जारी रखी। पत्रकार फांसी पर चढ़े, काले पानी की सजा भुगती, जेल गये, कोड़े खाए, कुर्की सही पता नहीं क्या–क्या सहा ? तब हिंदी पत्रकारिता प्रखर देशभक्ति का दूसरा नाम था। पत्र और पत्रकारों के लिए तब एक ही दुश्मन था– **'सिर्फ और सिर्फ अंग्रेज, एक ही देश था- हिंदुस्तान, एक ही लक्ष्य था- स्वतंत्रता'**।

डेढ़ सौ वर्षों तक गुलामी के जंजीरों में जकड़े हुए इस देश के दिल और दिमाग को सही राह हिंदी पत्रकारिता ने दिखाई। उसने यहां की जनता का राजनीतिक संस्कार किया। वर्षों से जड़ जमाकर बैठी हुई सामाजिक बुराइयों और भय को निकाल बाहर करने की कोशिश की, समाज सुधार की, कई नई राहें निकाली। हिंदी पत्रकारिता नेतृत्व करने के साथ–साथ सलाह भी दे रही थी। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान हिंदी ने पूरे देश को एकजुट रख कर देशवासियों में राष्ट्र प्रेम और स्वाभिमान की अद्भुत भावना जागृत करने में अहम भूमिका निभाकर 'अनेकता में एकता' की संकल्पना को पुष्ट किया है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान स्वराज, स्वदेशी और स्वभाषा पर बल दिया गया था। यह हमारा राष्ट्रीय मत था कि बिना स्वदेशी व स्वभाषा के स्वराज सार्थक नहीं होगा। हमारे राष्ट्रीय नेताओं की यह दृढ़ धारणा थी कि कोई भी देश अपनी स्वतंत्रता को अपनी भाषा के अभाव में मौलिक रूप से परिभाषित नहीं कर सकता और ना ही उसका अनुभव कर सकता। इस संदर्भ में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी ने कहा था– 'स्वतंत्रता आंदोलन मेरे लिए केवल स्वराज का नहीं, अपितु स्वभाषा का भी प्रश्न है'।

स्वतंत्रता संग्राम का पहला ऐलान सही मायने में हिंदी पत्रकारिता ने ही किया जिसमें सन् 1857 के विद्रोह एक अहम कड़ी रही। सन् 1857 के विद्रोह के प्रकोप ने हिंदी भाषी क्षेत्र में नई राजनीतिक चेतना को जन्म दिया और ब्रिटिश उपनिवेशवादियों के क्रूर अत्याचार के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। सन् 1868 में, उन्होंने काशी से मासिक 'कवि वचन सुधा' प्रकाशित करके हिंदी लेखकों को प्रेरित किया। शुरुआत में इन्होंने कवियों की एकत्रित कृतियों को प्रकाशित किया, लेकिन बाद में यह पाक्षिक–अनुमोदित गद्य–कृतियां भी बन गई। सन् 1875 में सुधा एक साप्ताहिक बन गई और सन् 1885 तक हिंदी और अंग्रेजी दोनों में प्रकाशित होने लगी। जब लोग अज्ञानता की नींद में डूबे हुए थे, तब भारतेंदु हरिश्चंद्र ने हिंदी भाषी क्षेत्रों में 'सुधा' प्रकाशित करके लोगों के मन में अस्थिरता पैदा कर दी थी।

सन् 1900 में 'सरस्वती' को सबसे पहला लोकप्रिय हिंदी मासिक माना जाता है, जिसे चिंतामणि घोष ने प्रयाग से इंडियन प्रेस में प्रकाशित किया था। इसे नागरी प्रचारिणी सभा द्वारा मान्यता दी गई थी। महावीर प्रसाद द्विवेदी ने सन् 1903 में 'सरस्वती' के संपादकीय का कार्यभार संभाला और हिंदी पुनर्जागरण के तीसरे चरण की शुरुआत उनके सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से हिंदी भाषियों के बीच जागरूकता अभियान से हुई। सन् 1907 में मदन मोहन मालवीय द्वारा साप्ताहिक 'साहित्य' निकाला गया और उसी वर्ष माधव राव सप्रे द्वारा नागपुर से 'हिंद केशरी' शुरू किया गया। कानपुर के एक युवा उत्साही, गणेश शंकर विद्यार्थी ने सन्

1910 में एक तेजतर्रार और क्रांतिकारी साप्ताहिक 'प्रताप' शुरू किया, जो विद्रोही युवाओं का मुखपत्र था, जो अंग्रेज–मुक्त भारत के लिए तरस रहे थे। कागज ने न केवल क्रांतिकारी आयाम बल्कि उपन्यास उथल–पुथल को भी प्रस्तुत किया। हिंदी में एक और महत्वपूर्ण पत्रकारिता का योगदान सन् 1913 में 'प्रभा' की उपस्थिति है, जिसे पहले खंडवा से कालूराम गंगराडे और माखनलाल चतुर्वेदी द्वारा प्रकाशित किया गया था। बाद में सन् 1919 में, कानपुर के 'प्रताप प्रेस' से बाहर आना शुरू हुआ।

सन् 1915 में जब मोहनदास करमचंद गांधी दक्षिण अफ्रीका से भारत आए, तो उनका पहला आंदोलन बिहार के चंपारण से शुरू हुआ। जब गांधी चंपारण गए, तो उनके सामने सबसे बड़ी समस्या भाषा की थी। स्वतंत्रता संग्राम में शामिल होने से पहले, गांधी जी ने पूरे भारत की यात्रा की और पाया कि हिंदी ही एकमात्र ऐसी भाषा है जो पूरे देश को जोड़ सकती है। इसलिए उन्होंने हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने की बात की और पूरे राष्ट्रीय आंदोलन को इससे जोड़ा। स्वतंत्रता के बाद एक विदेशी पत्रकार ने उनसे दुनिया को एक संदेश देने को कहा। उस पर गांधी ने कहा कि– **"पूरी दुनिया अंग्रेजी नहीं जानती"।**

राष्ट्रीय मुक्ति संघर्ष के पूर्ववर्ती वर्षों में हिंदी पत्रकारिता और हिंदी साहित्य के केंद्र में केवल 'स्वतंत्रता' ही विषय था। अग्निपथीय हिंदी पत्रकारिता का एक दीर्घ दौर इस काल में चला। युगांतर, गदर, वंदे मातरम, संध्या, स्वराज्य, कर्मयोगी, प्रताप, वीर अर्जुन, तेज, मिलाप, कर्मवीर भारत मित्र इत्यादि केवल नाम नहीं थे, ये देशप्रेम में धधकते अग्नि कुंड थे। हर संपादक की सजा के बाद, पत्रकारिता में हिंदी विज्ञापन निकलता– **'संपादक चाहिए, वेतन- दो सूखी रोटी, एक गिलास ठंडा पानी और हर संपादकीय के लिए 20 साल की जेल'।**

गांधी जी ने सन् 1918 में इंदौर के आठवें हिंदी सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने पर बल दिया था और इसी सम्मेलन में उन्होंने हिंदी के प्रचार–प्रसार के लिए दक्षिण भारत में कार्यकर्ताओं को जाने के लिए प्रेरित किया। भारत सेवा संघ ने हिंदी प्रचार का कार्य शुरू किया। गांधीजी ने अपने पुत्र देवदास गांधी को भी हिंदी प्रचार के लिए भेजा। सन् 1920 में, शिव प्रसाद गुप्ता ने स्वतंत्रता संग्राम को सुविधाजनक बनाने के लिए काशी से 'आज' शुरू किया। 19 अगस्त 1921 को गांधी जी ने 'नवजीवन' का हिंदी संस्करण शुरू किया। आचार्य शिव पूजन सहाय ने 1922 में मासिक पत्रिका 'आदर्श' के संपादन के साथ शुरुआत की।

स्वतंत्रता संग्राम में हिंदी लोगों के बीच संचार का माध्यम रहा जिसके जरिए वे अपने दुख, वेदना को व्यक्त किया। फलस्वरूप अंग्रेजों को सन् 1947 में भारत छोड़ना पड़ा। इस प्रकार, इतिहास इस बात को साबित करता है कि स्वतंत्रता संग्राम में हिंदी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

निरी. (हिं.अनु.)
रमेश कुमार पाण्डेय
महानिदेशालय के.रि.पु.बल

भारत अपनी सांस्कृतिक विविधताओं के लिए पूरे विश्व में जाना जाता है तो वहीं राजभाषा हिंदी अपने देश को एक सूत्र में पिरोते हुए विश्व पटल पर अपनी अलग पहचान बना रही है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी ने आजादी से पूर्व राजभाषा और प्रान्तीय भाषाओं की चर्चा करते हुए अपना दृढ़ निश्चय प्रकट किया था कि – **'मेरा नम्र लेकिन दृढ़ अभिप्राय है कि जब तक हम अपने राष्ट्रीय और प्रान्तीय भाषाओं को उचित स्थान नहीं देंगे तब तक स्वराज्य की बातें करना निरर्थक हैं।'** हम सभी जानते हैं कि किसी भी स्वतंत्र राष्ट्र के लिए तीन चीजें विशेष सम्मानीय व विशिष्ट होती हैं:–

1. राष्ट्र ध्वज जिसमें देश का मान छिपा होता है,
2. राष्ट्र संविधान जो देश की आत्मा होती है एवं
3. राष्ट्रभाषा जो राष्ट्र की शान और पहचान होती है।

स्वतंत्रता के पश्चात् हमने एक राष्ट्र–ध्वज, एक राष्ट्र गान और एक राष्ट्रीय प्रतीक को अपनाया तो दूसरी तरफ हिंदी को राजभाषा के रूप में 14 सितंबर 1949 को देवनागरी लिपि में लिखित हिंदी को देश की राज–काज चलाने के साथ–साथ केन्द्र व राज्यों के बीच संपर्क बनाए रखने की भूमिका निभाने का दायित्व सौंपकर संविधान के अनुच्छेद 343(1) में उसे संघ की राजभाषा के रूप में प्रतिष्ठापित की गई है। भारत 15 अगस्त, 2022 को देश की आजादी का 76वां वर्षगाँठ **'आजादी के अमृत महोत्सव'** के रूप में मना रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े देशभक्ति के उत्साह को पुनः जागृत और नवीनीकृत करना, स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को याद करना तथा इंडिया–2047 के लिए एक विजन तैयार करना है जो निश्चित ही हम सभी के लिए प्रेरणादायी होगा।

भारत सरकार ने प्रगतिशील भारत की आजादी के 75 वर्षों की स्वर्णिम यात्रा और देश की समृद्ध संस्कृति तथा बेशुमार उपलबिधयों के गौरवशाली इतिहास के जश्न को एक यादगार पल बनाने के लिए 15 अगस्त, 2023 तक अर्थात 75 सप्ताह के कालखंड को **'आजादी के अमृत महोत्सव'** के रूप में मनाने के लिए माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी जी ने 12 मार्च, 2021 को साबरमती आश्रम अहमदाबाद से दांडी मार्च को हरी झंडी दिखाकर उद्घाटन की है। मुझे यह कहते हुए अत्यंत हर्ष की अनुभूति हो रही है कि इस महोत्सव को सफल एवं सार्थक बनाने के लिए देश भर में कई कार्यक्रमों जैसे भारत के राष्ट्रगान का प्रतिपादन एवं हर घर तिरंगा अभियानों में सभी सुरक्षा बलों के साथ–साथ इनके परिवार के सदस्यों की सक्रिय भागीदारी राष्ट्र के प्रति निर्मल देश भक्ति को दर्शाता है और यह निश्चित ही हम सभी के हृदय को सम्मोहित करता है।

भारत की आजादी के इन 75 वर्षों के कालखंड में भारत को एक तरफ विश्व पटल पर विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट पहचान मिली है तो दूसरी तरफ हिंदी विश्व की सबसे लोकप्रिय भाषा बनती जा रही है'। अब हिंदी भाषा की लोकप्रियता केवल भारत या भारत के पड़ोसी देशों तक ही सीमित नहीं रह गई है बल्कि सुदूर कैरिबियाई राष्ट्रों तक फैल चुका है। मॉरीशस, फीजी, गुयाना, रीनम, ट्रिनिडाड और टोबेगो जैसे देशों में यह राजभाषा के रूप में प्रतिष्ठित हो गई है। इतना ही नहीं इंडोनेशिया, अमेरिका, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया, अफ्रीका और खाड़ी के देशों में भी हिंदी बहुत लोकप्रिय हो गई है।

वर्ष 2015 में डॉ. जयंती प्रसाद नौटियाल द्वारा किया गया शोध अध्ययन के अनुसार विश्व की कुल आबादी का 18 प्रतिशत जनता हिंदी जानती हैं जो अपने आप में गर्व की बात है।

आज विश्व के 116 विश्वविद्यालयों में हिंदी पढ़ाई जा रही हो तो ऐसा कौन–सा क्षण होगा कि हिंदी उच्चरित न हो रही हो। भारत की राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा से आगे बढ़कर विश्व भाषा बनने की ओर अग्रसर है। आपको यह तो याद ही होगा कि अमेरिका से भारत दौरे पर आए माइक्रोसॉफ्ट के प्रमुख बिल गेट्स ने हिंदी के वैश्विक महत्व को स्वीकार करते हुए मुंबई में कहा था कि 'भारत को हिंदी सॉफ्टवेयर की आवश्यकता है और इस आवश्यकता की पूर्ति हेतु हमारा माइक्रोसॉफ्ट तैयार है।' इसी क्रम में राष्ट्रपति बराक हुसैन ओबामा ने अपने पहले चुनावी घोषणापत्र की प्रतियाँ अंग्रेजी के साथ–साथ हिंदी में भी छपवाकर वितरित करवाई थी जो यह विश्व पटल पर हिंदी भाषा के महत्व को दर्शाता है।

यह जानकर भले ही आश्चर्य लगे परन्तु यह सत्य है कि अमेरीकी राष्ट्रपति जार्ज बुश ने अपने शासन काल के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा भाषा कार्यक्रम के तहत अपने देशवासियों से हिंदी भाषा सीखने के लिए कहा था। अमेरिका जो कि अपनी भाषा और पहचान के अलावा किसी को श्रेष्ठ नहीं मानता पर हिंदी सीखने में उसकी रूचि का प्रदर्शन निश्चित ही भारत के लिए गौरव की बात है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने स्पष्ट रूप से घोषणा की कि 'हिंदी' ऐसी विदेशी भाषा है, जिसे 21वीं सदी में राष्ट्रीय सुरक्षा और समृद्धि के लिए अमेरिका के नागरिकों को सीखना चाहिए।

जब दुनिया भर में अंग्रेजी का डंका बज रहा हो, तब अंग्रेजी के गढ़ लंदन में बर्मिघम स्थित मिडलैंड्स वर्ल्ड ट्रेड हाउस के अध्यक्ष पीटर मैथ्यूज ने ब्रिटिश उद्यमियों, कर्मचारियों और छात्रों को हिंदी भाषा सीखने की नसीहत देते हैं। यही नहीं, अंतर्राष्ट्रीय इंदु शर्मा कथा सम्मान हिंदी का अकेला ऐसा सम्मान है जो किसी देश की संसद, अर्थात ब्रिटेन के हाउस ऑफ लॉर्ड्स में प्रदान किया जाता है। भूमंडलीकरण के दौर में निश्चित ही दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र, सर्वाधिक जनसंख्या वाले राष्ट्र और सबसे बड़े उपभोक्ता बाजार की भाषा हिंदी को नजरअंदाज करना अब संभव नहीं रहा।

आज की हिंदी पहले जैसी नहीं रही है। विगत 75 वर्षों में बदली परिस्थितियों ने इसमें काफी कुछ परिवर्तन किया है। सूचना क्रांति के दौर में कंप्यूटर पर हिंदी में कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने हेतु सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के प्रतिष्ठान सीडेक ने निःशुल्क हिंदी साफ्टवेयर जारी किया है, जिसमें अनेक सुविधाएं उपलब्ध है। माइक्रोसाफ्ट ने ऑफिस हिंदी के द्वारा भारतीयों के लिए कंप्यूटर का प्रयोग और आसान कर दिया है। इंटरनेट पर हिंदी का विकास तेजी से हो रहा है। गूगल से हिंदी में जानकारियां धड़ल्ले से खोजी जा रही है। पहले जहां तमाम फॉन्ट के चलते हिंदी का स्वरूप एक जैसा नहीं दिखता था, वहीं वर्ष 2003 में यूनीकोड हिंदी में आने के बाद हिंदी को अपने विस्तार में काफी सुलभता हासिल हुई है। परिणाम यह हुआ कि 14 सितंबर, 2011 से सोशल नेटवर्किंग वेबसाईट ट्विटर ने हिंदी में भी सीधे लिखने की सुविधा उपलब्ध करा दी है।

निश्चित ही इन 75 वर्षों में हिंदी भाषा को वैश्विक स्तर पर एक नवीन प्रतिष्ठा मिली है। कभी ब्रिटेन ने हम पर राज किया था पर जब वहीं के एक प्रोफेसर रूपर्ट स्नेह हिंदी के पक्ष में बोलते हैं, तो गर्व होना लाजिमी भी है–क्योंकि हिंदी हर किसी के जिंदगी का हिस्सा बनती जा रही है। हमें पूर्ण विश्वास है कि आनेवाले समय में हमारा युवा भारत विश्व की महाशक्ति बनेगा और राजभाषायी तौर पर हिंदी विश्व स्तर पर लोकप्रिय होकर संयुक्त राष्ट्र संघ की अधिकृत भाषा के रूप में प्रतिष्ठित होने के साथ–साथ **'विश्वभाषा'** के पद पर भी आसीन होगी।

हिंदी का सामर्थ्य एवं उसकी सार्थकता

निरी./हि.अनु.
सुशील कुमार
ग्रुप केंद्र, के.रि.पु.बल, सिलीगुड़ी

प्रायः भाषा को अभिव्यक्ति के माध्यम के रूप में ही परिभाषित किया जाता रहा है, किंतु वास्तव में भाषा अभिव्यक्ति का माध्यम मात्र नहीं होती, बल्कि इसके साथ उस समाज के सांस्कृतिक, धार्मिक एवं आध्यात्मिक मूल्य भी जुड़े होते हैं। इसे समझने के लिए हमें भारत में अंग्रेजी शिक्षा का सूत्रपात करने वाले लार्ड मैकाले के फरवरी, 1835 में ब्रिटिश पार्लियामेंट में दिए गए उस व्याख्यान को समझने की जरूरत है, जिसमें अंग्रेजी शिक्षा प्रणाली की वकालत करते हुए उन्होंने कहा था –

''मैंने पूरे भारतवर्ष का भ्रमण किया, लेकिन इस दौरान मुझे एक भी चोर (नैतिकता) या भिखारी नहीं मिला। यदि हम इतने समृद्धशाली एवं नैतिक रूप से सशक्त भारत को गुलाम बनाना चाहते हैं, तो हमें उसके नागरिकों को सांस्कृतिक, आर्थिक, नैतिक एवं आध्यात्मिक रूप से कमजोर करना होगा और ऐसा हम उन्हें उनकी भाषा से दूर करके ही कर सकते हैं।''

यही लार्ड मैकाले की शिक्षा नीति थी – अंग्रेजी की पूंछ पकड़कर भारत को नैतिक, आध्यात्मिक एवं आर्थिक रूप से खोखला करने की, जिसे हम आज तक नहीं समझ पाए। हमें समझाने की कोशिश वर्षों पहले सोवियत रूस ने भी की थी, जब गणतंत्र बनने के उपरांत अंतर्राष्ट्रीय संबंध स्थापित करने के उद्देश्य से एक भारतीय राजनयिक को सोवियत रूस में भारत का राजदूत बनाकर भेजा गया और उन्होंने अपना कार्यभार ग्रहण अंग्रेजी में सौंपा, जिसे वहाँ की सरकार ने स्वीकार करने से साफ मना कर दिया, क्योंकि वह किसी भारतीय भाषा में नहीं था। कारण स्पष्ट करते हुए कहा गया कि अंग्रेजी गुलाम भारत की भाषा थी और अंग्रेजी में पत्र प्रस्तुत करना उसी गुलामी का द्योतक है, फिर किसी गुलाम देश के साथ अंतर्राष्ट्रीय संबंध स्थापित करने का प्रश्न ही उठता। साथ ही उनसे यह भी प्रश्न किया गया कि क्या आपके देश की कोई अपनी भाषा नहीं है। उस समय तो हमारे देश के कर्णधारों के कानों में बापू का यह कथन जरूर गूँजा होगा कि– ''देशी भाषा का अनादर राष्ट्रीय आत्महत्या के समान है।'' हम भारतवासी बात–बात में गाँधी जी की दुहाई देते हैं और अपनी संस्कृति का राग अलापते हैं, परंतु वास्तविकता यह है कि हमें न तो अपनी राष्ट्रीय गरीमा पर गर्व है और न ही महात्मा गाँधी के इस कथन का स्मरण है कि जब उन्होंने कहा था – ''स्वतंत्र भारत की गाड़ी अंग्रेजी में चले, इससे अधिक शर्मनाक और क्या हो सकता है।''

भाषा का अंतर संस्कृति में भी साफ–साफ दिखाई देता है। जैसे ही कोई अंग्रेजी बोलता है, चाइनीज बोलता है, अरबी या उर्दू बोलता है, जापानी बोलता है, तो हम उसके खान–पान, पहनावे, उसकी पसंद आदि सांस्कृतिक अंतरों को तुरंत जान लेते हैं। ऐसी ही भारतीय भाषाओं में भी है, जैसे ही कोई तमिल, तेलगु, मलयालम, पंजाबी, बंगला, ओड़िया आदि बोलता है तो उसके खान–पान, पहनावे, रूप–रंग, कद–काठी, उसकी पसंद, उसके त्योहार आदि का मोटे तौर पर अंदाजा तो लग ही जाता है। इसके अतिरिक्त जब हम 'रसोईघर' के बदले 'कीचेन' कहते हैं, प्रणाम या नमस्कार की जगह गुड मॉर्निंग कहते हैं, गुरूजी की जगह सर कहते हैं, माँ–बाबूजी या माता–पिता की जगह मम्मी–डैडी या मॉम–डैड कहते हैं, तो भाषा की जगह संस्कारों में भी अंतर स्पष्ट रूप से झलकता है। संस्कृति का यह अंतर धीरे–धीरे हमारे संस्कार, हमारे व्यवहार एवं अंततः हमारे आचरण में उतर जाता है और हमारी मानसिकता अपनी ही संस्कृति, परंपरा एवं भाषा को निकृष्ट समझने की बन जाती है, ठीक वैसे ही जैसे कि लार्ड मैकाले चाहता था।

अब बात आती है कि क्या वास्तव में हमारी भारतीय भाषाएँ इतनी अक्षम है कि हम अंग्रेजी का दामन नहीं छोड़ सकते? यहाँ मेरा आशय भाषा के रूप में अंग्रेजी का विरोध करना नहीं अपितु हमारा प्रयास अपनी भाषाओं की शक्ति और सामर्थ्य समझने की है। जहाँ तक बात भाषा की श्रेष्ठता का है तो संसार की हर वह भाषा श्रेष्ठ है, जिसमें अपने समाज के सभी भावों को अभिव्यक्त करने की क्षमता है। प्रत्येक समाज अपने भावों को व्यक्त करने वाले शब्द, मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ खुद–ब–खुद सृजन करता है और अपनी भाषा को समृद्ध बनाता है। भाषा भावों, विचारों एवं संकल्पनाओं को व्यक्त करने के लिए ही बनी है। जहाँ तक भाषा के सामर्थ्य की बात है तो हर वह भाषा सामर्थ्यवान है, जिसमें साहित्य सृजन की क्षमता

है। क्योंकि किसी भी समाज के भावों की कसौटी उस समाज के साहित्य होते हैं और हम जानते हैं कि हिंदी भाषा के साहित्य सहित अन्य भारतीय भाषाओं के साहित्य कितने समृद्ध एवं विशाल है। मधुशाला, कामायनी, गीतांजली, मेघदुतम जैसी कालजयी कृतियाँ तथा आदरणीय रविन्द्र नाथ ठाकुर, प्रेमचंद एवं शरतचंद के उपन्यास एवं कहानियाँ क्या किसी अन्य विदेशी भाषा के साहित्य एवं कृतियों से कमतर हैं ? व्यक्तित्व विकास पर आज दुनिया में हजारों किताबें उपलब्ध है, लेकिन मेरा दावा है कि अगर उन सभी किताबों को मिला दिया जाए तो भी उन पर हमारा ''श्रीमद्भगवद्गीता'' भारी ही पड़ेगा, जो कर्मवाद एवं व्यक्तित्व विकास का विशुद्ध दर्शन है।

हम सभी जानते हैं कि कंप्यूटर में आधुनिकतम तकनीक का प्रयोग होता है और इस क्षेत्र की सबसे बड़ी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने यह स्वीकार किया है कि कंप्यूटर सॉफ्टवेयर विकास के लिए संस्कृत दुनिया की सर्वोत्तम भाषा है। हमने एक गलत धारणा और बना ली है कि अंग्रेजी ही विकास का पैमाना है और इसके बिना विकास संभव नहीं। लेकिन यह जान लेना चाहिए कि भाषा कभी विकास का टूल हो ही नहीं सकती। भाषा तो हमारे विचारों की अनुचर है, हमारे विचारों की वाहक है। भाषा से विकास का लेना–देना कैसा? विकास तो हमारे चिंतन, हमारी सोंच, हमारे ज्ञान से होता है। जो ज्ञान हम पढ़कर अर्जित करते हैं, वह बाजारू ज्ञान है, जो सर्व सुलभ है। असली ज्ञान तो वह है जो हम चिंतन–मनन एवं अपनी कल्पनाशीलता से अर्जित करते हैं और ऐसा हम अपनी भाषा में ही स्वाभाविक एवं सहज रूप से कर सकते हैं। हम उदाहरण देते हैं ब्रिटेन एवं अमेरिका का लेकिन हम यह बात भूल जाते हैं कि वहाँ के लोगों की मातृभाषा ही अंग्रेजी है। अतः वहाँ विकास अंग्रेजी के कारण नहीं बल्कि उनकी अपनी मातृभाषा मे सहज एवं स्वाभाविक सोच के कारण हुआ है। अगर अंग्रेजी ही विकास का जरिया होती तो चीन, जापान, रूस, कोरिया, सिंगापुर, फ्रांस आदि देश आज विकास की दौड़ में सदियों पीछे होने चाहिए और जिस तरह से हमने अंग्रेजी को आलिंगनबद्ध किया है, हमें उनसे काफी आगे होना चाहिए। लेकिन क्या ऐसी स्थिति है ? शायद नहीं। क्योकि भाषा को ध्यान में रखकर हम अपनी सोंच विकसित करने का प्रयास करते हैं जो हमारे लिए आत्मघाती प्रयास है। यही कारण है कि अंग्रेजी में हमसे पीछे होने के बावजूद चीन और जापान 400 कि.मी. रफ्तार वाली बुलेट ट्रेनें चला रहे हैं। अतः विकास किसी भाषा विशेष का मोहताज नहीं। इसके लिए चिंतन एवं सोंच का होना जरूरी है और ऐसा व्यक्ति केवल और केवल अपने मातृभाषा में ही कर सकता है, फिर चाहे वह तमिल, तेलगु, कन्नड़, मलयालम, हिंदी, उर्दू, बंगला, ओड़िया या अंग्रेजी ही क्यों न हो। इसी लिए राष्ट्रीय अस्मिता के प्रहरी भारतेंदु जी ने ठीक ही कहा है –

''निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल।
बिन निज भाषा ज्ञान के, मिटे न हिय को शूल।''

आज देश की लगभग 70 प्रतिशत जनता हिंदी समझती है। फिर भी आज सरकारी दफ्तरों में अंग्रेजी पैर जमाए बैठी है। इसका कारण हम सभी जानते हैं, लेकिन दोष हम भारतीय भाषाओं को देते हैं। हम जानते हैं कि सरकारी दफ्तरों में अधिकांश काम फाइलों के पन्ने पलट कर किए जाते हैं। अब इस कंप्यूटर युग में ये काम बस कॉपी–पेस्ट या कट–पेस्ट से ही चलते हैं। अंग्रजों के समय से ही जो काम अंग्रेजी में चले आ रहे थे, आजादी के बाद भी हमने उन्हें कभी अपनी भाषा में नए सिरे से करने की कोशिश नहीं की। आज भी हम अंग्रेजों के दिए कानूनों एवं कोड़ों से ही काम चलाते आ रहे हैं। अगर कोई कोड–मैन्युअल या नियम पुस्तक हिंदी में उपलब्ध है तो वह भी सिर्फ मूल अंग्रेजी का अनुवाद मात्र ही है और इसी कारण से हिंदी अनुवाद पर लिख दिया जाता है कि विसंगति की स्थिति में अंग्रेजी पाठ ही मान्य होगा। इससे बड़ा मजाक और क्या हो सकता है ? क्या ऐसे हिंदी आगे बढ़ेगी ? हम आज भी दफ्तरों में हिंदी अनुवाद के सहारे चलने का प्रयास कर रहे हैं, जो एक बहुत बड़ा धोखा है। जब हिंदी इतनी सशक्त भाषा है कि वह आसानी से सरकारी काम–काज का माध्यम बन सकती है तो फिर इसे अंग्रेजी का अनुगामिनी बनने का षड्यंत्र क्यों ? धारा 3(3) जैसे द्विभाषी उपबंध क्यों? यह बात किसी से भी छिपी नहीं है कि धारा 3(3) के अधिकांश कागजात मूलतः अंग्रेजी में ही तैयार किए जाते हैं और इनका द्विभाषी करने के लिए इन्हें हिंदी में अनुवाद किया जाता है। आखिर इस द्विभाषी की जरूरत ही क्यों ? हम आज भी द्विभाषी की उस षड्यंत्रकारी मानसिकता से ऊपर क्यों नहीं उठ पा रहे हैं ? बड़े ही बोझिल मन से यह कहना पड़ रहा है कि आज भारत में हिंदी की जो स्थिति है इसकी दशा देख कर बस इतना ही कहने का मन हो रहा है कि – **''इसे तो अपनों ने लूटा, गैरों में कहां दम था .....''**

यदि इस प्रश्न का उत्तर हम ईमानदारी पूर्वक खोजें तो भाषा का महत्व हम आसानी से समझ सकते हैं और तब शायद हम यह नहीं कह सकते कि भाषा केवल अभिव्यक्ति का माध्यम मात्र होती है।

हिंदी भाषा पर अभिमान होना चाहिए

राम बिलास गुप्ता
कमाण्डेंट
ग्रुप केन्द्र के.रि.पु.बल, बिलासपुर

भाषा चाहे कोई हो, सदा सम्मान होना चाहिए
लेकिन हिंदी भाषा पर, अभिमान होना चाहिए..।

देश काल के सीमा से, भाषा ऊपर होती हैं,
छू जाये मन को, वो निज भाषा ही होती हैं,
अभिव्यक्ति सच्चे मन की हिंदी में ही होती हैं,
हिंदी भाषा हम सबकी, पहचान होनी चाहिए..।
हिंदी भाषा पर हम सबको अभिमान होना चाहिए।

सदियों की लम्बी दूरी, तय किया है हिंदी,
संस्कृत की बेटी, प्राकृत की बहन है हिंदी,
केवल यह भाषा नहीं, जीवन शैली है हिंदी,
इस पर हर हिन्द को, मान होना चाहिए..।
हिंदी भाषा पर हम सबको अभिमान होना चाहिए।

उर्दू, फारसी, अरबी को आत्मसार किया है हिंदी,
अंग्रेजी से भी खुद को श्रृंगार किया है यह हिंदी,
सूरसरि बनकर सबका उद्धार किया है यह हिंदी,
दिल में बस जाये यह, हमारी जान होना चाहिए..।
हिंदी भाषा पर हम सबको अभिमान होना चाहिए।

हिंदी हमारी सभ्यता, संस्कृति का है धरोहर,
बोलने में मीठी, मन को लगती अति मनोहर,
निराला, महादेवी सरीखे यहाँ कई हुए दिनकर,
मुदित मन से हिंदी का, रस पान होना चाहिए..।
हिंदी भाषा पर हम सबको अभिमान होना चाहिए।

एक सूत्र में राष्ट्र बांधे, गौरव हैं वो हिंदी का,
कश्मीर से कुमारी, बहती रस धारा हिंदी का,
जन जन की बोली, यह आत्मगौरव हिंदी का,
हिंदी राजभाषा नहीं, अब राष्ट्रभाषा होना चाहिए..।
हिंदी भाषा पर हम सबको अभिमान होना चाहिए।

अंग्रेजी से हमने सदियों दासता हैं सीखी,
पहले तन का था, अब मन की यह है लेखी,
तोड़ो इस भ्रम जाल को 'अंजुम' बनके मनीषी,
विश्व गुरु बने हिंदी, यह अभियान होना चाहिए..।
हिंदी भाषा पर हम सबको अभिमान होना चाहिए..।

चींख

विकास कुमार सिंह
उप कमाण्डेंट
224 वी.एस. बटालियन

पिंजड़े में बंद पक्षी
बार-बार, लगातार
कई दिनों से कोशिश कर रहा है, उड़ने की
अपनी चोंच से उखाड़ फेंकना चाहता है
उस बंधन को
जो रोक रहा है उसे।

बार-बार, लगातार
अपनी पूरी क्षमता भर
कैसे भी खोलना चाहता है पिंजड़े को
थक जाता है, लहूलुहान हो जाता है
फिर भी कोशिश कर रहा है।

अन्त में खुद पर ही क्रोधित होता है
अपने पंखों को खींचता है, काटता है
कभी-कभी कुछ बोल भी उठता है
अचानक, उसकी आवाज सुनकर
उस पिंजड़े के मालिक खुश होते हैं
जो सोंच रहे थे-यह तो गूँगा है
जबसे आया है कुछ बोलता ही नहीं
गूँगा और बूढ़ा, बेकार का पक्षी !
इससे अच्छा तो इसे आजाद ही कर देते हैं
और तभी, उस पक्षी की चींख सुनाई देती है
सभी के चेहरे हर्ष से खिल जाते हैं,
अरे। यह तो बोलता है,
इसे आजाद नहीं करना।

आत्महत्या अभिशाप है।

राजेश कुमार सिंह
सहायक कमाण्डेंट
238 बटालियन, के.रि.पु.बल

कठिनाई से जो लड़ जाए, सच्चा वीर जवान वही।
मुसीबत में मौत को चुनना, है कोई समाधान नहीं।।

मां-बाप क्या याद न आते, हो तुम जिनकी लाठी,
प्यारी बहना याद न आती, तुम्हें भेजती राखी,
याद तुम्हें न आती पत्नी, याद तुम्हें संतान नहीं।
मुसीबत में मौत को चुनना, है कोई समाधान नहीं।।

धन-संपत्ति के लालच में, कर्ज के जाल से बचना,
सादा जीवन उच्च विचार हो, के नियम पर चलना,
जीवन जीने में आएगा, कभी कोई व्यवधान नहीं।
मुसीबत में मौत को चुनना, है कोई समाधान नहीं।।

माना खूब समस्या होगी, घर, बाहर, संसार से,
बहुत दुखी हो जाते होगे, लोगों के व्यवहार से,
कभी कोई धिक्कारा होगा, मिला तुम्हें अपमान कहीं।
मुसीबत में मौत को चुनना, है कोई समाधान नहीं।।

सीआरपीएफ में आ करके, अच्छी ट्रेनिंग पाए हो,
सभी तरह के संकट से, लड़ने की कसमें खाए हो,
तुम हो सैनिक वीर बहादुर, साधारण इंसान नहीं।
मुसीबत में मौत को चुनना, है कोई समाधान नहीं।।

कठिनाई से जो लड़ जाए, सच्चा वीर जवान वही।
मुसीबत में मौत को चुनना, है कोई समाधान नहीं।।

उ.नि./मंत्रा.
सतीश कुमार वर्मा
सी.टी.सी., मुदखेड़

हम हैं वो वीर जवान

हम हैं वो वीर जवान, सी.आर.पी.एफ कहलाता हूँ,
पत्थर चीर-चीर राह निकाला करता हूँ।

हम हैं वो वीर जवान, सी.आर.पी.एफ कहलाता हूँ।
बिजली निचोड़-निचोड़ दुश्मन पर गिरता हूँ,
चाँदनी छान-छान अपनो पर बरसता हूँ।
हम हैं वो वीर जवान, सी.आर.पी.एफ कहलाता हूँ।

सेवा निष्ठा है कर्म मेरा,
मातृभूमि पे मिटना है, धर्म मेरा।
हम हैं वो वीर जवान, सी.आर.पी.एफ कहलाता हूँ,

अमन और शांति का काम करता हूँ,
आंतरिक ही नहीं,
सरहद और सरहद के पार भी,
अमन का काम करता हूँ।
हम हैं वो वीर जवान, सी.आर.पी.एफ कहलाता हूँ।

लहराता हूँ तिरंगा शांति का,
के0रि0पु0बल के झंडे संग
अमन का संदेश फैलाता हूँ।
हम हैं वो वीर जवान, सी.आर.पी.एफ कहलाता हूँ,

वो शस्त्र नहीं जो हमें है रोका,
वो अस्त्र नहीं जो हमें है टोका,
हर राह पे प्रेम और शांति का,
निशान बनाते चलता हूँ।
हम है वो वीर जवान, सी.आर.पी.एफ कहलाता हूँ।

आंतरिक सुरक्षा एवं के.रि.पु.बल

स.उ.नि./जीडी
धनन्जय कुमार सिंह
169 बटालियन, के.रि.पु.बल

आंतरिक सुरक्षा के रूप में सी.आर.पी.एफ अस्तित्व में आया।
27 जुलाई 1939 में क्राउन रिप्रजेन्टेटिव पुलिस कहलाया।।
इसकी सेवा निष्ठा देखकर सरदार के मन में आया।
28 दिसम्बर 1949 को के.रि.पु.बल का नाम करण कराया।।
चम्बल के बिहडों में के.रि.पु.बल ने अपना कर्तव्य दिखाया।
1950 भुज, पटियाला पंजाब में अपना पहचान बनाया।।
आजादी के बाद राजस्थान सिंध में घुसपेठियों को भगाया।
21 अक्टूबर 1959 में चिनी हमले को नाकाम कराया।।
आंतरिक सुरक्षा के रूप में सी.आर.पी.एफ अस्तित्व में आया।
27 जुलाई 1939 में क्राउन रिप्रजेन्टेटिव पुलिस कहलाया।।
अरूणाचल के सीमा पर भारतीय सेना का साथ निभाया।
1962 में के.रि.पु.बल ने अपना उच्च बलिदान कराया।
पूर्वी पश्चिमी सीमाओं पर अपना कर्तव्य दिखाया।।
1965 एकहत्तर में सेना का साथ निभाया।
के.रि.पु.बल की नारी शक्ति ने भारत में इतिहास बनाया।।
श्रीलंका, हैती, नामीविया में अपना परचम लहराया।
सत्तर के दशक में पूर्वोत्तर में अपना कदम बढ़ाया।
त्रिपुरा, मणिपुर, ब्रह्मपुत्र घाटी से देश द्रोहियों को भगाया।।
अस्सी के दशक में अपनी उपस्थिति करवाई।
मार भगाया देश द्रोहियों को शांति का साम्राज्य बनाया।।
13 दिसम्बर 2001 का लोकतंत्र के मदिंर को हमलों से बचाया।
मार गिराया दुश्मनों को, भारत की शान बढ़ाया।।
05 जुलाई 2005 को राम जन्म भूमि को हमलों से बचाया।
मार गिराकर आतंकियों को रसातल में पहुँचाया।।
आंतरिक सुरक्षा के रूप में सी.आर.पी.एफ अस्तित्व में आया।
27 जुलाई 1939 में क्राउन रिप्रजेन्टेटिव पुलिस कहलाया।।

सिपाही/जीडी
खीम चन्द
ग्रुप केन्द्र के.रि.पु.बल, श्रीनगर

आदर्शमय एक सैनिक का जीवन

आदर्शमय एक सैनिक का जीवन
सुनो जरा कवि के कलाम से

एक जज्वा, एक रुतवा अलग ही
अंदाज सैनिक का कुछ जुदा ही आम से
जन जन का नायक हैं सैनिक
पहचान ही अलग सैनिक की
सेना के नाम से
जाना जाता है सैनिक सर्वोपरि
सम्मानित होता है सैनिक
सैल्युट और सलाम से

देशधर्म पर मर मिटता है सैनिक
निःस्वार्थ भाव निष्काम से
सर्वश्रेष्ठ कर्मयोगी है सैनिक
जो घबराता नहीं किसी परिणाम से
सैनिक हमारे लिए आदर्श है
अनुसरणीय है जीवन सैनिक का
शेरों का अनुसरण करो
शेरों के साथ रहो
शेरों का वरण करो
ये भारत के शेर वीर हैं
इन वीरों का अनुकरण करो
सतरंगा नहीं, तिरंगा पहनो
तिरंगे को तुम धारण करो
जय हिन्द का जयकारा बोलो
जय हिन्द का उच्चारण करो

आजादी का अमृत महोत्सव

स.उ.नि./जीडी
बिरेन्द्र सिंह
165 बटालियन, के.रि.पु.बल

हम आजादी का अमृत महोत्सव, मिलकर सब मनायेंगे।
आसमान में तिरंगा झण्डा, घर-घर हम फहरायेंगे।।

फौलादी है सीना अपना, रग-रग में भरा जोश है,
माओवादी व आतंकवादी, डर से सब खामोश हैं,
देश को दुश्मनों को हम कभी भी माफ नहीं कर पायेंगे,
हम आजादी का अमृत महोत्सव, मिलकर सब मनायेंगे।
आसमान में तिरंगा झण्डा, घर-घर हम फहरायेंगे।।

भारत देश के हर राज्य में, हम ड्यूटी करने जाते हैं,
कितनी भी आपत्ति आये, हम कभी नहीं घबराते हैं,
हरियाली और खुशहाली का, हम घर-घर फूल खिलायेंगे,
हम आजादी का अमृत महोत्सव, मिलकर सब मनायेंगे।
आसमान में तिरंगा झण्डा, घर-घर हम फहरायेंगे।।

देश की खातिर जीना हमें, देश की खातिर मरना है,
भारत देश का सबसे ऊंचा, नाम हमें अब करना है?
भ्रष्टाचारी, बेईमानी का, नामो निशान मिटायेंगे,
हम आजादी का अमृत महोत्सव, मिलकर सब मनायेंगे।
आसमान में तिरंगा झण्डा, घर-घर हम फहरायेंगे।।

उ.नि./जीडी
डी.डी. घोष
23 बटालियन के.रि.पु.बल

तिरंगे के लाल -के.रि.पु.बल

लौह पुरूष सरदार पटेल की रचना-हम तिरंगे के लाल।
देश के हर संकट के आगे आकर छाप छोड़ते बेमिशाल।।
बल के माथे पर तिरंगा और मन में माँ भारती के चरण।
देश विदेश तक देकर सेवाएँ, करते संकटों का हरण।।

शान्ति रक्षक छाये रहते देश के कोना-कोना।
सेवा निष्ठा, कार्यकुशलता से कोई नहीं अनजान।।
समय प्रतिसमय बढ़ायी है इस बल ने-तिरंगे की शान।
कहर बनकर पड़ते टूट- मिटाते दुश्मनों के नामों निशान।।

सरदार पोस्ट की शौर्य गाथा से दुश्मनों में मचा दी हाहाकार
हमारी संख्या थी मुट्ठी भर, परन्तु शत्रु थे हजारों-हजार।।
तिरंगा हमारा ऊँचा रहे, सदैव कहते तिरंगे के ये लाल।
देश की एकता, अखण्डता के शत्रु का बना हमेशा काल।।

वे बुजदिल (माओवादी) वे आतंकी (कायर)
क्यों छुपकर पीठ पीछे करते हैं वार।
माथे पर तिरंगा लेकर आये हैं, करते हम कायरों का संहार।।
माँ भारती की कसम, शहीद लालों की याद- मन में है ताजा।
पातालों में क्यों ना छुपे हों, तुम्हें देकर रहेंगे मौत की सजा।।

साथियों बल की गरिमा, शौर्यगाथा में वृद्धि करते रहना है।
अगर तिरंगे की खातिर जान भी जाये, अमर शहीद कहलाना है।
आगे रूकना नहीं, थमना नहीं डटे रहना बेमिशाल।
हम हैं माँ भारती की संतान, हम ही हैं तिरंगे के लाल।।

महानिदेशालय के कार्यक्रम

श्री कुलदीप सिंह, महानिदेशक, के.रि.पु.बल वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से ग्रुप केन्द्र चंदौली बैरक का उद्घाटन करते हुए।

एशियन शरीर सौष्ठव प्रतियोगिता 2022 में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले सिपाही प्रवीन कुमार को चैक प्रदान करते हुए श्री कुलदीप सिंह, महानिदेशक, के.रि.पु.बल।

महानिदेशक, के.रि.पु.बल, स्ततंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण करते हुए।

श्री राजीव सिंह, महानिरीक्षक (परिचालन) महानिदेशालय में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मिष्ठान वितरित करते हुए।

उप महानिरीक्षक (प्रशासन) महानिदेशालय, सैनिक सम्मेलन के दौरान।

विविध कार्यक्रम

▲ दिनांक 10/07/2022 को 53वें बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों ने नेशनल पुलिस मैमोरियल (एनपीएम) पर जाकर शहीदों को नमन किया।

▲ श्री सुनील जून, निदेशक/महानिरीक्षक, आंतरिक सुरक्षा अकादमी, के.रि.पु.बल, माउण्ट आबू, ब्रह्मकुमारी बहन से राखी बंधवाते हुए।

▲ श्री पी0एस0 रनपिसे, भा0पु0से0, महानिरीक्षक, जम्मू सेक्टर, के.रि.पु.बल वृक्षारोपण समारोह के दौरान पौधारोपण करते हुए।

▲ श्री निसार मोहम्मद, कमाण्डेंट, 126 बटालियन, के.रि.पु.बल द्वारा वृक्षारोपण समारोह के दौरान पौधारोपण।

▲ क्षेत्रीय के.रि.पु.बल परिवार कल्याण संस्था (आर.सी.डब्ल्यू.ए.), 3 बेतार वाहिनी, के.रि.पु.बल द्वारा बच्चों के लिए चित्रकारी प्रतियोगिता का आयोजन।

हर घर तिरंगा

WELCOME

उपलब्धियाँ

परिचालन शाखा

जम्मू व कश्मीर क्षेत्र

03/07/2022

निरीक्षक(जीडी) आर0डी0 प्रसाद के नेतृत्व में 126 बटालियन के जवानों, 58 आरआर और राज्य पुलिस ने तुस्कन ग्राम के गुगनद क्षेत्र, पुलिस स्टेशन माहोर, जिला रियासी में एक संयुक्त तलाशी अभियान चलाया। अभियान के दौरान 02 आतंकवादियों को पकड़ा जिनके नाम क्रमशः फैयाद अहमद डार पुत्र बशीर अहमद डार और तालिब हुसैन (35 वर्ष) पुत्र हैदर शाह जिला राजौरी (जम्मू व कश्मीर हैं जिनके पास से ए0के0–47 राईफल–02 नग, पिस्टल–01 नग, 7.62x 39 एमएम–214 नग, 09 एमएम–20 नग कारतूस, चाईनीज ग्रेनेड़–07 नग, ए0के0 मैगजीन–08 नग, पिस्टल मैगजीन–02 नग, मग पाउच–02 नग, मोबाईल फोन –04 नग, मोबाईल चार्जर–01 नग और अन्य विबिध सामग्री बरामद की तथा पकड़ने गए 02 आतंकवादियों को बरामदगियों सहित राज्य पुलिस को जांच हेतु सौंप दिया गया और मामले में प्राथमिक सूचना रिपोर्ट भी दर्ज की गई है।

07/07/2022

श्री अखंड प्रताप सिंह, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 130 बटालियन केरिपुबल के जवानों, 42 आरआर और एसओजी अवन्तिपोरा ने बईगुंड पुलिस स्टेशन अवन्तिपोरा जिला पुलवामा में नाका लगाया। नाकाबंदी के दौरान जवानों ने अल बद्र के एक हाईब्रिड आतंकवादी को पकड़ा जिसका नाम आमिर अहमद पर्रे (आयु 20 वर्ष) पुत्र अब्दुल राशिद पर्रे जिला सोपियां (जे0एंडके0) है जिसके पास से पस्टिल–01, जिन्दा आउण्डस–04 और पिस्टल मैगजीन–01 मिली जिसे राज्य को सौंप दिया।

11/07/2022

श्री हिलाल फिरोज, कमाण्डेंट के नेतृत्व में 130 बटा0 केरिपुबल0 के जवानों और राज्य पुलिस ने साथ मिलकर बंदकपोरा–गोरीपोरा पुलिस स्टेशन अवन्तिपोरा जिला पुलवामा में आरओपी लगाई। इस दौरान जवानों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई जिसके परिणामस्वरूप 02 जैश–ए–मौहम्मद के आंतकवादियों को मार गिराया जिनके नाम क्रमशः केसर राशिद काका पुत्र अब्दुल राशिद लोन, श्रेणी ए प्लस अवन्तिपोरा जम्मू व कश्मीर और असफाक अहमद लोन पुत्र गुलाम नबी श्रेणी सी पुलवामा जम्मू व कश्मीर थे। मुठभेड़ के उपरांत जवानों ने ए0के0–74–01 नग, पिस्टल–01 नग, कारतूस 21 नग (7. 62x39 एमएम–19 नग, 09 एमएम–02 नग), हथगोला–01 नग, मैगजीन 04 नग (ए0के0–74–02 नग, 09 एमएम–02 नग), साईट एडाप्टर–01 नग, मोटर साईकिल–01 नग बरामद किया। मुठभेड़ के दौरान जवानों के द्वारा 7.62x39 एमएम–30 नग, 5.56 एमएम–32 नग गोलियाँ फायर की गई हैं। मृत आतंकवादियों के शव एवं बरामदगियाँ राज्य पुलिस को जांच के लिए सौप दी गई तथा यह आपरेशन सफलतापूर्वक पूरा हुआ और किसी भी जवान को चोट नहीं आई।

12/07/2022

ए/191 कम्पनी की प्लाटून पोस्ट जो सोमयार मंदिर और गणपतियार मंदिर पुलिस स्टेशन हब्बाकदल जिला श्रीनगर के अन्तर्गत तैनात है जिस पर एक शरारती तत्व ने पत्थर फेंकना शुरू कर दिया। क्यूएटी ए/191 ने उसका पीछा करके पकड़ लिया तथा पत्थर फेंकने वाले का नाम हाजिब (16 वर्ष) पुत्र अब्दुल कय्यूम जिला श्रीनगर (जे0एंडके0) है जिसे राज्य पुलिस को सौंप दिया।

19/07/2022

श्री सरुजीत सिंह, कमाण्डेंट के नेतृत्व में 178 बटालियन के जवानों, 44 आरआर एवं राज्य पुलिस ने ग्राम ड्रेगद, पुलिस स्टेशन जेनपोरा जिला सोपिया में नाका लगाया। नाकाबंदी के दौरान जवानों ने आतंकवादियों से सहानुभूति रखने वाले एक आतंकवादी को पकड़ा जिसका नाम बिलाल अहमद डार (28 वर्ष) पुत्र स्व नजीर अहमद डार आयु जिला सोपियां को गिरफ्तार किया जिसके पास से ए0के0 47 राइफल–01, 7.62x39 एमएम–10 नग, ए0के0 47 मैगजीन–01, टाटा पिकअप वैन–01 नग बरामद किया। पकडे गए व्यक्ति को बरामदियों सहित राज्य पुलिस को सौंप दिया और प्राथमिक सूचना रिपोर्ट दर्ज की गई।

30/07/2022

श्री प्रेम प्रताप द्वितीय कमान अधिकारी के नेतृत्व में 53 बटालियन केरिपुबल के जवान, 04 पारा, 46 आरआर, 02 एसएसबी और एसओजी ने ग्राम बिन्नर, पुलिस स्टेशन

बारामूला जम्मू व कश्मीर में कासो (सीएएसओ) अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान आतंकवादियों और जवानों के बीच भीषण मुठभेड़ शुरू हो गई जिसमें लश्कर–ए–तैय्यबा के 01 आतंकवादी मार गिराया जिसकी पहचान इरशाद अहमद भट पुत्र स्व0 फयाज अहमद भट बारामूला जम्मू व कश्मीर के रूप में हुई और उसके पास से ए0के0 47– 01 नग, मैगजीन–02 नग और पाउच–01 नग बरामद हुई और आतंकवादी का शव और बरामदगियों को राज्य पुलिस को जांच के लिए सौप दिया।

30/07/2022

श्री सरुजीत सिंह, कमाण्डेंट के नेतृत्व में 92 बटालियन के जवानों एवं राज्य पुलिस ने ग्राम हंदीपोरा रफियाबाद पुलिस स्टेशन डंगीबाचा जिला बारामूला में नाका लगाया। नाकाबंदी के दौरान जवानों ने 02 आतंकवादियों को पकड़ा जिनके नाम तारिक अहमद वानी पुत्र स्व0 बशीर अहमद वानी और इश्ताक अहमद वानी पुत्र अली मोहम्मद वानी जिला श्रीनगर (जे0 एंड के0) है इनके पास से पिस्टल–02 नग, गोलियां– 11 राउण्डस और मैगजीन–02 नग बरामद किया तथा पकडे गए आतंकवादियों को बरामदियों सहित राज्य पुलिस को सौंप दिया।

31/07/2022

श्री राजेन्द्र सिंह, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 03 बटालियन के0रि0पु0बल के जवानों, 26 आरआर और एसओजी ने अस्तंगू वन क्षेत्र शेख मौहल्ला के समीप पुलिस स्टेशन बांदीपोरा जिला बांदीपोरा में नाका लगाया। नाकाबंदी के दौरान 01 लश्कर–ए–तैय्यबा के हाईब्रिड आतंकवादी को पकड़ा जिसका नाम फैसल गुलजार पुत्र गुलजार अहमद जिला अनंतनाग (जे0एंडके0) है और जिसके पास से चाईनीज पिस्टल–01 नग, चाइनीज ग्रेनेड–01 नग जिन्दा कारतूस–12 राउण्डस और मैगजीन–01 नग बरामद किया तथा पकडे गए आतंकवादियों को बरामदियों सहित राज्य पुलिस को सौंप दिया।

04/08/2022

उप निरीक्षक(जीडी) ढूंढरे पी0एल0 के नेतृत्व में 92 बटायिलन के जवानों ने 21 आर आर और राज्य पुलिस के साथ मिलकर फल मंड़ी मोड़ पुलिस स्टेशन हंदवाड़ा जिला कुपवाड़ा (जम्मू व कश्मीर) में नाका लगाया। अभियान के दौरान 03 आतंकवादियों को पकड़ा जिनके नाम मंजूर अहमद कुमार पुत्र अब्दुल अजीज कुमार, शौकत अहमद भट्ट पुत्र मुश्ताक अहमद भट्ट, यासिर अहमद लोन पुत्र बशीर अहमद लोन जिला कुपवाड़ा हैं और जिनके पास से पिस्टल–01 नग, गोलियां–07 नग, हथगोला–02 नग, मैगजीन–01 नग बरामद किया। पकडे गए आतंकवादियों एवं बरामद गोला–बारूद को राज्य पुलिस को सौंप दिया और इस संबंध में पुलिस स्टेशन हंदवाड़ा में प्राथमिक सूचना रिपोर्ट दर्ज की जा चुकी है।

09/08/2022

निरीक्षक(जीडी) श्रीकांत शर्मा के नेतृत्व में 43 एवं 79 बटालियन के जवानों ने 62 आरआर और राज्य पुलिस के साथ मिलकर मुकाम मौहल्ला वाटरहेल पुलिस स्टेशन खानसाहिब जिला बड़गाम (जम्मू व कश्मीर) में सीएएसओ को अंजाम दिया। अभियान के दौरान जवानों एवं आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई जिसके परिणाम स्वरूप 03 लश्कर ए तौय्यबा (टीआरएफ) के आतंकवादी मार गिराए गए जिनके नाम लतीफ राथर पुत्र हबीबुल्ला राथर, साकिब मुस्ताक खान उर्फ अबू हुरैरा पुत्र मुश्ताक अहमद खान एवं मुजफ्फर अहमद खान जिला श्रीनगर (जम्मू व कश्मीर) हैं। मुठभेड़ के बाद जवानों ने तलाशी अभियान चलाया गया जहाँ से जवानों ने ए0के0–56–02 नग, पिस्टल–02 नग, (01 टूटी हुई) ए0के0 56 के कारतूस–39 नग, पिस्टल के कारतूस–16 नग, ए0के0 56 मैगजीन–06 नग, पिस्टल मैगजीन–03 नग बरामद किए गए। आतंकवादियों के शवों सहित बरामद सामान को राज्य पुलिस को सौंप दिया।

19/08/2022

उप निरीक्षक(जीडी) ढूंढरे पी0एल0 के नेतृत्व में 92 बटायिलन के जवानों ने 21 आर आर, एसओजी0 और जे0एंडके0 पुलिस के साथ मिलकर सगीपोरा पुलिस स्टेशन हंदवाड़ा जिला कुपवाड़ा (जम्मू व कश्मीर) में सीएएसओ को अंजाम दिया। अभियान के दौरान 02 हाईब्रिड आतंकवादियों को पकड़ा जिनके नाम नशीर अहमद मीर पुत्र रमजान मीर और एजाज अहमद भट्ट उर्फ हिलाल पुत्र खाजिर मौहम्मद भट्ट जिला हंदवाड़ा (जम्मू व कश्मीर) हैं और जिनके पास से पिस्टल–02 नग, 09 एमएम की गोलियां–58 राउण डस, हथगोला–06 नग और मैगजीन–04 नग बरामद किए गए। पकडे गए आतंकवादियों एवं बरामद सामान को राज्य पुलिस को सौंप दिया और इस संबंध में पुलिस स्टेशन हंदवाड़ा में प्राथमिक सूचना रिपोर्ट दर्ज की जा चुकी है।

20/08/2022

श्री राकेश चन्द्र, द्वि0क0अधि0 के नेतृत्व में 03 बटायिलन के जवानों ने 26 आर आर, एसओजी0 के साथ मिलकर ग्राम बेनलीपोरा अलूसा पुलिस स्टेशन बंदीपोरा जिला बांदीपोरा (जम्मू व कश्मीर) में नाका लगाया। अभियान के दौरान 01 लश्कर–ए–तौय्यबा आतंकवादी को पकड़ा जिसका नाम इम्तियाज अहमद बेग उर्फ ईना आयु 27 वर्ष पुत्र अब्दुल नवाब बेग जिला बारामूला (जम्मू एवं कश्मीर) हैं और जिसके पास से ए.के. राइफल–01, ए.के. कारतूस–59 नग और

मैगजीन–02 नग बरामद किए गए। पकडे गए आतंकवादी एवं बरामद सामान को राज्य पुलिस को सौंप दिया।

22/08/2022

उप निरीक्षक(जीडी) रविन्द्र सिंह के नेतृत्व में 181 बटायिलन के जवानों ने 50 आर आर और राज्य पुलिस के साथ मिलकर मगरापोरा पुलिस स्टेशन चदूरा जिला बडगाम (जम्मू व कश्मीर) में नाका लगाया। अभियान के दौरान 02 लश्कर ए तौय्यबा के सहयोगिओं को पकड़ा जिनके नाम शहनवाज अहमद भट्ट पुत्र अब्दुल अजीज भट्ट जिला बडगाम (जम्मू व कश्मीर) हैं और समीर अहमद नजर पुत्र गुलाम अहमद जिला श्रीनगर (जम्मू व कश्मीर) और जिनके पास से ए0के0 राईफल–02 नग, ए0के0 47 के जिन्दा कारतूस–54 नग, बरामद किए गए। पकडे गए व्यक्तियों एवं बरामद सामान को राज्य पुलिस को सौंप दिया गया।

23/08/2022

निरीक्षक(जीडी) नारायण सिंह के नेतृत्व में 92 बटायिलन के जवानों ने 22 आर आर और एसओजी छिजमा के साथ मिलकर सीलू बहरामपोरा पुलिस स्टेशन डंगीवाचा जिला बारामूला (जम्मू व कश्मीर) में नाका लगाया। अभियान के दौरान 02 हाईब्रिड आतंकवादियों को पकड़ा जिनके नाम सोफी इशाक पुत्र मौ0 सुल्तान और मुजफ्फर इकबाल डार पुत्र गुलाम नबी डार जिला बारामूला (जम्मू व कश्मीर) हैं और जिनके पास से पिस्टल–01 नग, 09 एमएम की गोलियां–08 राउण्डस, हथगोला–02 नग और पिस्टल मैगजीन–01 नग बरामद किए गए।

26/08/2022

श्री जोगिन्द्र सिंह, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 179 बटायिलन के जवानों ने 22 आर आर और राज्य पुलिस के साथ मिलकर बोमाई चौक पुलिस स्टेशन बोमाई जिला बारामूला (जम्मू व कश्मीर) में नाका लगाया। अभियान के दौरान 03 लश्कर ए तौय्यबा के ओडब्ल्यूजी को पकड़ा जिनके नाम शरीफ अशरफ पुत्र मौ0 अशरफ अहमद वानी, तौफीक हसन शेख पुत्र गुलाम अहमद शेख जिला बारामूला और शकलैन मुश्ताक पुत्र मुख्ताक अहमद वार जिला सोपोर (जम्मू व कश्मीर) हैं और जिनके पास से हथगोला–03 नग, पोस्टर–09 नग और पाकिस्तानी झंड़ा–12 नग बरामद किया। पकडे गए ओडब्ल्यूजी एवं बरामद सामान को राज्य पुलिस को सौंप दिया गया।

30/08/2022

श्री सुरजीत कुमार, कमाण्डेंट के नेतृत्व में 178 बटायिलन के जवानों ने 44 आर आर और एस0ओ0जी0 के साथ मिलकर होसंगपोरा पुलिस स्टेशन जेनपोरा जिला शोपिंया (जम्मू व कश्मीर) में सीएएसओ को अंजाम दिया। अभियान के दौरान जवानों एवं आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई जिसके परिणाम स्वरूप 03 लश्कर ए तौय्यबा के आतंकवादी मार गिराए गए दानिश खुर्शीद भट्ट ''ए प्लस'' श्रेणी पुत्र खुर्शीद भट्ट, तनवीर अहमद भट्ट ''ए प्लस'' श्रेणी वशीर अहमद वानी एवं तौशीफ अहमद भट्ट ''सी'' श्रेणी पुत्र गुलाम नबी भट्ट जिला शोपिंया (जम्मू व कश्मीर) हैं और इनके पास से ए0के0–56–03 नग, चाईनीज ग्रेनेड–01 नग, गोलियां–281 राउण्डस (नाटो एपीआई–60 राउण डस, एपीआई राउण्डस–36 नग, पाकिस्तानी टीडीएस–125 राउण्डस और 7.62x39 एमएम नार्मल राउण्डस–60 नग, मैगजीन ए0के0–56 08 नग, कम्बट पाउच–03 नग, सीलिंग–02 नग, घडी–01 नग, मैगजीन ए0के0–47 04 नग बरामद किया गया। अभियान के दौरान जवानों ने 7.62x39 एमएम के–71 राउण्डस फायर किए (सभी खाली खोखे गुम हो गए)। मारे गए आतंकवादियों के शवों सहित बरामद सामान को राज्य पुलिस को सौंप दिया।

31/08/2022

श्री जोगिन्द्र सिंह, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 179 बटालियन के जवानों 22 आर आर और एस0ओ0जी0 वदूरा के साथ मिलकर बिलालाबाद बोमई, पुलिस स्टेशन बोमाई, जिला बारामूला (जम्मू व कश्मीर) में सीएएसओ को अंजाम दिया। अभियान के दौरान जवानों एवं आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई जिसके परिणाम स्वरूप 02 जैश ए मौहम्मद के आतंकवादियों को मार गिराया जिनके नाम रफीक लोन उर्फ बोयगशा ''बी'' श्रेणी पुत्र गुलाम मौ0 लोन जिला बारामूला (जम्मू व कश्मीर) एवं कैशर अहमद पुत्र अशरफ डार जिला पुलवामा (जम्मू व कश्मीर) हैं और जिनके पास से ए0के0–47–02 नग और ए0के0 47 मैगजीन–04 नग बरामद किए गए। आतंकवादियों के शवों सहित बरामद सामान को राज्य पुलिस को सौंप दिया।

एलडब्ल्यूई क्षेत्र

01/07/2022

श्री जितेन्द्र कुमार यादव, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 02 बटालियन के जवानों, डीआरजी एवं राज्य पुलिस के साथ मिलकर ग्राम मनकापाल के बोरापारा पुलिस स्टेशन गदीरास जिला सुकुमा (छत्तीसगढ़) के जंगलों में एससीओ को अंजाम दिया। अभियान के दौरान माओवादियों और टुकडियों के बीच भीषण मुठभेड शुरू हो गई। मुठभेड़ के दौरान 01 माओवादी को मार गिराया जिसका नाम तति कमलेश जो मालनगीर क्षेत्रीय कमेटी, जिला बीजापुर (छत्तीसगढ़) का एसीएम था और इस नक्सली पर 05 लाख का ईनाम घोषित

था। मुठभेड़ समाप्ति के बाद जवानों ने क्षेत्र की तलाशी ली और मुठभेड़ स्थल से देशी पिस्टल–01 नग, 315 बोर के कारतूस–05 नग, इलैक्ट्रानिक डेटोनेटर–08 नग,नॉन इलैक्ट्रानिक डेटोनेटर–12 नग, जिलेटिन की छड़े–.6 नग और अन्य सामग्री बरामद की। माओवादी का शब और बरामद सामानों को राज्य पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

02/07/2022

श्री मनोज खजोटिया, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 207 बटालियन के जवानों और राज्य पुलिस ने साथ मिलकर एससीओ को अंजाम दिया। अभियान के दौरान 01 दुर्दांत माओवादी को पकड़ा जिसका नाम नरेश कोडा है जो परवेज, सुरेश कोडा, नारायण कोडा और विडियों ग्रुप का सदस्य है जिसकी (आयु 40 वर्ष) जिला लखीसराय (बिहार) का रहने वाला है जिसके पास से पिस्टल 7.65 एमएम–01 नग एव इसके 10 कारतूस बरामद किए। पकड़े गए माओवादी और गोली बारूद राज्य पुलिस को सौंप दिया।

02/07/2022

श्री कमलेश कुमार साहू, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 94 एवं 174 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर बेराकेनदूदा पुलिस स्टेशन जिला पश्चिम सिंहभूम (झारखंड) में एरिया डोमीनेशन किया। अभियान के दौरान 03 संदिग्धों को पकड़ा जिनके नाम समरो खादिया (आयु 25 वर्ष) पुत्र स्व0 तेजू खादिया, शखू प्रधान (आयु 48 वर्ष) स्व0 कन्द्रा प्रधान एवं सुखराम मुण्डा (आयु 24 वर्ष) जिला गुमला (झारखंड़) हैं और इनके पास से 01 मोटर साईकिल, एटीएम कार्ड–04 नग और अन्य सामान बरामद किए। संदिग्धों को सामानों सहित राज्य पुलिस को सौंप दिया।

04/07/2022

श्री नवीन कुमार, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 207 बटालियन के जवानों और राज्य पुलिस ने साथ मिलकर ग्राम फुलाडी पुलिस स्टेशन मिरतुर, जिला बीजापुर छत्तीसगढ़ में एरिया डोमीनेशन किया। अभियान के दौरान 01 डीएकेएमएस प्रसीडेंट बुधराम हेमला (आयु 45 वर्ष) पुत्र बोडा हेमला जिला बीजापुर को पकड़ा और उसे राज्य पुलिस को सौंप दिया।

06/07/2022

श्री के0एम0 कुजुर, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 154 बटालियन के जवानों एवं राज्य पुलिस ने साथ मिलकर ग्राम कोरडीह के नजदीकी जंगल, पुलिस स्टेशन खुखरा जिला गिरडीह (झारखंड) में एरिया डोमीननेशन किया। अभियान के दौरान 02 सीपीआई माओवादियों, जिनके नाम नंद लाल मांझी, एसएसी सदस्य(50 वर्ष) जो कि 25 लाख का ईनामी नक्सली था और चंद मुनी, नारीमुक्ति संगठन सदस्य (45 वर्ष) पत्नी पंद लाल मांझी जिला गिरडीह (झारखंड़) को पकड़ा और उसको राज्य पुलिस को सौंप दिया।

06/07/2022

पुलिस अधीक्षक कार्यालय सुकमल, पुलिस स्टेशन सुकमा (छत्तीसगढ़) में 04 वारंटी माओवादियों ने के0रि0पु0बल एवं राज्य पुलिस के अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया, जिनके नाम पोडियम हंडा–सीएनएम सदस्य (आयु 30 वर्ष) पुत्र हिडमा, कुंजमी हुंगा जन मिलिशिया सदस्य (आयु 18 वर्ष) पुत्र हिडमा, कुनम जोगा जन मिलिशिया सदस्य (आयु 20 वर्ष) पुत्र कुंजमी हिडमा और कुमारी सोदी देवी जन मिलिशिया सदस्य (आयु 30 वर्ष) पुत्री सोदी वीरा जिला सुकमा (छत्तीसगढ़) हैं।

08/07/2022

श्री विजय कुमार मीणा, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 154 बटालियन के जवानों एवं राज्य पुलिस के द्वारा ग्राम जितपुर के नजदीकी जंगल, पुलिस स्टेशन डुमरी जिला गिरडीह (झाारखंड) में एरिया डोमीननेशन किया। अभियान के दौरान 01 सीपीआई माओवादी ताला दा उफ सोमरा मांझी उर्फ बलेश्वर उर्फ सांझला दस्ता सदस्य (60 वर्ष) पुत्र स्व0 बाबू राम हेम्ब्रम जिला गिरडीह (झारखंड) को पकड़ा और उसको राज्य पुलिस को सौंप दिया।

09/07/2022

पुलिस अधीक्षक कार्यालय सुकमा, पुलिस स्टेशन सुकुमा, जिला सुकुमा (छत्तीसगढ़) में 03 सीपीआई(एम) के माओवादियों ने के0रि0पु0बल एवं राज्य पुलिस के अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया, जिनके नाम कलमू मादा मिलिशिया उप कमांडर (आयु 26 वर्ष) पुत्र देवा, नुप्पे बंडी मिलिशिया कमांडर (आयु 35 वर्ष) पुत्र हडमा और कलमू मादा मिलिशिया कमांडर (30 वर्ष) पुत्र स्व0 हुंगा हैं।

13/07/2022

श्री अमर पाल, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 207 बटा0 के जवानों ने राज्य पुलिस के द्वारा ग्राम एसएडीओ ब्रहमसिया के जंगल, पुलिस स्टेशन धरहरा जिला मुंगेर (बिहार) में एसएडीओ को अंजाम दिया। अभियान के दौरान 01 दुर्दांत माओवादी जिसका नाम जानकी कोडा उर्फ मिथू कोड़ा (सदस्य परवेज, सुरेश कोड़ा, नारायण कोड़ा एवं विडियो कोड़ा ग्रुप) आयु 37 वर्ष जिला लखीसराय (बिहार) को पकड़ा जिसके पास से पीईके–200 ग्राम, लैपटॉप चार्जर सहित, बैग–01 और अन्य सामानों को बरामद किया। माओवादी सहित बरामद हुए सामानों को राज्य पुलिस को सौंप दिया।

14/07/2022

श्री मृतंजय कुमार उप कमाण्डेंट के नेतृत्व में 94 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर पुलिस स्टेशन अर्की के अन्तर्गत आने वाले बिरबंकी जिला खूँटी (झारखंड) के जंगलों में ''डी'' लेवल का तलाशी अभियान चलाया। अभियान के दौरान जवानों ने 03 पीएलएफआई कैडर/समर्थक लोडरो हस्सा (20 वर्ष) पुत्र सहदेव हस्सा, सदहो हेम्ब्रम उर्फ सोमा हेम्ब्रम उर्फ लालू (30 वर्ष) पुत्र चर्दी हेम्ब्रम और गंजू नाग उर्फ तेनई नाग (19 वर्ष) पुत्र गिरी नाग जिला खूँटी (झारखंड़) को पकड़ा जिनके पास से 08 एमएम के जिन्दा कारतूस–02 नग, पीएलएफआई के पेपर–02 नग एवं लेबी प्राप्ति रसीद–01 नग बरामद हुए। पकड़े गए पीएलएफआई के सदस्यों को उनके पास से बरामद सामान सहित राज्य पुलिस को सौंप दिया।

15/07/2022

श्री राजेन्द्र सिंह सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 60 एवं 94 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर सोगा क्षेत्र, पुलिस स्टेशन गुदरी जिला पश्चिम सिंहभूम (झारखंड) में ''डी'' लेवल का तलाशी अभियान चलाया। अभियान के दौरान 01 पीएलएफआई का क्षेत्रीय कमांडर संतोष कंडुलना (02 लाख का ईनामी) (22 वर्ष) पुत्र स्व0 रवि कंडुलना जिला पश्चिम सिंहभूम (झारखंड) को पकड़ा जिसके पास से ए0के0–47–01 नग, 7.62x39 एमएम–108 राउण्डस, ए0के0 मैगजीन–02 नग, 7.62x39 एमएम–04 राउण्डस (खाली खोखा), मोबाईल–08 नग और अन्य सामग्री बरामद हुई। पकड़े गए माओवादी को बरामद हुए सामानों सहित राज्य पुलिस को सौंप दिया।

15/07/2022

201 कोबरा के बेस कैम्प चिनतलनार, पुलिस स्टेशन चिनटलनार जिला सुकुमा (छत्तीसगढ़) में 01 डीएकेएमएस सदस्य माडवी कोसा (आयु 36 वर्ष) ने के0रि0पु0बल अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया।

17/07/2022

श्री सुबोध कुमार सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 210 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर पुलिस स्टेशन बासगुडा के अन्तर्गत आने वाले टिमापुर एवं फुटोकेल के जंगल, जिला बीजापुर (छत्तीसगढ़) में एससीओ को अंजाम दिया। अभियान के दौरान 02 माओवादी (आपूर्ति करने वाले सदस्य) जिनका नाम अररोला संतोश पुत्र कल्ईय्या आयु 35 वर्ष जिला बीजापुर (छत्तीसगढ़) को पकड़ा और उनके पास से जिलेटिन रॉड–07 नग, कार्डलेस वायर–04 मीटर एवं बिजली की तार–20 मीटर बरामद की।

18/07/2022

श्री कमल किशोर, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 168 एवं 222 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर मुरडंडा केरिपुबल कैम्प के सामने, पुलिस स्टेशन अवापल्ली जिला बीजापुर (छत्तीसगढ़) में नाका लगाया। नाका लगाने के दौरान 01 माओवादी जिसका नाम देवा नुपो आयु 34 वर्ष पुत्र मासा नुपो जिला बीजापुर (छत्तीसगढ़) को पकड़ा जिसके पास से जिलेटिन की छड़े–05 नग, कॉरडेक्स वायर(लाल रंग का)–05 मीटर, मोटर साईकिल–01 बरामद हुई। इस संबंध में पुलिस स्टेशन अवापल्ली में प्राथमिक सूचना रिपोर्ट दर्ज करा दी गई है।

21/07/2022

नक्सल सेल कार्यालय सुकुमा, पुलिस स्टेशन सुकुमा जिला सुकुमा (छत्तीसगढ़) में दिनांक 21/07/2022 को सांयकाल में 1730 बजे 01 सक्रिय माओवादी डीएकेएमएस अध्यक्ष जिसका नाम बलराम भूमिया पुत्र स्व0 धुवा है, ने 131 बटालियन के कमाण्डेंट श्री प्रवीण थपोरियाल एवं राज्य पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया।

22/07/2022

श्री संजीव कुमार, उप कमाण्डेंट के नेतृत्व में 02 बटालियन के जवानों एवं राज्य पुलिस के साथ मिलकर ग्राम मुलेर के नजदीक पटेलपारा के जंगल, पुलिस स्टेशन फुलागडी जिला सुकुमा छत्तीसगढ़ में एससीओ को अंजाम दिया। अभियान के दौरान माओवादियों और जवानों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई जिसके परिणाम स्वरूप 01 माओवादी मड़कम हांदा, केरलापाल सदस्य, एरिया कमेटी, 02 लाख इनामी को मार गिराया, जिसके पास से पिस्टल 08 एमएम–01 नग, भरमार गन–01 नग, देशी कट्टा–01 नग, 08 एमएम कारतूस–03 नग, टिफिन बम्ब–01 नग (05 किलो), डेटोनेटर–10 नग, कॉरडेक्स तार–01 फिट, अन्य सामान बरामद किया।

22/07/2022

श्री विरेन्द्र पाल, उप कमाण्डेंट के नेतृत्व में 205 बटालियन के जवानों, एसएसबी व राज्य पुलिस के साथ मिलकर ग्राम पन्हबाटंड, पुलिस स्टेशन भदवर, जिला गया (बिहार) में सीएएसओ को अंजाम दिया गया। अभियान के दौरान 02 माओवादी कमांडरों को धर–दबोचा जिनके नाम अनिल कुमार भारती उर्फ मंडल उर्फ ड्राईवर उप जोनल कमांडर पुत्र सीताराम मंडल एवं श्रवन यादव उर्फ रंजीत यादव उर्फ बजरिया उप जोनल कमांडर पुत्र झारी यादव, जिला गया (बिहार) है और इनके पास से ए0के0–56–01 नग, (पिस्टल नं0 11649 वॉडी नं0 386–56–2–5011649), 7.62 जिन्दा कारतूस–183 नग, 7.62x39 एमएम–75 राउण्डस,

भारतीय रूपये 40,000/– और उनसे बरामद किए गए अन्य सामानों सहित राज्य पुलिस को सौंप दिया।

22/07/2022

श्री आशुतोष कुमार, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 207 एवं 215 बटालियन के जवानों एवं राज्य पुलिस ने साथ मिलकर पुलिस स्टेशन बरहट के अन्तर्गत आने वाले निपनिया पहाड़ के जंगल जिला जमुई (बिहार) में तलाशी अभियान चलाया। अभियान के दौरान 02 ईनामी शीर्ष माओवादी कमांडरों को धर–दबोचा जिनके नाम पिंटू राना एसएसीएम (स्पेशल एरिया कमेटी मेम्बर), करूण दी, जोनल कमांडर हैं और इनके पास से ए0के0–47–01 नग, एसएलआर–01 नग, 7.62x39 एमएम–159 राउण्डस, 7.62 जिन्दा कारतूस–88 नग, ए0के0 मैगजीन–02 नग और एयएलआर मैगजीन–01 नग बरामद किया। पकड़े गए माओवादियों को उनसे बरामद सामानों सहित राज्य पुलिस को सौंप दिया।

23/07/2022

श्रीमती के0एन0 रेवती के नेतृत्व में 141 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर ग्राम चिन्ननालाबल्ली, पुलिस स्टेशन डुम्मुगुडेम, जिला भद्रराद्री कोथागुडम (तेलंगाना) में नाका लगाया। नाकाबंदी के दौरान प्रतिबंधित संगठन सीपीआई(माओवादी) के 02 सदस्यों को पकड़ा जिनके नाम मुगादति नगाईश पुत्र बेंकटेशवर राव आयु 24 वर्ष एवं फुल्लुरी श्री हरि बाबू पुत्र राइसवारा राव आयु 32 वर्ष जिला भद्रराद्री कोथागुडम (तेलंगाना) हैं। जवानों ने उनके पास से भारतीय मुद्रा रू0 100000/–, मोबाईल–03 नग, बाईक–01 नग, माओवादी पार्टी साहित्य–01 नग बरामद किया। पकडे गए माओवादियों को सामानों सहित राज्य पुलिस को सौंप दिया।

25/07/2022

श्री चन्द्रामोरे अनिल, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 58 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर पुलिस स्टेशन बेंकटापुरम के अन्तर्गत आने वाले बोदापुरम ब्रीज जिला मुलुगू (तेलंगाना) में वाहन चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान जवानों ने 03 मिलिशिया सदस्यों को पकड़ा, जिनके नाम तति सौमय्या (45 वर्ष), तति सत्यम (35 वर्ष) और यालम सुरेश (25 वर्ष) जिला मुलुगू (तेलंगाना) हैं तथा इनके पास से नक्सल पम्पलेट–30 नग बरामद हुए। पकड़े गए माओवादियों को उनसे प्राप्त सामान के साथ राज्य पुलिस को सौंप दिया।

28/07/2022

श्री मृत्युंजय कुमार, उप कमाण्डेंट ने नेतृत्व में 94 बटायिलन के जवानों एवं राज्य पुलिस ने मिलकर कोयल नदी के खिजरी घाट, पुलिस स्टेशन रनिया जिला खूँटी (झारखंड़) में तलाशी अभियान चलाया। अभियान के दौरान जवानों ने 01 पीएलएफआई के दुर्दांत माओवादी को पकड़ा जिसका नाम मंजीत खैरवार (आयु 44 वर्ष) पुत्र जगननाथ खैरवार जिला खूँटी (झारखंड़) है, जिसे राज्य पुलिस को सौंप दिया।

28/07/2022

श्री सरकार, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 09 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर ग्राम कमलापुर पुलिस स्टेशन जिमालगट्टा जिला गढ़चिरौली (महाराष्ट्र) में सीएएसओ को अंजाम दिया। अभियान के दौरान जवानों ने 04 संदिग्धों को पकड़ा जिनके नाम डा0 फकीर यूईके (आयु 31 वर्ष) पुत्र फकीर चंद, प्रभुल देवानंद भट्ट (आयु 28 वर्ष) पुत्र देवी नंद भट्ट, अनिल गोकुलराज भट्ट (आयु 28 वर्ष) पुत्र गोकुल राज भट्ट एवं पवन चन्द्रा टी0 (आयु 56 वर्ष) हैं जिनके पास से लाल कपड़ा, सिल्वर पेंट, नक्सल पम्पलेट, लेपटॉप–01, मोबाईल फोन–02 नग और पेन ड्राईव–01 नग बरामद किया गया एवं राज्य पुलिस को सौंप दिया।

29/07/2022

श्री पी दिवाकर, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 42 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर ग्राम छावीतिदिब्बलू पुलिस स्टेशन वाई रामावरम जिला अलूरी सीताराम राजू (आ0प्र0) में नाका लगाया। नाकाबंदी के दौरान जवानों ने 05 संदिग्धों को पकड़ा जिनके नाम सागर हंसराज पाटिल (आयु 27 वर्ष) जिला जलगॉव (महाराष्ट्र), देबाराज तरूण (आयु 27 वर्ष) जिला कोरापुट ओडिशा, कोररा हेमनाथ कुमार (आयु 27 वर्ष) जिला एएसआर (आ0प्र0), किल्लो अनिल कुमार (आयु 25 वर्ष) जिला एएसआर (आ0प्र0) एवं किल्लो मुकेश कुमार (आयु 20 वर्ष) हैं। संदिग्धों के पास से गांजा–422 किलो, राशि 1,50,000/–, मोबाईल फोन–04 नग और 01 वाहन बरामद किया गया। संदिग्धों एवं बरामद सामान को राज्य पुलिस को सौंप दिया।

30/07/2022

श्री महेश चंद बलाई, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 203 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर ग्राम महुरी, मनुबझोर एवं कदल पुलिस स्टेशन धनगी, बाराछत्ती जिला गया (बिहार) में तलाशी अभियान चलाया। अभियान के दौरान जवानों ने 04 माओवादी समर्थकों को पकड़ा, जिनके नाम अर्जुन सिंह पुत्र जेथू सिंह, मुरारी सिंह पुत्र दीना सिंह, चकलाल सिंह पुत्र रघु सिंह एवं रूप लाल भक्ता पुत्र लालू सिंह हैं जो कि जिला गया (बिहार) के रहने वाले हैं और इन सभी को एस0पी0 चतरा को सौंप दिया गया है।

श्री इमरान खान, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 199 बटालियन के जवानों एवं राज्य पुलिस ने साथ मिलकर ग्राम तिनदोरी पुलिस स्टेशन भैरमगढ़ जिला बीजापुर (छत्तीसगढ़) में ए0डी0पी0 को अंजाम दिया। अभियान के दौरान 01 माओवादी को पकड़ा जो कि आपूर्ति दल का सदस्य है जिसका नाम बेंजमई मंगलू पुत्र गुलोडी (आयु 33 वर्ष) जिला बीजापुर है। पकडे गए सदस्य को राज्य पुलिस को सौंप दिया।

31/07/2022

श्री टी0 भगत सिंह, द्वि0क0अधि0 के नेतृत्व में 219 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस ने साथ मिलकर ग्राम मुकरटोंग, पुलिस स्टेशन भेजी जिला सुकुमा (छत्तीसगढ़) में सीएएसओ चलाया। अभियान के दौरान 01 माओवादी को पकड़ा जो डीएकेएमएस का अध्यक्ष है जिसका नाम सुधुराम कश्यप (आयु 40 वर्ष) पुत्र बोटी राम जिला सुकुमा है। पकड़े गए माओवादी को राज्य पुलिस को सौंप दिया।

01/08/2022

श्री प्रदीप कुमार सिंह, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 229 बटालियन के जवानों और डीआरजी ने मिलकर ग्राम भंडारपदर के जंगल जो कि पुलिस स्टेशन भेजी जिला सुकुमा (छत्तीसगढ़) में स्थित है, वहाँ पर एससीओ को अंजाम दिया। अभियान के दौरान डीआरजी जवानों के साथ माओवादियों की मुठभेड़ शुरू हो गई जिसके परिणाम स्वरूप डीआरजी ने माद क्षेत्र के 01 डीवीसीएम को मार गिराया। मारे गए माओवादी का नाम माडवी हिडमा पुत्र माडवी मासा जिला सुकुमा (छत्तीसगढ़) है जिस पर रू0 08 लाख का ईनाम घोषित था। मुठभेड़ के बाद तलाशी अभियान के दौरान जवानों ने 7.65 एमएम पिस्टल–01 नग, भरमार बन्दूक–02 नग, एसएलआर के 10 राउण्डस, जिलेटिन की छड़े–02 नग, पटाखा बम्ब –02 नग और अन्य सामान बरामद किया। माओवादी का शव और उससे बरामद हुए सामानों को राज्य पुलिस को सौप दिया और जवान सुरक्षित अपने स्थान पर पहुँच गए।

02/08/2022

श्री परविन्द्र सिंह द्वि0क0अधि0 के नेतृत्व में 197 बटालियन के जवानों और राज्य पुलिस ने मिलकर ग्राम गंदा पुलिस स्टेशन गुआ जिला पश्चिम सिंहभूम (झारखंड) में तलाशी अभियान चलाया। अभियान के दौरान जवानों ने 02 माओवादियों को पकड़ा जिनके नाम कईन्सर केराई आयु 22 वर्ष पुत्र तुरूंग केराई एवं उर्दू चकिया (आयु 42 वर्ष) पुत्र पतर चकिया जिला पश्चिम सिंहभूम (झारखंड) हैं एवं इनसे कुछ पोस्टर और बैनर बरामद किए गए। श्री पी0के0 जौहरी कमाण्डेंट एवं राज्य पुलिस के सामने आईएनसीएन नं0 023639 के द्वारा टीओसी के अनुसार माओवादियों को छोड़ दिया गया।

03/08/2022

श्री जे0 दुरई मुरगन, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 219 बटालियन के जवानों और राज्य पुलिस ने मिलकर ग्राम द्विधीपारा पुलिस स्टेशन भेजी जिला सुकुमा (छत्तीसगढ़) में तलाशी अभियान चलाया। अभियान के दौरान जवानों ने 01 वारंटी माओवादी जन मिलिशिया के सदस्य को पकड़ा जिसका नाम कासावी जोगा पुत्र विचा दोरला आयु 65 वर्ष जिला सुकुमा है। श्री नितिन कुमार कमाण्डेंट 219 बटालियन एवं राज्य पुलिस के सामने आईएनसीएन नं0 023638 के द्वारा पकड़े गए माओवादी को राज्य पुलिस को सौंप दिया।

03/08/2022

निरीक्षक(जीडी) बुधीराम के नेतृत्व में 141 बटालियन के जवानों और राज्य पुलिस ने मिलकर ग्राम तिप्पापुरम पुलिस स्टेशन चारला जिला भद्रराद्री (तेलंगाना) में तलाशी अभियान चलाया। अभियान के दौरान जवानों एक मिलिशिया सदस्य को पकड़ा, जिसका नाम तेलम भीमा आयु 25 वर्ष पुत्र पन्डू जिला बीजापुर (छत्तीसगढ़) है जो प्रतिबंधित संगठन सीपीआई (माओवादी) से संबंध रखता है जिसके पास से माओवादी शहीद सप्ताह से संबंधित 15 नग साहित्य बरामद किया गया। श्री हरी ओम खरे कमाण्डेंट 141 बटालियन एवं राज्य पुलिस के सामने आईएनसीएन नं0 023644 के द्वारा पकड़े गए माओवादी को राज्य पुलिस को सौंप दिया।

06/08/2022

श्री सुबोध कुमार, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 133 बटालियन के जवानों और राज्य पुलिस ने मिलकर ग्राम अराडीह पुलिस स्टेशन दसमफाल जिला राँची (झारखंड) में तलाशी अभियान चलाया। अभियान के दौरान जवानों ने 03 माओवादियों को पकड़ा जिनके नाम सुरेश महतो सुखराम सिंह मुडां और गौरव मुडां हैं जिनके पास से 09 एमएम पिस्टल–01 एवं इसके 09 एमएम के 02 नग कारतूस बरामद किए। श्री अमित कुमार कमाण्डेंट 133 बटालियन एवं राज्य पुलिस के सामने आईएनसीएन नं0 023662 के द्वारा पकड़े गए माओवादी एवं बरामद सामानों सहित राज्य पुलिस को सौंप दिया।

09/08/2022

श्री संजीव कुमार, द्वि0क0अधि0 के नेतृत्व में 170 बटालियन के जवानों और राज्य पुलिस ने मिलकर ग्राम बीजापुर

अस्पताल, पुलिस स्टेशन बीजापुर, जिला बीजापुर (छत्तीसगढ़) में सीएएसओ को अंजाम दिया। अभियान के दौरान जवानों ने 01 माओवादी को पकड़ा जिसका नाम राममूर्ति मिचाचा आयु 32 वर्ष पुत्र किट्टा है जिस पर 10,000/– का ईनाम घोषित है, जो कि जनतन सरकार का अध्यक्ष है। पकड़े गए माओवादी से मोबाईल फोन–04 नग, आधार कार्ड–01 नग बरामद किया और अन्य संदिग्ध सुरेश मिचाचा आयु 18 वर्ष को पकड़ा है। श्री वी0जे0 सुन्दरम, कमाण्डेंट 170 बटालियन एवं राज्य पुलिस के सामने आईएनसीएन नं0 023662 के द्वारा पकड़े गए माओवादी एवं बरामद सामानों सहित राज्य पुलिस को सौंप दिया और अन्य संदिग्ध जिसकी आयु 18 वर्ष है उसको टीओसी के अनुसार छोड़ दिया गया है।

12/08/2022

श्री रवि कुमार वर्मा, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 229 बटालियन के जवानों और राज्य पुलिस ने मिलकर ग्राम गोलम, पुलिस उसूर जिला बीजापुर (छत्तीसगढ़) में नाका लगाया। अभियान के दौरान जवानों ने सीपीआई(एम) के 02 सक्रिय सदस्यों को पकड़ा जिनके नाम नूपो देवा उर्फ मुचाकी देवा पुत्र हुंगा आयु 25 वर्ष और नूपो भीमा पुत्र वोदा आयु 40 जिला बीजापुर हैं। श्री पुष्पेन्द्र कुमार, कमाण्डेंट 229 बटालियन एवं राज्य पुलिस के सामने आईएनसीएन नं0 023703 के द्वारा पकड़े गए माओवादियों को राज्य पुलिस को सौंप दिया।

13/08/2022

02 माओवादी जिनका नाम मिडियम देवा पुत्र मिडियम बोटी (जीआरडी कमांडर) आयु 44 वर्ष और टामो भीमा पुत्र सुक्कु (संघम सदस्य) आयु 32 वर्ष ने पुलिस स्टेशन झारसुगड़ा (छत्तीसगढ़) में के0रि0पु0बल एवं राज्य पुलिस के अधिकारियों के समक्ष पुलिस स्टेशन चितंलनार, जिला सुकुमा (छत्तीसगढ़) में आत्मसमर्पण कर दिया।

16/08/2022

श्री जे0 दुरई मुरगन, सहायक कमाण्डेंट के नेत्त्व में 219 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर ग्राम काशीपारा के जंगल, पुलिस स्टेशन भेजी, जिला सुकुमा (छत्तीसगढ़) में एसएडीओ को अंजाम दिया। अभियान के दौरान 01 वारंटी माओवादी मिलिशिया सदस्य जिसका नाम मुचाकी कोसा आयु 43 वर्ष है को पकड़ा और उसे राज्य पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

17/08/2022

श्री चन्द्रसेन चौधरी, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 223 बटालियन के जवानों और राज्य पुलिस ने मिलकर ग्राम मदमदमेटा के जंगल जो कि पुलिस स्टेशन चिंतागुफा, जिला सुकुमा के अन्तर्गत हैं, में नाका लगाया। अभियान के दौरान जवानों ने 02 माओवादी मिलिशिया सदस्य को पकड़ा, जिनके नाम मुचाकी देवा पुत्र मुचाकी भीमा आयु 22 वर्ष (कमांडर सप्लाई टीम) एवं माडवी मोटू पुत्र माडवी भीमा आयु 25 वर्ष जिला बीजापुर (छत्तीसगढ़) हैं, जिनके पास से कॉरर्डेक्स तार–15 मीटर, बिजली की तार–100 मीटर, डेटोनेटर–10 नग, जिलेटिन की छड़े–12 नग, खाने–पीने का सामान और ट्रैक्टर ट्राली बरामद किया। श्री रघुवंश कुमार, कमाण्डेंट 223 बटालियन एवं राज्य पुलिस के सामने आईएनसीएन नं0 023736 के द्वारा पकड़े गए माओवादियों को राज्य पुलिस को सौंप दिया। प्राथमिक सूचना रिपोर्ट दर्ज की गई है।

19/08/2022

01 महिला माओवादी जिसका नाम मसे नुप्पो (मिलिशिया सदस्य और रू0 1000/– की ईनामी) है जो कि दंतेवाड़ा (छत्तीसगढ़) की रहने वाली है उसने पुलिस स्टेशन चितंलनार (छत्तीसगढ़) में डीआरजी लाईन करली पुलिस स्टेशन चितंलनार जिला सुकुमा में के0रि0पु0बल एवं राज्य पुलिस के अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया।

21/08/2022

श्री पी0 मनोज कुमार, कमाण्डेंट के नेतृत्व में 227 बटालियन के जवानों और राज्य पुलिस ने मिलकर ग्राम मरजुम के जंगलपारा, पुलिस स्टेशन कटेकल्याण, जिला दंतेवाड़ा (छत्तीसगढ़) में रात्रि का एम्बुश लगाया। अभियान के दौरान जवानों ने 01 महिला माओवादी जो कि हेडो कवासी की सदस्या है और जिस पर 05 लाख का ईनाम है जो सीएनएम अध्यक्षा है, को पकड़ा। श्री मनोज कुमार, कमाण्डेंट 227 बटालियन एवं राज्य पुलिस के सामने आईएनसीएन नं0 023760 के द्वारा पकडी गई महिला माओवादी को राज्य पुलिस को सौंप दिया।

21/08/2022

श्री जे0 दुरई मुरगन, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 219 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर ग्राम पारालेड़ा के जंगल, पुलिस स्टेशन भेजी, जिला सुकुमा (छत्तीसगढ़) में तालाशी अभियान चलाया। अभियान के दौरान 01 वारंटी माओवादी जिसका नाम मुचाकी मुका आयु 47 वर्ष है को पकड़ा और उसे राज्य पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

23/08/2022

निरीक्षक/आसूचना जी मगनेश के नेतृत्व में 223 बटालियन के जवानों और अभियान दल के जवानों ने मिलकर दोरनापाल बाजार, पुलिस स्टेशन दोरनापाल जिला सुकुमा (छत्तीसगढ़) से 01 मिलिशिया सदस्य सोदी सोमा आयु 25 वर्ष को पकड़ा। श्री रघुवंश कुमार, कमाण्डेंट 223 बटालियन एवं राज्य पुलिस के सामने आईएनसीएन नं0 023785 के द्वारा पकड़े गए माओवादी को राज्य पुलिस को सौंप दिया।

24/08/2022

02 माओवादी जिनका नाम पेको देवा उर्फ संदीप (सेक्शन कमांडर 02 कम्पनी बस्तर डिलीजन) आयु 25 वर्ष जिला बीजापुर (छत्तीसगढ़) और मदावी पूज्जा (मिलिशिया सदस्य) आयु 23 वर्ष जिला बीजापुर ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय कोथागुडम, पुलिस स्टेशन कोथागुडम, जिला खम्मम (तेलंगाना) में 141 बटालियन के0रि0पु0बल के अधिकारियों एवं राज्य पुलिस के अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया।

25/08/2022

श्री प्रकाश सिंह, द्वि0क0अधि0 के नेतृत्व में 222 बटालियन के जवानों और राज्य पुलिस ने मिलकर ग्राम कोंदरोजी, पुलिस स्टेशन जंगला, जिला बीजापुर (छत्तीसगढ़) में एरिया डोमिनेशन किया। अभियान के दौरान 01 मिलिशिया सदस्य किक्का आयु 33 वर्ष पुत्र बुधराम को पकड़ा। श्री विनोद कुमार, कमाण्डेंट 222 बटालियन एवं राज्य पुलिस के सामने आईएनसीएन नं0 023796 के द्वारा पकड़े गए व्यक्ति को राज्य पुलिस को सौंप दिया।

28/08/2022

श्री अशोक टी, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 37 बटालियन के जवानों और राज्य पुलिस ने मिलकर ग्राम मुयपदी जे0एस पुलिस स्टेशन भैरमगढ़, जिला गढ़चिरौली (महाराष्ट्र) में एरिया डोमिनेशन किया। अभियान के दौरान 02 माओवादियों को पकड़ा जिनके नाम रमेश उर्फ पल्लो 28 वर्ष पुत्र साईबू और शशि चरमू पुनगति जिला गढ़चिरौली (महाराष्ट्र) हैं। श्री मोहनदास ए0, कमाण्डेंट 37 बटालियन एवं राज्य पुलिस के सामने आईएनसीएन नं0 023818 के द्वारा पकड़े गए माओवादियों को राज्य पुलिस को सौंप दिया।

28/08/2022

श्री आर आर मिश्रा, द्वि0क0अधि0 के नेतृत्व में 94 बटालियन के जवानों और राज्य पुलिस ने मिलकर ग्राम सोतिया, पुलिस स्टेशन जरियागढ़ जिला खूँटी (झारखंड़) में तलाशी अभियान चलाया। अभियान के दौरान 02 पीएलएफआई के सहायकों को पकड़ा जिनके नाम नीलाम्बर गोपे आयु 27 वर्ष पुत्र सुक्रा गोपे और विकास ठाकुर आयु 26 वर्ष पुत्र बसंत ठाकुर जिला खूँटी (झारखंड़) हैं जिनके पास से रू0 72000/–, मोबाईल–07 नग और पीएलएफआई के पर्चे बरामद किए। श्री राधे श्याम सिंह, कमाण्डेंट 94 बटालियन एवं राज्य पुलिस के सामने आईएनसीएन नं0 023825 के द्वारा पकड़े गए पीएलएफआई के सहायकों को राज्य पुलिस को सौंप दिया।

30/08/2022

श्री बी0एस0 चौहान, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 219 बटालियन के जवानों और राज्य पुलिस ने मिलकर ग्राम पटेलपारा के जंगल, पुलिस स्टेशन भेजी जिला सुकुमा (छत्तीसगढ़) में तलाशी अभियान चलाया। अभियान के दौरान 04 व्यक्तियों को पकड़ा जिनमें से 01 डीएकेएमएस का सदस्य पदम हुंगा आयु 32 वर्ष पुत्र पदम वेरे जो कि 2000/– का ईनामी है और 03 अन्य संदिग्ध मुचाकी मंगडू (54 वर्ष) पुत्र मुचाकी देवा, मुचाकी अयाता (आयु 23 वर्ष) पुत्र मुचाकी मंगडू एवं मुचाकी देवा (18 वर्ष) पुत्र मुचाकी मंगडू हैं। श्री नितिन कुमार, कमाण्डेंट 219 बटालियन एवं राज्य पुलिस के सामने आईएनसीएन नं0 023833 के द्वारा पकड़े गए पीएलएफआई के सहायकों को राज्य पुलिस को सौंप दिया। 03 अन्य को टीओसी के अनुसार छोड़ दिया गया।

31/08/2022

श्री यासिर अब्बासी, द्वि0क0अधि0 के नेतृत्व में 190 बटालियन के जवानों और राज्य पुलिस ने मिलकर ग्राम कसियातु के जंगल, पुलिस स्टेशन सिमरिया, जिला चतरा (झारखंड़) में एसएडीओ को अंजाम दिया। अभियान के दौरान 01 पीएसपीसी माओवादी गंझू उर्फ सेथा उर्फ भास्करजी उर्फ वीरप्पनजी (जोनल कमांडर) आयु 23 वर्ष जिला लातेहार (झारखंड़) को पकड़ा जिसके पास से 5.56 एमएम (अमेरिका निर्मित)–01 नग, इन्सास राईफल–01 नग, 5.56 एमएम की गोलियां–230 राउण्डस, 7.62 एमएम की गोलियां–472 राउण्डस, एम4एआई राईफल की मैगजीन–03 नग, मैगजीन इन्सास एलएमजी–01 नग, इनसास मैगजीन–01 नग और पाउच–02 नग बरामद किया। श्री मनोज कुमार कमाण्डेंट 190 बटालियन एवं राज्य पुलिस के सामने आईएनसीएन नं0 023848 के द्वारा पकड़े गए माओवादी को सामानों सहित राज्य पुलिस को सौंप दिया।

पूर्वोत्तर क्षेत्र

01/07/2022

श्री कुमार सिद्धार्थ, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 68 बटालियन के जवानों, 14 बटा0 असम राईफल और राज्य पुलिस ने ग्राम पथर, पुलिस स्टेशन काकोपथर जिला तिनसुकियां (असम) में तलाशी एवं खात्मा अभियान चलाया। अभियान के दौरान जवानों एवं उल्फा(आई) के आतंकवादियों के बीच मुठभेड शुरू हो गई जिसके परिणाम स्वरूप 01 उल्फा आतंकवादी को मार गिराया जिसका नाम संतोष गोगई उर्फ ज्ञान आसोम पुत्र धानया गोगई जिला तिनसुकिया (असम) था जिसके पास से ए0के0 राईफल–01 नग, 7.62x 39 एमएम राउण्ड–10 नग, इलैक्ट्रिक डेटोनेटर–03 नग, ए0के0 मैग्जीन–01 नग और अन्य प्रकार की सामग्रियां बरामद हुई। आतंकवादी का शब और उससे प्राप्त हुई बरामदगियों को राज्य पुलिस को सौंप दिया।

संभरण शाखा

- 18,800 नग मैगजीन 30 राउण्डस इन्सास/एलएमजी खरीदे गये और यह आयुध फैक्ट्री/फर्म से दिनांक 1/7/22 को प्राप्त हो चुके हैं।
- 24,627 नग इन्सास राइफल की मैगजीन 20 राउण्डस को खरीदे गये और यह आयुध फैक्ट्री/फर्म से दिनांक 12/7/2022 को प्राप्त हो चुके हैं।
- यूजेडआई मीडियम जिसके साथ पार्टस एवं ऐसेसरीज–90 नग जिसकी अनुमानित कीमत रू0 1,78,58,000/– है की बिड दिनांक 18/7/2022 को जेम पर जारी की गई है। टीईसी शीघ्र की जाएगी।
- 20 गाडियाँ स्वराज माजदा (फोर व्हील ड्राईव) मध्यम ट्रक बुलेट प्रूफ दिनांक व्हीकल फैक्ट्री जबलपुर से दिनांक 19/7/22 को प्राप्त हो गई हैं।
- खराब गाड़ियों के कन्डमनेशन जिसे जी.ई.एम. पर दिया जा चुका है तथा कण्डम गाड़ियों के विरूद्ध 104 हल्के वाहन (90 गाड़ियाँ दिनांक 27/7/22 एवं 14 गाड़ियाँ दिनांक 28/7/22) को आपूर्ति आदेश जारी किया जा चुका है।
- 500 नग हैंड हेल्ड टर्मिनल इमेजर (एचएचटीआई) को खरीदने के लिए जी.ई.एम. पर दिनांक 13/7/22 को बिड जारी की गई है जिसकी अनुमानित राशि 17,58,20,000/– है और यह बिड दिनांक 5/8/22 को खोली जाएगी।
- थर्मल वेपन साईट (नाईट विजन वेपन सिस्टम)– 353 नग को खरीदने के लिए दिनांक 15/7/22 को जी.ई.एम. पर बिड डाली गई है जिसकी अनुमानित कीमत रू0 12,35,50,000/– है तथा यह बिड दिनांक 5/8/2022 को खोली जाएंगी।
- एक्स–95 टेवर एसएमजी (9x19 एमएम) साथ में 30 राउण्डस मैगजीन–02, सिलिंग–01 और क्लीनिंग किट के साथ रिफलेक्स साईट–90 नग, एमआरएलएस से 02 वर्ष और टूल एवं गेजेज सेट–90 नग को खरीदने के लिए जी.ई.एम. पर दिनांक 19/7/2022 को बिड जारी की गई है जिसकी अनुमानित कीमत रू0 1,90,86,500/– मात्र जो कि दिनांक 5/8/2022 को खोली जाएगी।
- बुलेट प्रूफ पटका–2500 नग खरीदने के लिए दिनांक 12/7/22 को जी.ई.एम. पर बिड डाली गई है जिसकी अनुमानित कीमत रू0 4,42,50,000/– और यह बिड दिनांक 10/8/22 को खोली जाएंगी।
- संयुक्त अस्पताल जगदलपुर के लिए आकस्मिक मेडीकल उपकरण खरीदने के लिए जी.ई.एम. पर बिड डाली गई है। 05 उपकरणों की अनुमानित कीमत रू0 2,02,21,600/– तथा यह बिड दिनांक 11/8/22 को खोली जाएंगी।
- टेंट एक्सटेनडेबल फ्रेम सपोर्टेट कम्पलीट ऐसेसरीज सहित (ओजी डब्ल्यु.ओ. पोलीस्टर विस्कोस डोप डायड) 04 एमएम एवं 02 एमएम– 4500 नग को खरीदने के लिए दिनांक 16/8/22 को जेम पर बिड डाली गई है जिसकी अनुमानित कीमत रू0 9,56,00,000/– है।
- हाई प्रेशर लिक्यूड क्रमोटोग्राफी (एचपीसीएल)–20 नग को खरीदने के लिए दिनांक 28/7/2022 को जी.ई.एम. पर बिड डाली गई है जिसकी अनुमानित कीमत रू0 4,84,99,980/– है और यह बिड दिनांक 22/8/22 को खोली जाएंगी।

यह महानिरीक्षक(संभरण) द्वारा अनुमोदित है।

कल्याण शाखा

कावा की गतिविधियाँ

21/07/2022

सीआरपीएफ परिवार कल्याण संस्था ने 26वीं वर्षगांठ के अवसर पर मानवीय संवेदनाओं को ध्यान में रखते हुए वार्षिक कार्यक्रम कैलेण्डर जारी किया गया था जिसके अर्न्तगत चिन्हित विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान का आयोजन करवाया गया है।

वार्षिक कार्यक्रम कैलेण्डर के ग्यारहवें विषय **''तकनीकी क्षेत्र की नवीनतम जानकारियां''** पर एक कार्यक्रम का आयोजन वेबएक्स के माध्यम से किया गया, जिसमें श्रीमती संगीता सिंह, अध्यक्षा कावा, तथा डॉ दीपक कुमार, साइबर इंटेलिजेंस और डिजिटल फोरेंसिक्स जो कि इस कार्यक्रम के मुख्य व्याख्याता थे, के द्वारा के.रि.पु.बल अकादमी, कादरपुर, गुरूग्राम में उपस्थित होकर आयोजित विषय पर व्याख्यान किया तथा जानकारी प्रदान की गई एवं अपने विचार रखें। इस व्याख्यान श्रृंखला की संरक्षक– श्रीमति नीलम सिंह क्षेत्रीय सी.डब्ल्यू.ए. प्रमुख, के.रि.पु.बल अकादमी, गुरूग्राम तथा समन्वयक– श्रीमति रीता रावत पत्नी श्री सतपाल रावत, महानिरीक्षक, के.रि.पु.बल अकादमी, गुरूग्राम थी।

उपरोक्त कार्यक्रम में केरिपुबल के सभी ग्रुप केन्द्र/संस्थानों में उपस्थित जवानों के परिवारों एवं कावा सदस्याओं ने ऑनलाइन आयोजन में भाग लिया। उक्त कार्यक्रम का प्रसारण यू ट्यूब एवं फेसबुक पर लाईव भी किया गया।

27/07/2022

सीआरपीएफ परिवार कल्याण संस्था की अध्यक्षा श्रीमती संगीता सिंह द्वारा स्माईल फाउण्डेंशन जोकि एक गैर सरकारी संस्था है, के साथ मिलकर केरिपुबल के कार्मिकों के बच्चे जोकि कक्षा 4 से 12 में अध्ययनरत है उनके लिए 03 वर्ष के लिए के निःशुल्क ई–लर्निंग लाईसेंस प्रदान करने की पहल की गई। जिसके तहत प्रथम चरण में कुल 16374 बच्चों को निःशुल्क ई–लर्निंग लाईसेंस प्रदान करने की कार्रवाई की गई।

01/08/2022

दिनांक 01/08/2022 को केरिपुबल परिवार कल्याण संस्था तथा हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड के मध्य अनुबंध/समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये। उक्त समझौता ज्ञापन के तहत कावा जो कि केरिपुबल के जवानों के परिवारों की देखभाल के लिए प्रतिबद्व है तथा कावा संस्था द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं से जवानों के परिवारजनों की बेहतरी के लिए कार्य कर रही है के द्वारा केरिपुबल के 90 दिव्यांग जवानों तथा कोविड महामारी के कारण असमय मृत्यु को प्राप्त हुये 200 कार्मिकों के परिवारजनों को लाभांवित करने हेतु अनुबंध किया गया। अनुबंध के अन्तर्गत केरिपुबल 90 दिव्यांग कार्मिकों को रेट्रोफिटमेंट किट वाले स्कूटर उपलब्ध करवाएं जाएगे तथा कोविड महामारी के कारण केरिपुबल के असमय मृत्यु को प्राप्त 200 जवानों के परिवारों को 06 माह का राशन, बच्चों की ट्यूशन फीस उपलब्ध करवाना, महिलाओं के स्वरोजगार हेतु 25000/ धनराशि की सहायता करवाई जाएगी ताकि वे स्वरोजगार द्वारा स्वंय तथा अपने परिवार की बेहतर देखभाल कर सकें।

05/08/2022 -- 12/08/2022

हर घर तिरंगा आजादी के अमृत महोत्सव के केरिपुबल के सभी क्षेत्रीय कावा केन्दों में दिनांक 05/08/2022 से 12/08/2022 के बीच कार्यक्रम करवाये गये जिसमें कार्यशाला (Workshops) आयोजित करवाई गई जिसमें कैम्पस में निवासरत सभी परिवारों ने भाग लिया। उक्त कार्याशाला में **(भारत का ध्वज संहिता-2002)** में निहित निर्देश एवं नियमों के अनुसार राष्ट्रीय ध्वज को फहराने के नियमों के सबंध में जागरूक तथा अपने–अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रोत्साहित किया गया ताकि उनके दिलो में देशभक्ति के भाव को जगाया जा सकें।

13/08/2022 -- 15/08/2022

केरिपुबल के सभी क्षेत्रीय कावा केन्द्रों में दिनांक 13 से 15 अगस्त 2022 तक सभी परिवाराजनों को उनके निवास स्थानों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने की कार्रवाई की गई और इसके अतिरिक्त दिनांक 15/08/2022 को स्वतंत्रता दिवस के 75वीं वर्षगांठ पर सभी क्षेत्रीय कावा केन्द्रों में निबंध प्रतियोगिता/चित्रकारी प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करवाये गये।

भर्ती शाखा

क.सं.	उपलब्धियाँ
1.	**उप निरी0/जीडी भर्ती परीक्षा - 2020 :** कर्मचारी चयन आयोग द्वारा दिनांक 17/06/2020 को नोटिफिकेशन जारी किया गया। दिनांक 06/01/2022 को कर्मचारी चयन आयोग द्वारा लिखित परीक्षा भाग–दो का परिणाम घोषित किया गया है। उम्मीदवारों का डी.एम.ई/आर.एम.ई. दिनांक 18/04/2022 से 02/05/2022 तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के सयुंक्त अस्पताल नई दिल्ली, हैदराबाद, पुणे, मुजफ्फरपुर व बैंगलोर केन्द्रों पर किया गया। दिनांक 30/05/2022 को कर्मचारी चयन आयोग द्वारा चिकित्सा जाँच/समीक्षा चिकित्सा जाँच का परिणाम घोषित किया गया। चिकित्सीय रूप से योग्य घोषित हुए उम्मीदवारों का कर्मचारी चयन आयोग द्वारा दिनांक 15/06/2022 से 21/06/2022 तक दस्तावेजों का सत्यापन किया गया। कर्मचारी चयन आयोग द्वारा दिनांक 15/07/2022 को अंतिम परिणाम घोषित किया गया, जिसमें केरिपुबल को 1069 उम्मीदवार आवंटित किये गये हैं।
2.	**सहायक कमाण्डेंट (एल.डी.सी.ई.)-2018:-** सहायक कमाण्डेंट (एल.डी.सी.ई)–2018 के लिए केरिपुबल के 865 योग्य आवेदकों का विवरण/दस्तावेज भर्ती शाखा द्वारा दिनांक 17/06/2022, 04/07/2022, 08/07/2022 एवं 08/08/2022 को नोडल फोर्स (एस.एस.बी) को प्रेषित किया गया। लिखित परीक्षा का आयोजन नोडल फोर्स (एस.एस.बी.) द्वारा दिनांक 28/08/2022 को किया गया।
3.	**एम.ओ.एस.बी. (चिकित्सा अधिकारी चयन समिति):-** एम.ओ.एस.बी. द्वारा दिनांक 08/07/2022 को अंतिम परिणाम घोषित किया गया, जिसमें 20 विशेष चिकित्सा अधिकारी, 85 सामान्य डयूटी चिकित्सा अधिकारी केरिपुबल को आवंटित किए गये हैं।
4.	**सहायक कमाण्डेंट (जीडी.)-2022:-** सहायक कमाण्डेंट (जीडी)–2022 को यू.पी.एस.सी. द्वारा दिनांक 20/04/2022 को नोटिफिकेशन जारी किया गया एवं दिनांक 07/08/2022 को लिखित परीक्षा का आयोजन किया गया।
5.	**करूणामूलक आधार पर भर्ती :** करूणामूलक आधार पर भर्ती हेतु भर्ती शाखा के पत्र संख्या ए.छः15/2022–भर्ती–डी.ए.9 दिनांक 02/08/2022 एवं 04/08/2022 के माध्यम से विभिन्न पदों हेतु संबंधित सैक्टरों को 24 रिक्तियाँ आवंटित की गई हैं।

उप महानिरीक्षक से महानिरीक्षक के पद पर पदोन्नति

क्र.सं.	इरला सं.	अधिकारी का नाम
1.	2674	सुनील जून
2.	2642	संदीप दत्ता

स्थानान्तरण

क्र.सं.	इरला सं.	अधिकारी का नाम श्रीमति/श्री	पूर्व	वर्तमान
1.	12255	रश्मि शुक्ला, अपर महानिदेशक	अपर महानिदेशक (प्रशिक्षण)	अपर महानिदेशक, मुख्या0
2.	6005	संजीव रंजन ओझा, अपर महानिदेशक	कार्यालय पूर्वोत्तर जोन	अपर महानिदेशक (प्रशिक्षण)
3.	2678	कजोर मल यादव, महानिरीक्षक	द्रुत कार्य बल, सेक्टर (वी.आई.पी. सिक्योरिटी)	आसूचना, महानिदेशालय
4.	2674	सुनील जून, महानिरीक्षक	ग्रुप केन्द्र गुरूग्राम	आन्तरिक सुरक्षा अकादमी
5.	2642	संदीप दत्ता, महानिरीक्षक	प्रशिक्षण महानिदेशालय	मणिपुर एवं नागालैण्ड सेक्टर
6.	12328	मनीष कुमार अग्रवाल, महानिरीक्षक	मणिपुर एवं नागालैण्ड सेक्टर	निर्माण शाखा महानिदेशालय
7.	2525	अजय भारतान, महानिरीक्षक	मध्य प्रदेश सेक्टर	कार्यालय पूर्वोत्तर जोन
8.	2664	जसबीर सिंह संधू, महानिरीक्षक	आर.टी.सी श्रीनगर	मध्य प्रदेश सेक्टर
9.	2661	सीमा धुंडिया, उप महानिरीक्षक	द्रुत कार्य बल, सेक्टर	सी.आई.ए.टी शिवपुरी

महानिदेशक का डिस्क एवं प्रशंसा पत्र

जुलाई-अगस्त, 2022

क्र. स.	इरला/बल सं.	पद	नाम	कार्यालय/यूनिट	पुरस्कार
1	11321	महानिरीक्षक	श्रीमती सोनल वी मिश्रा, भा.पु.से.	पूर्वोत्तर क्षेत्र	रजत (प्रशा.)
2	4000	कमाण्डेंट	सुभाष चंद्र शर्मा	175 बटालियन	कांस्य (प्रशा.)
3	10023	सहायक कमाण्डेंट	पंकज कुमार झा	175 बटालियन	कांस्य (प्रशा.)
4	7038	उप कमाण्डेंट	युवराज कुमार	कल्याण शाखा, महानिदेशालय	कांस्य (प्रशा.)
5	65010087	उप निरीक्षक/मंत्रा0	अनीता कुमारी	ग्रुप केन्द्र जालंधर (कल्याण शाखा, महानिदेशालय के साथ संलग्न)	कांस्य (प्रशा.)
6	145020106	सिपाही/जीडी (महिला)	श्रीमती सुरभि देवी	232 (महिला) बटालियन (कल्याण शाखा, महानिदेशालय के साथ संलग्न)	कांस्य (प्रशा.)
7	4693	कमाण्डेंट	हेलाल फिरोज	130 बटालियन	प्रशस्ति रोल
8	6666	द्वितीय कमान अधिकारी	अरुण कुमार	130 बटालियन	गोल्डन (ऑप्स)
9	11647	सहायक कमाण्डेंट	अखण्ड प्रताप सिंह	130 बटालियन	गोल्डन (ऑप्स)
10	181300024	उप निरीक्षक/जीडी	सुरजीत सिंह	130 बटालियन	गोल्डन (ऑप्स)
11	75081423	सिपाही/जीडी	जोगिन्दर सिंह	130 बटालियन	कांस्य (ऑप्स)
12	135275024	सिपाही/जीडी	डी अप्पला नायडू	130 बटालियन	कांस्य (ऑप्स)
13	3568	कमाण्डेंट	मनोज कुमार	कोबरा सेक्टर मुख्यालय (राजपत्रित अधिकारी हकदारी सेल के साथ संलग्न)	गोल्डन (प्रशासन) 1 सितारा
14	5983	द्वितीय कमान अधिकारी	अनिल शेखावाटी	34 बटालियन (राजपत्रित अधिकारी हकदारी सेल के साथ संलग्न)	कांस्य (प्रशा.)
15	11760	सहायक कमाण्डेंट/मंत्रा0	सूबे सिंह	रेंज मुख्यालय, जम्मू (राजपत्रित अधिकारी हकदारी सेल के साथ संलग्न)	कांस्य (प्रशा.)
16	951570015	उप निरीक्षक/मंत्रा0	प्रवीण राघवी	22 बटालियन (राजपत्रित अधिकारी हकदारी सेल के साथ संलग्न)	कांस्य (प्रशा.)
17	951580199	उप निरीक्षक/मंत्रा0	समीर हलदर	ग्रुप केन्द्र सिल्चर (राजपत्रित अधिकारी हकदारी सेल के साथ संलग्न)	कांस्य (प्रशा.)
18	941680022	उप निरीक्षक/मंत्रा0	मुरली धर मिश्रा	ग्रुप केन्द्र सिल्चर (राजपत्रित अधिकारी हकदारी सेल के साथ संलग्न)	कांस्य (प्रशा.)
19	127410716	सहायक उप निरीक्षक/तकनीशियन	लीला कृष्ण	पहला सिग्नल बटालियन (आईटी महानिदेशालय में संलग्न)	रजत (प्रशा.)

20	5986	मु.चि.अधि. (एसजी)	डॉ हीरा राजा	चिकित्सा महानिदेशालय (अब सीएच जम्मू में तैनात हैं)	रजत (प्रशा.)
21	37120247	उप निरीक्षक / मंत्रा0	चंदन कुमार	ग्रुप केन्द्र इम्फाल (महानिदेशालय के साथ संलग्न)	रजत (प्रशा.)
22	981190381	सहायक उप निरीक्षक / मंत्रा0	दीन मोहम्मद	ग्रुप केन्द्र इम्फाल (महानिदेशालय के साथ संलग्न)	रजत (प्रशा.)
23	45250351	सिपाही / नर्सिंग सहायक	अभिषेक चौहान	चिकित्सा महानिदेशालय (अब सीएच ईम्फाल में तैनात)	कांस्य (प्रशा.)
24	65093812	सिपाही / जीडी	एच इबुनघल सिंघ	प्रशा0 महानिदेशालय	कांस्य (प्रशा.)
25	11439	चि.अधि.	डॉ. प्रभात कुमार	165 बटालियन	कांस्य (प्रशा.)
26	12313	महानिरीक्षक	अमित कुमार	बिहार सेक्टर	कांस्य (ऑप्स)
27	2841	उप महानिरीक्षक	विमल कुमार बिष्ट	मुख्यालय टैक जमुई	सिल्वर (ऑप्स)
28	5723	द्वितीय कमान अधिकारी	ललन कुमार	215 बटालियन	गोल्डन (ऑप्स)
29	7323	उप कमाण्डेंट	संदीप	215 बटालियन	गोल्डन (ऑप्स)
30	12078	सहायक कमाण्डेंट	अरबिंद कुमार राय	215 बटालियन	कांस्य (ऑप्स)
31	15202956	सिपाही / चालक	मुकेश कुमार	215 बटालियन	कांस्य (ऑप्स)
32	65205422	सिपाही / जीडी	मिथिलेश कुमार यादव	215 बटालियन	कांस्य (ऑप्स)
33	105170368	सिपाही / जीडी	चंदन कुमार राम	215 बटालियन	कांस्य (ऑप्स)
34	110049479	सिपाही / जीडी	अमित कुमार सिंह	215 बटालियन	कांस्य (ऑप्स)
35	10076	सहायक कमाण्डेंट	सुजीत भास्करराव वंजारी	182 बटालियन	सिल्वर (ऑप्स)
36	105272704	सिपाही / जीडी	मालोथू रमेश	182 बटालियन	कांस्य (ऑप्स)
37	75224268	सिपाही / जीडी	कन्हैया लाल	182 बटालियन	सिल्वर (ऑप्स)
38	105060038	सिपाही / जीडी	गोविंद कुमार प्रजापति	182 बटालियन	सिल्वर (ऑप्स)
39	9968	सहायक कमाण्डेंट	प्रदीप सिंह राठी	183 बटालियन	सिल्वर (ऑप्स)
40	35070093	हव0 / जीडी	मो. हनीफ	183 बटालियन	कांस्य (ऑप्स)
41	61830357	सिपाही / जीडी	मुदस्सिर युसुफ भट	183 बटालियन	कांस्य (ऑप्स)
42	65161576	सिपाही / जीडी	सुखलाल सिंह	183 बटालियन	कांस्य (ऑप्स)
43	12313	महानिरीक्षक	अमित कुमार	बिहार सेक्टर	सिल्वर (ऑप्स)
44	3548	उप महानिरीक्षक	संजय कुमार	रेंज टेक, गया	प्रशस्ति रोल
45	2841	उप महानिरीक्षक	विमल कुमार बिष्ट	रेंज टेक, जमुई	गोल्डन (ऑप्स)
46	4917	कमाण्डेंट	जियाउ सिंह	47 बटालियन	सिल्वर (ऑप्स)
47	8183	सहायक कमाण्डेंट	मुरली धर झा	47 बटालियन	सिल्वर (ऑप्स)
48	1376211	निरीक्षक / जीडी	पंकज कुमार	47 बटालियन	कांस्य (ऑप्स)

49	15082489	हव0 / जीडी	पवन कुमार	47 बटालियन	कांस्य (ऑप्स)
50	15266377	हव0 / जीडी	कमल सिंह	47 बटालियन	कांस्य (ऑप्स)
51	75343249	सिपाही / बिगुलर	हरजिंदर सिंह	47 बटालियन	कांस्य (ऑप्स)
52	115205075	सिपाही / जीडी	सुगंधा कुमार सिंह	47 बटालियन	कांस्य (ऑप्स)
53	11671	सहायक कमाण्डेंट	बिनोद कुमार	159 बटालियन	गोल्डन (ऑप्स)
54	850791374	निरीक्षक / जीडी	बिजय कुमार	159 बटालियन	कांस्य (ऑप्स)
55	941340267	सहायक उप निरीक्षक / जीडी	सोरन सिंह	159 बटालियन	कांस्य (ऑप्स)
56	105194428	सिपाही / जीडी	कौशलेश कुमार	159 बटालियन	कांस्य (ऑप्स)
57	95023641	सिपाही / फिटर	सोनू कुमार	159 बटालियन	कांस्य (ऑप्स)
58	111196496	सिपाही / जीडी	मनोज कुमार	159 बटालियन	कांस्य (ऑप्स)
59	175323623	सिपाही / जीडी	ओम प्रकाश भारती	159 बटालियन	कांस्य (ऑप्स)
60	4451	कमाण्डेंट	कैलाश	205 कोबरा	गोल्डन (ऑप्स) 1 सितारा
61	95100493	निरीक्षक / जीडी	कुमार पुरुषोत्तम	205 कोबरा	कांस्य (ऑप्स)
62	180020037	उप निरीक्षक / जीडी	अतुल तिवारी	205 कोबरा	कांस्य (ऑप्स)
63	105024069	उप निरीक्षक / जीडी	सुशील कुमार दुबे	205 कोबरा	कांस्य (ऑप्स)
64	991180128	हव0 / जीडी	बिशन सिंह	205 कोबरा	कांस्य (ऑप्स)
65	115263039	सिपाही / जीडी	धर्मेन्द्र कुमार	205 कोबरा	कांस्य (ऑप्स)
66	145314226	सिपाही / जीडी	भोनू लाल पासवान	205 कोबरा	कांस्य (ऑप्स)
67	4915	कमाण्डेंट	जोगेन्द्र सिंह मौर्य	215 बटालियन	गोल्डन (ऑप्स)
68	8092	उप कमाण्डेंट	विजेंद्र कुमार मीणा	215 बटालियन	गोल्डन (ऑप्स)
69	8872	सहायक कमाण्डेंट	प्रणव प्रकाश	215 बटालियन	सिल्वर (ऑप्स)
70	810707036	निरीक्षक / जीडी	सुधीर झा	215 बटालियन	कांस्य (ऑप्स)
71	51130096	हव0 / फिटर	श्रीधर रेयी	215 बटालियन	कांस्य (ऑप्स)
72	175324905	सिपाही / जीडी	अमित कुमार	215 बटालियन	कांस्य (ऑप्स)
73	165040085	सिपाही / जीडी	आजाद खान	215 बटालियन	कांस्य (ऑप्स)
74	भा.पु.से. 145796	वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक	डॉ. जी.वी. संदीप चक्रवर्ती, भा.पु.से.	एसएसपी कुलगाम, जम्मू–कश्मीर	सिल्वर (ऑप्स)
75	11196	सहायक कमाण्डेंट / पी.एस	ललित मोहन बिलवाल	महानिदेशालय	रजत (प्रशा.)
76	45121231	निरीक्षक / जीडी	प्रवीण कुमार	महानिदेशालय	कांस्य (प्रशा.)
77	115080103	सिपाही / जीडी	अजीत सिंह	महानिदेशालय	कांस्य (प्रशा.)
78	2768	उप महानिरीक्षक	पवन कुमार शर्मा	स्थापना महानिदेशालय	गोल्डन (प्रशासन)
79	3131	उप महानिरीक्षक	राजेश कुमार	संगठन महानिदेशालय	कांस्य (प्रशा.)

80	3565	उप महानिरीक्षक	शंकर दत्त पांडे	आईटी महानिदेशालय	गोल्डन (प्रशासन)
81	8392	उप कमाण्डेंट	विवेक कुमार	आईटी महानिदेशालय	प्रशस्ति रोल
82	9805	सहायक कमाण्डेंट	आशीष रावत	आईटी महानिदेशालय	गोल्डन (प्रशासन)
83	77290098	उप निरीक्षक / टी.	रंजीथ एम.	आईटी महानिदेशालय	रजत (प्रशा.)
84	127410681	सहायक उप निरीक्षक / टी.	सुनील दत्त	आईटी महानिदेशालय	कांस्य (प्रशा.)
85	891620091	निरीक्षक / मंत्रा0	सुनील कुमार धार	स्थापना महानिदेशालय	कांस्य (प्रशा.)
86	921620265	उप निरीक्षक / मंत्रा0	नदीम अहमद	स्थापना महानिदेशालय	गोल्डन (प्रशासन)
87	913285909	उप निरीक्षक / मंत्रा0	राधे श्याम राम	स्थापना महानिदेशालय	रजत (प्रशा.)
88	941650016	उप निरीक्षक / मंत्रा0	अशोक कुमार सिंह	स्थापना महानिदेशालय	रजत (प्रशा.)
89	951840101	उप निरीक्षक / मंत्रा0	राजकिशोर तिवारी	स्थापना महानिदेशालय	गोल्डन (प्रशासन)
90	65181577	उप निरीक्षक / मंत्रा0	मनोज कुमार	स्थापना महानिदेशालय	कांस्य (प्रशा.)
91	115121476	सिपाही / जीडी	स्वामी संदीप कुमार पूर्णचंद	37 बटालियन (स्थापना महानिदेशालय के साथ संलग्न)	कांस्य (प्रशा.)
92	951800153	उप निरीक्षक / मंत्रा0	अशोक कुमार पाण्डेय	संगठन महानिदेशालय	कांस्य (प्रशा.)
93	41748393	हव0 / जीडी	अरविंद कुमार	166 बटालियन	कांस्य (प्रशा.)
94	3598	उप महानिरीक्षक	सुधांशु सिंह	महानिदेशालय (अब आ.सु. अकादमी में)	कांस्य (प्रशा.)
95	5489	द्वितीय कमान अधिकारी	शशि भूषण सिंह बिष्ट	परिचालन महानिदेशालय	प्रशस्ति रोल
96	25181195	सहायक उप निरीक्षक / मंत्रा0	नवीन मौर्य	परिचालन महानिदेशालय	कांस्य (प्रशा.)
97	155140069	सिपाही / जीडी	चिन्ना सी. अमरनाथ	12 बटालियन	कांस्य (ऑप्स)
98	155140087	सिपाही / जीडी	पेडागोला पेडान्ना	12 बटालियन	कांस्य (ऑप्स)
99	––	के9	रिम	12 बटालियन	कांस्य (ऑप्स)
100	11250	सहायक कमाण्डेंट	राना अभय सिंह	210 कोबरा	कांस्य (ऑप्स)
101	165250142	सहायक उप निरीक्षक / जीडी	शांगकाहाओ	210 कोबरा	कांस्य (ऑप्स)
102	41752674	हव0 / जीडी	संजीव कुमार	210 कोबरा	कांस्य (ऑप्स)
103	175147043	सिपाही / जीडी	बोत्सा विनोध	210 कोबरा	कांस्य (ऑप्स)
104	145083902	सिपाही / जीडी	बिप्रीत सिंह	210 कोबरा	कांस्य (ऑप्स)
105	135214978	सिपाही / जीडी	धांडे बालू रामकृष्ण	210 कोबरा	कांस्य (ऑप्स)
106	125260148	सिपाही / जीडी	मुकेश कुमार साह	210 कोबरा	कांस्य (ऑप्स)
107	21140000	निरीक्षक / एस.एफ.ई	श्रीकुमार वी	बीएसएफ एयर विंग	कांस्य (ऑप्स)

समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर के दौरान श्री अंशुमान यादव, महानिरीक्षक (प्रशासन) के.रि.पु.बल हीरो कम्पनी के प्रतिनिधियों के साथ।

श्री कुलदीप सिंह, महानिदेशक, के.रि.पु.बल एशियन बॉडीबिल्डिंग एण्ड फिजिक स्पोर्टस फेडरेशन 2022 में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले सिपाही प्रवीन कुमार को सम्मानित करते हुए।

महानिदेशक, के.रि.पु.बल एवं वरिष्ठ अधिकारीगण, के.रि.पु.बल स्थापना दिवस पर वीरता पदक विजेताओं के साथ।